RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 344
फरीदाबाद, सोमवार, 25 जनवरी, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए
YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

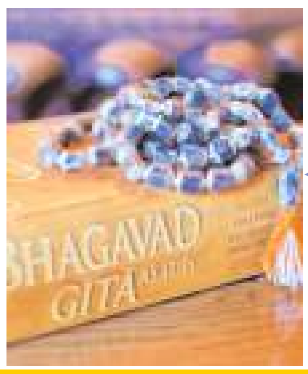

गीता : एक स्थायी जुड़ाव
पेज- 12

गैस, डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ा रही सरकार

10 दिन में दूसरी बार तमिलनाडु पहुंचे राहुल गांधी

एजेंसी। तमिलनाडु

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को तमिलनाडु के इरोड में रोड शो किया। यहां समर्थकों की काफी भीड़ है। राहुल ने रोड शो की शुरुआत में ही केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कहा, मैं यहां ये बताने के लिए नहीं आया हूं कि आपको क्या करना है या आपको मुझे मेरे मन की बात कहनी है। मैं यहां आप लोगों की समस्याएं सुनने और उसके निस्तारण करने में आपकी मदद करने के लिए आया हूं।

राहुल गांधी 10 दिन में दूसरी बार तमिलनाडु पहुंचे हैं। यहां इसी साल चुनाव होने हैं। इस बार उनका ये दौरा तीन दिन का है। इन तीन दिनों में वो अलग-अलग शहरों में रोड शो और जनसभाएं करेंगे। इरोड में रोड शो के दौरान राहुल केंद्र सरकार पर हमलावर दिखे। कहा, केंद्र सरकार की नीतियों के चलते ही तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई। ये मंदी की ओर बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि वह राज्य सरकारों को ब्लैकमेल करते हैं। वह तमिलनाडु के लोगों को कंट्रोल करना चाहते हैं। रोड शो की शुरुआत में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर महंगाई को लेकर तंज कसा। सोशल मीडिया पर लिखा, लोग मंहगाई से परेशान है और मोदी सरकार टैक्स जुटाने में व्यस्त है। उन्होंने लिखा मोदी सरकार के लिए जीडीपी का मतलब गैस, डीजल और पेट्रोल का दाम बढ़ाना है।

180 किमी लंबी रैली निकाल रहे किसान, शरद हो सकते हैं शामिल

एजेंसी। मुंबई

कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन में अब महाराष्ट्र के किसान भी शामिल हो गए हैं। राज्य के 21 जिलों के किसान नासिक से मुंबई यानी 180 किमी तक रैली निकाल रहे हैं। मुंबई पहुंचने पर ये एक सभा करेंगे और इसमें एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार भी शामिल हो सकते हैं। पवार की पार्टी राज्य में सरकार चला रहे गठबंधन का हिस्सा है।

दिल्ली बॉर्डर पर 26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर रैली से पहले नासिक में शनिवार को हजारों किसान इकट्ठा हुए। इसके बाद उन्होंने रैली की शुरुआत की। जारी एक वीडियो में किसानों का हुजूम नजर आ रहा है। किसानों के हाथ में झंडे और बैनर भी दिखाई दे रहे हैं। ऑल इंडिया

किसान सभा के बैनर तले निकाला जा रहा यह मार्च कुछ घंटों में मुंबई पहुंच जाएगा। कड़कड़ाती सर्दी में दिल्ली बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों के बारे में बात करते हुए पवार ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर वे किसानों की समस्या सुलझाने में कामयाब नहीं हुए, तो गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा था कि सरकार को किसानों के धैर्य की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए।

दिल्ली में लगे 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे, छह लोग हिरासत में

एजेंसी। नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस से पहले पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। पीएस तुगलक रोड पर रात करीब एक बजे पीसीआर कॉल मिली कि खान बाजार मेट्रो स्टेशन के पास कुछ लोग पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को दो युवक तीन महिला व एक किशोरी के साथ एक बाइक पर मिले। बाइक सवार युवक और युवतियों से पूछताछ की तो सामने आया कि ये सभी लोग इंडिया गेट के आसपास घूमने आए थे और युलु बाइक किराए पर ली थी। युलु बाइक पर उन्होंने रेस लगाई।

इस दौरान इन लोगों ने एक दूसरे का नाम भारत और पाकिस्तान देश के नाम पर रख लिया। इसी दौरान उन्होंने उत्साह में धीमी आवाज में

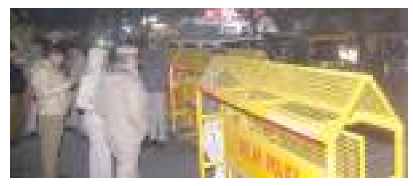

पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। फिलहाल पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए लड़के-लड़कियों की कोई गलती नहीं है। उन्होंने जानबूझकर पाकिस्तान के समर्थन में कोई नारेबाजी नहीं की थी। पूछताछ के दौरान दिल्ली पुलिस के अधिकारियों को ये जानकारी मिली है। स्पेशल सेल और खुफिया विभाग के सूत्रों के मुताबिक रविवार सुबह उन लड़के-लड़कियों को जॉइंट इंट्रोगेशन के लिए बुलाया गया था, जिसमें फिलहाल उन लोगों को सशर्त क्लीन चिट दे दी गई है।

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम $21.01^{0}C$
न्यूनतम $09.09^{0}C$

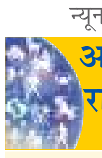

आज का राशिफल 25 जनवरी >> पढ़े पेज-10

क्विक न्यूज

पार्टी से बाहर हुए प्रधानमंत्री केपी ओली, सदस्यता रद्द

काठमांडो। नेपाल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को कम्युनिस्ट पार्टी से हटा दिया गया है साथ ही उनकी सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। बता दें कि ओली के खिलाफ पार्टी में काफी समय से बगावत के सुर बुलंद हो रहे थे। इससे पहले एनसीपी के अलग गुट के नेता पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने शुक्रवार को राजधानी काठमांडो में एक बड़ी सरकार विरोधी रैली निकाली थी। इस रैली में उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा संसद को अवैध तरीके भंग किए जाने से देश की संघीय लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा था कि ओली ने न केवल पार्टी के संविधान और प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया है बल्कि नेपाल के संविधान की मर्यादा को भी क्षति पहुंचाई है और लोकतांत्रिक प्रणाली के विरुद्ध काम किया है।

'गोलियों से मुक्त कराया, 5 साल में बाढ़ मुक्त बना देंगे'

कोकराझार। असम में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राजनीतिक हलचलें तेज हो गई हैं। इस कड़ी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राज्य के दौरे पर हैं। रविवार को कोकराझार में उन्होंने विजय संकल्प समावेश रैली को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बोडो शांति समझौते के साथ प्रधानमंत्री जी ने संदेश दिया कि उत्तर पूर्व में जहां-जहां अशांति है, वहां बातचीत कीजिए और शांति का मार्ग प्रशस्त कीजिए।

● विस्तृत खबर पेज-09

ठंड से बचने चलाया था हीटर, कार में मृत मिले

बनिहाल/जम्मू। बनिहाल में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर फंसे वाहन में दो लोग मृत मिले हैं। शबीर अहमद मीर (22) और मजीद गुलजार मीर (30) उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले स्थित करालपोरा गांव के रहने वाले थे। श्रीनगर जाने के लिए निकले थे, लेकिन जवाहर सुरंग के पास बर्फबारी के मद्देनजर रास्ता बंद होने की वजह से फंस गए थे। कार में ठंड से बचने के लिए उन्होंने वाहन में हीटर चला रखा था। आशंका है, इसी से बनी जहरीली गैस के कारण दोनों मारे गए।

68 करोड़ रुपये की हेरोइन के साथ युगांडा के दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर रविवार को कथित रूप से 68 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन की तस्करी करने का प्रयास कर रहे युगांडा के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया है। सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी बयान के मुताबिक देश में किसी भी हवाई अड्डे पर हेरोइन, मादक पदार्थ का पता लगाने के सबसे बड़े मामलों में से यह एक है।

किसान ट्रैक्टर रैली को सशर्त अनुमति, पुलिस रहेगी अलर्ट

गणतंत्र दिवस देश में यादगार बनेगी किसानों की ट्रैक्टर परेड

एजेंसी। नई दिल्ली

कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का विरोध प्रदर्शन 60वें दिन भी जारी रहा। 12वें दौर की बातचीत के बाद भी किसानों और सरकार के बीच बात नहीं बन पाई है। वहीं, 26 जनवरी को दिल्ली में होने वाली ट्रैक्टर परेड को लेकर संशय बरकरार है। किसान नेताओं ने बताया कि परेड के लिए पुलिस की अनुमति मिल गई है। वहीं, किसानों का कहना था कि पुलिस अनुमति दे या न दे, ट्रैक्टर परेड होकर रहेगी। खास बात यह भी है कि इस बार गणतंत्र दिवस पर किसानों की यह ट्रैक्टर परेड ऐतिहासिक और यादगार रहेगी। सभी अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के साथ-साथ सीएपीएफ और गणतंत्र दिवस परेड की सुरक्षा के लिए तैनात अन्य बलों को किसान ट्रैक्टर रैली को लेकर अलर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था की गई है।

सिंघु बॉर्डर के पास गुरु तेग बहादुर मेमोरियल में किसान संसद का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए कांग्रेस सांसद रवनीत बिट्टू भी पहुंचे थे। जैसे ही रवनीत वहां पहुंचे, उनकी गाड़ियों पर लोगों ने लाठियों से हमला कर दिया। इसमें उनकी गाड़ी के शीशे भी चटक गए। किसानों और पुलिस के बीच आम सहमति बन गई है। इसके तहत दिल्ली के बाहरी इलाकों में रैली निकाली जाएगी। इसके लिए दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने सभी पुलिसकर्मियों को अलर्ट रहने के आदेश दिए हैं। 26 जनवरी को होने वाली ट्रैक्टर परेड के लिए रूट मैप तैयार हो चुका है। किसानों ने गाजीपुर बॉर्डर पर परेड के लिए रूट तैयार किया। बताया गया कि यूपी गेट से परेड शुरू होगी, जो आनंद विहार सीमापुरी होते हुए मेरठ तिराहे तक जाएगी। किसानों के ट्रैक्टर परेड को लेकर यूपी गेट पर किसानों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की संख्या बढ़ाई गई है। प्रदर्शन स्थल पर 26 जनवरी को होने वाली किसानों की ट्रैक्टर परेड की तैयारियां जोरों से चल रही है।

किसान नेता राकेश टिकैत ने ट्वीट किया कि 26 जनवरी की किसान गणतंत्र दिवस परेड ऐतिहासिक होगी। उन्होंने सभी किसानों से अपील की है कि आप दल बल के साथ घर से निकलें और जो भी बाधा रास्ते में पड़े उसे पार करते हुए आगे बढ़ें। अगर किसी ने इसमें व्यवधान पैदा करने की कोशिश की, तो उसका जिम्मेदार संबंधित जिला अधिकारी, एसएसपी और राज्य सरकारें होंगी।

पाक से 300 से अधिक ट्विटर अकाउंट बनाए गए: पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को दावा किया कि गणतंत्र दिवस के मौके पर किसानों की प्रस्तावित ट्रैक्टर परेड को बाधित करने के लिए पाकिस्तान से 300 से अधिक ट्विटर खाते बनाए गए हैं। ट्रैक्टर परेड से संबंधित विस्तृत योजना के संबंध में विशेष पुलिस आयुक्त (खुफिया) दीपेंद्र पाठक ने कहा कि मंगलवार को गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के संपन्न होने के बाद कड़ी सुरक्षा में ट्रैक्टर परेड निकाली जाएगी।

पाठक ने प्रेसवार्ता में कहा, किसानों की ट्रैक्टर परेड को बाधित करने के लिए पाकिस्तान से 13 से 18 जनवरी के दौरान 300 से भी अधिक ट्विटर अकाउंट बनाए गए हैं। इस संबंध में विभिन्न एजेंसियों से एक ही प्रकार की जानकारी प्राप्त हुई है। यह हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। हालांकि, गणतंत्र दिवस परेड समाप्त होने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच ट्रैक्टर परेड निकाली जाएगी। उल्लेखनीय है कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर हजारों किसान प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें से अधिकतर पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हैं। किसान संगठनों का आरोप है कि नए कृषि कानूनों से मंडी और एमएसपी खरीद की व्यवस्था समाप्त हो जाएंगी तथा किसान बड़े कॉरपोरेट घरानों की दया पर निर्भर हो जाएंगे।

किसानों की ट्रैक्टर परेड, पुलिस ने डायवर्ट किया ट्रैफिक

चंडीगढ़। गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों द्वारा आयोजित की जा रही ट्रैक्टर परेड के कारण सभी मुख्य मार्गों का ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है। प्रशासन की उम्मीद से कहीं अधिक ट्रैक्टर इस परेड में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में हरियाणा पुलिस ने आम लोगों से आह्वान किया है कि अगर बहुत जरूरी हो तभी वह अगले दो दिन दिल्ली के लिए निकले। राजधानी दिल्ली की तरफ जाने वाले सभी मार्गों पर जाम की स्थिति बनी हुई है। हरियाणा व दिल्ली पुलिस ने आपसी सहमति के साथ रविवार को ट्रैफिक रूटों में बदलाव कर दिया है। अब पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल आदि राज्यों से आने वाले वाहन चालकों को नए रूट लेकर दिल्ली और नोएडा जाना पड़ेगा। पुलिस ने वाहन चालकों को अपील की है कि वह केजीपी और केएमपी का प्रयोग न करें।

हरियाणा में बदलेगी शिक्षकों की ट्रांसफर पॉलिसी

आपसी सहमति से हो सकेंगे तबादले

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

शिक्षामंत्री करेंगे सीएम खट्टर के साथ बैठक

जेबीटी, टीजीटी और पीजीटी को होगा लाभ

हरियाणा में शिक्षक अब आपसी सहमति के साथ तबादले करवा सकेंगे। सरकार ने ट्रांसफर पॉलिसी में बदलाव की तैयारी कर ली है। नई नीति के तहत शिक्षकों के म्यूचुअल ट्रांसफर हो सकेंगे। शिक्षामंत्री कंवरपाल गुर्जर ने इस योजना के लिए विभागीय अधिकारियों को ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। इससे पहले शिक्षा विभाग के आला अफसरों के साथ भी बैठक की जाएगी, ताकि म्यूचुअल ट्रांसफर के लिए कोई फार्मूला निकाला जा सके। अगर यह योजना सिरे चढ़ती है, तो इसका फायदा जेबीटी (जूनियर बेसिक टीचर) को ही नहीं, टीजीटी और पीजीटी शिक्षकों को भी मिलेगा।

हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को लागू किया गया है। पंजाब और उत्तर प्रदेश ने भी हरियाणा की इस पॉलिसी को लागू किया है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में ऐसे जेबीटी हैं, जो अपने गृह जिलों या साथ लगते जिलों में लौटना चाहते हैं। पूर्व की हुड्डा सरकार के समय अगस्त-2014 में हुई जेबीटी भर्ती में चयनित हुए शिक्षकों में से 70 प्रतिशत तक शिक्षक अपने गृह जिलों से दूर हैं। इस समय हरियाणा में जेबीटी के करीब 30 हजार, टीजीटी के 36 हजार तथा पीजीटी की संख्या 20 हजार के करीब है। जेबीटी को पहली से पांचवीं तक, टीजीटी को छठी से आठवीं तक तथा पीजीटी को नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी है। टीजीटी और पीजीटी के ऑनलाइन ट्रांसफर एक जिले से दूसरे जिले में हो जाते हैं, लेकिन जेबीटी को एक ही जिले के किसी ब्लॉक के स्कूल में ऑनलाइन ट्रांसफर प्रक्रिया में शामिल होने की इजाजत मिलती है।

जिला कॉडर में आते हैं जेबीटी

जेबीटी जिला कॉडर में आते हैं। ऐसे में एक बार जिला अलॉट होने के बाद उनकी दूसरे जिलों में ट्रांसफर नहीं हो पाती। उस समय भी भर्ती के नतीजों के बाद इन शिक्षकों को टेम्परेरी तौर पर जिले अलॉट किए गए थे। वर्तमान में इन जेबीटी को नए सिरे से जिलों की अलॉटमेंट होने की कोई संभावना नहीं है। इसी के चलते शिक्षामंत्री ने म्यूचुअल ट्रांसफर की नीति बनाने का मन बनाया है। हरियाणा के शिक्षामंत्री कंवर पाल के अनुसार इस योजना पर काम चल रहा है। जल्द ही मुख्यमंत्री से बैठक के बाद फैसला लिया जाएगा।

झूठ-अफवाह को सही सूचना के जरिए शिकस्त देने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय वैज्ञानिकों ने कोविड-19 का टीका विकसित कर अपना कर्तव्य पूरा किया और अब हमें झूठ तथा अफवाह फैलाने वाले हर नेटवर्क को सही सूचना के जरिए परास्त कर अपना कर्तव्य पूरा करना है।

गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने जा रहे एनसीसी कैडेट, एनएसएस स्वयंसेवी और कलाकारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह के संगठनों ने हमेशा ही चुनौतीपूर्ण समय से निपटने में अपनी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, कोविड के समय में भी, आपके द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है। जब सरकार और प्रशासन को आपकी जरूरत होती है, तब आप स्वयंसेवी के रूप में आगे आते हैं और सहायता करते हैं।

अभय ने स्पीकर से मांगा समय, 27 को देंगे इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कृषि कानूनों पर पंचकूला में बुलाई कार्यकारिणी की बैठक

हरियाणा विधानसभा में इनेलो के एकमात्र विधायक अभय चौटाला ने साफ कर दिया है कि 27 जनवरी को वह विधानसभा स्पीकर से मुलाकात कर विधायक पद से इस्तीफा देंगे। इससे पहले पंचकूला में पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई है। जिसमें कृषि कानूनों पर पार्टी द्वारा शुरू किए जाने वाले प्रदेशव्यापी संघर्ष की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

रविवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभय चौटाला ने कहा कि उन्होंने 11 जनवरी को ई-मेल के जरिए विधानसभा अध्यक्ष को सशर्त इस्तीफा भेजा था। इसमें उन्होंने कहा था कि अगर 26 जनवरी तक केंद्र सरकार तीनों कृषि कानूनों को वापस नहीं लेती, तो 27 जनवरी को उनका इस्तीफा मंजूर समझा जाए। अब उन्होंने स्पीकर से मुलाकात के लिए समय मांग लिया गया है। अभय ने कहा कि 27 जनवरी को पंचकूला में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद वह सीधे विधानसभा जाएंगे। वहां स्पीकर से मुलाकात करके अपना इस्तीफा मंजूर कराएंगे। अभय ने स्वीकार किया कि उन पर इस्तीफा नहीं देने का काफी दबाव है। उन्होंने कहा कि कुछ नेताओं ने उन्हें फोन करके इस्तीफा न दिए जाने के लिए मनाने का प्रयास किया है, लेकिन वह फैसला ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल ने हमेशा किसान-मजदूरों की लड़ाई लड़ी और उनके लिए संघर्ष किया। वह बड़े से बड़े बलिदान से पीछे नहीं हटे। मेरा इस्तीफा तो उनके बलिदानों के पीछे कुछ भी नहीं है।

लद्दाख गतिरोध : सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाएंगे भारत-चीन

नई दिल्ली। करीब ढाई महीने अंतराल के बाद भारत और चीन की सेनाओं ने रविवार को कोर कमांडर स्तर की नौवें दौर की वार्ता की। इसका उद्देश्य पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले सभी स्थानों से सैनिकों को हटाने की प्रक्रिया पर आगे बढ़ना है।

उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के चीन की ओर स्थित मोल्दो सीमावर्ती क्षेत्र में सुबह दस बजे शुरू हुई थी। इससे पहले, छह नवंबर को हुई आठवें दौर की वार्ता में दोनों पक्षों ने टकराव वाले खास स्थानों से सैनिकों को पीछे हटाने पर व्यापक चर्चा की थी। वार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेह स्थित 14वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन कर रहे हैं। भारत लगातार यह कहता आ रहा है कि पर्वतीय क्षेत्र में टकराव वाले सभी स्थानों से सैनिकों को वापस बुलाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और तनाव को कम करने की जिम्मेदारी चीन की है।

बजट 2021 एमएसएमई सेक्टर को इस बार बजट से हैं कई उम्मीदें

एजेंसी। नई दिल्ली

एक फरवरी को वित्तमंत्री निर्मला संसद में पेश करेंगी बजट

90 के दशक के बाद यह अब तक का सबसे चुनौती पूर्ण बजट होगा

एक फरवरी 2021 को केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण संसद भवन में बजट-2021 पेश करेंगी। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि 90 के दशक के बाद यह अब तक का सबसे बड़ा चुनौती पूर्ण बजट होगा। सरकार का खजाना खाली है। इस बजट में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) सेक्टर को राहत मिलने की संभावना है। विशेषज्ञों की मानें तो बजट 2021 में एमएसएमई को जीएसटी में राहत मिलनी चाहिए।

कोरोना के कारण पिछले साल एमएसएमई सेक्टर काफी प्रभावित हुआ। इसी को देखते हुए सरकार ने आत्मनिर्भर राहत पैकेज के तहत एमएसएमई सेक्टर को कई राहत देने की कोशिश की जाएगी। इसके अलावा कारोबार ग्रोथ को बढ़ाने और एमएसएमई के प्रोत्साहन के लिए व्यवसायिक सेवाओं पर जीएसटी दर 5 फीसदी तक घटाया जा सकता है, जो इस समय 18 फीसदी है। वहीं, इस समय जिन सेवाओं पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है उनमें कानूनी पेशेवरों, कोरियर सर्विसेज और मैनेजमेंट कंसल्टिंग के अलावा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, आर्किटेक्ट्स, एचआर, मार्केटिंग, सप्लाई चेन मैनेजमेंट तथा होस्टिंग शामिल हैं। इसके अलावा आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोविजनिंग, मेंटेनेंस, रिपेयर और इंस्टॉलेशन सर्विसेज भी इसी लिस्ट में शामिल हैं। साथ ही जीएसटी के अलावा एमएसएमई सेक्टर के लिए एक और खास प्रोविजन का ऐलान किया जा सकता है। माना जा रहा है कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण पहले ही इसके लिए संकेत दे चुकी हैं।

बजट में और प्रावधान किए जाने की भी संभावना

दरअसल, सरकार ने कोरोना के मद्देनजर एमएसएमई को कई बेनेफिट दिए। इस बीच बजट में और प्रावधान किए जाने की भी संभावना है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बजट में केंद्र सरकार एमएसएमई को एनपीए से जुड़े नियमों में भी राहत दे सकती है। एनपीए क्लासीफिकेशन पीरियड को एमएसएमई के लिए 90 दिन से 120 या 180 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। सरकार कोरोना महामारी से प्रभावित होने के चलते इस सेक्टर को ये राहत दे सकती है।

● संबंधित खबरें पेज-09

Good Morning!
फरीदाबाद पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 25 जनवरी 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए करें कोविड-19 गाइडलाइंस का पालन : मुखर्जी

कोरोना की वजह से देश को काफी नुकसान पहुंचा है। लोग अभी तक इससे उबर नहीं पाए हैं। वर्तमान स्थिति में हमारे के लिए काम करना बेहद जरूरी है। लेकिन घर से बाहर निकलते समय हमें कोरोना को नहीं भुलना है। बेशक वैक्सिन आ चुकी है। लेकिन कोरोना का खतरा अभी टला नहीं है। हमें कोरोना से बचने के लिए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करते हुए मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाकर चलना होगा। यह कहना है समाजसेवी एवं कालीबाड़ी मंदिर के सांस्कृतिक सचिव गोरा मुखर्जी का। वे संस्कृति के प्रति युवाओं में रूचि पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। ***पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और गोरा मुखर्जी की बातचीत के अंश :-***

जीवन परिचय

नाम	: गोरा मुखर्जी
जन्मदिन	: 7 जनवरी 1967
पिता	: भवानी प्रसाद मुखर्जी
माता	: स्वर्गीय ओनिमा मुखर्जी
पत्नी	: बैशाखी मुखर्जी
परिवार	: बेटा आरको मुखर्जी
स्कूल	: हाई सैकेंड्री - सर निवेंदोनाथ इंस्टियूट, कोलकाता
उच्चशिक्षा	: बीटेक - जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता
रूचि	: फोटोग्राफी

● **सवाल : शिक्षा के बाद आपने कॅरियर की शुरूआत कैसे की।**

जवाब : वर्ष 1990 में मैने कोलकाता की यूटीलिटी इंडिया कंपनी ज्वाइंन की थी। इसके बाद वहीं की अन्य कंपनियों में काम किया। वर्ष 2001 में फरीदाबाद की एक कंपनी में आ गया। वर्ष 2005 में जर्मनी की कंपनी एमडब्ल्यु ग्रुप में चला गया। वर्तमान में दिपाली इंफोटेक कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत हूं।

● **सवाल : आपने किसकी प्रेरणा से इंजीनियरिंग का पेशा अपनाया।**

जवाब : मेरी बचपन से ही तकनीकी कामों में रूचि थी। बचपन में दीवाली पर घर की सजावट के लिए बिजली लड़ियां बनाता था। यहां तक कि घर के बिजली के मरम्मत के काम खुद ही किया करता था।

● **सवाल : शिक्षा के दौरान क्या आप अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेते थे।**

जवाब : शिक्षा के दौरान मेरी सांस्कृतिक गतिविधियों में खासी रूचि थी। मैं गिटार बजाता था। हमारा एक ग्रुप भी था, जो सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता था।

● **सवाल : समाजसेवा की तरफ आपकी रूचि कैसे बढ़ी।**

जवाब : अपने आसपास जरूरतमंद लोगों को देखकर मुझे लगा कि इनकी मदद के लिए आगे आना चाहिए। हमारे ग्रुप को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने से आय होती थी। इस पैसे से हम जरूरतमंदों की मदद करते थे। साथ ही हम ग्रामीण कलां शिल्पियों की भी आर्थिक मदद करते थे।

● **सवाल : फरीदाबाद आने के बाद किस तरह से समाजसेवा कर रहे हैं।**

जवाब : वर्ष 2003 में कालीबाड़ी मंदिर के साथ जुड़ गया था। वर्ष 2008 से मैं मंदिर का सांस्कृतिक सचिव हूं। मंदिर में होने वाले स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शिविर और समाज कल्याण के प्रत्येक कार्य में अपना पूरा योगदान देता हूं। साथ मैं तिगांव रोड स्थित प्रणव कन्या सदन की हर सम्भव मदद करता हूं। यहां अक्सर लगने वाले भारत सेवा आश्रम के शिविरों में दान एकत्रित कराने में सहयोग करता हूं।

● **सवाल : युवाओं में कला एवं संस्कृति के प्रति रूचि पैदा करने के लिए क्या कर रहे हैं।**

जवाब : आज के युवा कला एवं संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। बच्चों और युवाओं में इसके प्रति रूचि पैदा करने के लिए मैं यहां दुर्गापूजा और अन्य कार्यक्रमों दूर दूर से कलाकारों को बुला कर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराता हूं। मंदिर में बच्चों के लिए आर्ट क्लास भी लगाई जाती है।

● **सवाल : लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की कैसे मदद की।**

जवाब :मंदिर में प्रतिदिन करीब 800 पैकेट भोजन तैयार कर जरूरतमंदों को वितरित किया जा रहा था। मैं इसके लिए लोगों से दान एकत्रित करने के साथ साथ भोजन तैयार करवाने में सहयोग दे रहा था।

● **सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।**

जवाब : हम सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का दृढ़ता से पालन कर कोरोना को हरा सकते हैं।

● **सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर लगा था।**

जवाब : सरकार ने बिल्कुल सही समय पर फैसला लिया था। इसी वजह से आज हम सुरक्षित हैं।

शहर का तापमान

- अधिकतम 18.05 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 04.02 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- स्वास्थ्य विभाग का टीकाकरण दिवस आज: सुबह 10 बजे
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर एनएच-तीन स्थित सरकारी स्कूल में कार्यक्रम: सुबह 10.15 बजे
- सेक्टर-12 में किसान आंदोलन को लेकर धरना: सुबह 10 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच व ओपीडी शुरू: सुबह 9 बजे

निवेश गुरु

सुरक्षित भविष्य के लिए जल्दी निवेश करने के बारे में विचार अक्सर अनदेखा किया जाता है, विशेष रूप से नव नियोजित के बाद से पीई कारपे दीम' तक रहने के लिए वाक्यांश लगता है। लेकिन, अस्थिर बाजार की स्थितियों और अस्थिर वैश्विक को देखते हुए अर्थव्यवस्था, स्थिर भविष्य के लिए जल्दी निवेश करना बुद्धिमानी है। आपके 20 वर्ष ऐसे वर्ष हैं, जहां आपकी तुलनात्मक रूप से कम जिम्मेदारियां और अधिक प्रयोज्य हैं आय। पहला कदम आपकी पहचान करना है वित्तीय लक्ष्य और जैसे विभिन्न निवेश विकल्पों के बारे में जानें।

यूटीलिटी न्यूज

विकास कार्यों का शिलान्यास

फरीदाबाद। विधायक राजेश नागर ने गांव बहादुरपुर पहुंचने पर स्थानीय निवासियों का उन्हें विधानसभा पहुंचाने पर धन्यवाद किया और विकास कार्यों का शिलान्यास किया। जिसमें बहादुरपुर से कौराली, बदरौला, मंधावली और चांदपुर जाने वाली सडक़ों का निर्माण भी शामिल था। उन्होंने मौके पर ही लोगों से अन्य मांगों के बारे में भी जानकारी लेकर जल्द ही सभी को पूरा करने की बात कही। इस अवसर पर रामगोपाल शर्मा, दयाराम मास्टर, जिले सिंह, सरपंच सतबीर, विक्रांत कौशिक, अशोक कुमार, नरेंद्र मेंबर, बिजेंद्र नम्बरदार, अजब सिंह चंदीला, तेज सिंह अधाना, अशोक सरपंच, कौराली सरपंच सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

नेताजी को किया याद

फरीदाबाद। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125वीं पर जयंती पर फ्रैन्ड्स सोशल वर्कर्स एसोसिएशन(रजि.)मार्किट नम्बर-5 के महासचिव मुकेश मल्होत्रा ने कहा कि भारत को आजादी नेताजी सुभाष चन्द बोस के बलिदान व त्याग की वजह से मिली है, जिन्होनें आजाद हिन्द फौज का गठन किया। जिससे भयभीत होकर अंग्रेज भारत छोड़ गए। उन्होंने कहा कि जय हिन्द का नारा सुभाष चन्द बोस जी द्वारा दिया गया। जिसे हर भारतीय बड़े गर्व से बोलता है। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द बोस ने लोगों से आह्वान किया था कि तुम मुझे खून दो में तुम्हें आजादी दूगां और यह बात सच साबित भी हुई।

74 साल बाद भी तय नहीं हैं सम्मानित करने के मापदंड

स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने को नहीं बनाए नियम

राजेश दास। फरीदाबाद

देश को आजाद हुए 74 साल गुजर चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ हरियाणा को अलग राज्य बने हुए भी करीब 55 साल का समय बीत चुका है। लेकिन प्रदेश सरकार ने स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर सरकारी कर्मचारी एवं अधिकारी और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित करने के कोई मापदंड तय नहीं किया है। जबकि हर साल इन दोनों दिवसों पर दर्जनों की संख्या में लोगों को सम्मानित किया जाता है। सम्मानित होने वाले कई लोग तो ऐसे होते हैं, जिनका खुद का अथवा उनके विभाग का कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं होता। सम्मानित होने वाले लोगों में ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं होती, जिन्हें प्रति वर्ष प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस बात का खुलास एक संघर्ष द्वारा दायर की गई आरटीआई से हुआ है। प्रशासन ने स्वीकार किया है कि इन मौके पर सम्मानित करने के लिए सरकार ने कोई हिदायत या नोटिफिकेशन जारी नहीं की है। प्रशासन द्वारा गठित कमेटी विभागों और एनजीओ से आवेदन मांगती है। सम्मानित करने के कमेटी के निर्णय के बाद उपायुक्त अंतिम निर्णय लेते हैं। प्रशासन के इस जवाब से संतुष्ट न होकर राज्य सूचना आयोग ने जांच के आदेश दिए हैं, जो करीब डेढ़ साल से लंबित पड़ी है।

आरटीआई में मांगा जवाब

हर साल स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस के मौके पर जिले में दर्जनों की संख्या में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी, समाजसेवी और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ साथ रेडक्रास से जुड़े लोगों को सम्मानित किया जाता है। सम्मानित होने वालों में ऐसे अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल होते हैं, जिन पर लगे आरोपी की जांच चल रही होती है। वहीं कई लोगों को तो हर साल दोनों दिवसों पर सम्मानित किया जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए एक संघर्ष एनजीओ के अध्यक्ष अजय बहल ने वर्ष 2017 में जिला प्रशासन में एक आरटीआई दायर की थी। जिसमें उन्होंने पूछा था कि प्रशासन किस आधार पर इन्हें सम्मानित करता है। इसके लिए सरकार अथवा प्रशासन की तरफ से क्या मापदंड तय किए गए हैं। सम्मानित करने के आवेदन के लिए क्या प्रशासन द्वारा कोई सार्वजनिक सूचना जारी की जाती है। जिन लोगों को सम्मानित किया जाता है, क्या उनसे चरित्र प्रमाण पत्र मांगा जाता है। सम्मानित होने वाले लोगों के नाम जारी करने की कमेटी में कौन कौन शामिल हैं। इन पर किसके द्वारा सहमति दी जाती है।

तय नहीं है मापदंड

अजय बहल द्वारा दायर की गई इस आरटीआई का जवाब देने में पहले तो सूचना अधिकारी द्वारा टाला जाने लगा। लेकिन बाद में इसका जवाब सूचना अधिकारी द्वारा करीब डेढ़ साल बाद दिया गया। सूचना अधिकारी ने इस मामले में अपना पूरा जवाब गोलमोल तरीके से दिया था। जवाब में सूचना अधिकारी ने बताया है कि सम्मानित करने के लिए सरकार की तरफ से कोई हिदायत या नोटिफिकेशन जारी नहीं की जाती। इन दोनों दिवसों पर लोगों को सम्मानित करने की लिस्ट तैयार करने के लिए जिला स्तर पर एक कमेटी गठित की जाती है। जिसमें उपायुक्त, एसडीएम और नगराधीश शामिल होते हैं। यह कमेटी विभिन्न विभागों और उनके अंतर्गत कार्य करने वाली एनजीओ से सम्मानित करने के लिए लोगों के आवेदन मांगती है। इन आवेदनों की जांच के बाद कमेटी सम्मानित करने के लिए लोगों की सूची तैयार करती है। लेकिन इस पर अंतिम निर्णय उपायुक्त द्वारा ही लिया जाता है। वहीं आरटीआई के जवाब में यह भी कहा गया है कि सम्मानित होने वाले लोगों से प्रशासन की तरफ से कोई चरित्र प्रमाण पत्र नहीं मांगा जाता है।

जरूरी है पारदर्शिता

आरटीआई कार्यकर्ता अजय बहल का कहना है कि स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने का मुद्दा काफी गंभीर है। सम्मानित करने को लेकर सरकार अथवा प्रशासन द्वारा मापदंड तय न करने की वजह से लिस्ट बनाने के दौरान लापरवाही बरतने के साथ साथ मनमानी की जाती है। इस पर सरकार को नोटिफिकेशन जारी करनी चाहिए। साथ ही इस मामले में पूरी पारदर्शिता अपनाने की जरूरत है। जिससे सच्चे मन से समाज की सेवा कर रहे लोगों को हौंसला बढ़ेगा।

जवाब से असंतुष्ट सूचना आयोग

सम्मानित करने के महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रशासन द्वारा दिए गए इस जवाब से आरटीआई कार्यकर्ता अजय बहल बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हुए थे। जिसके कारण वे अपील में चले गए। लेकिन संतुष्टिपूर्वक जवाब न मिलने पर उन्होंने राज्य सूचना आयोग में शिकायत दे दी। प्रशासन के इस जवाब पर राज्य सूचना आयोग ने भी असंतुष्टि जताई हैं। जिसके बाद राज्य सूचना आयोग ने वर्ष 2019 में इस मामले की जांच के लिए जिला उपायुक्त को पत्र भेजा था। आरटीआई का यह जवाब जिला सूचना अधिकारी एवं सिटी मजिस्ट्रेट द्वारा दिया गया था। इसलिए जांच भी उनके खिलाफ ही होनी है। लेकिन तत्कालीन सूचना अधिकारी एवं सिटी मजिस्ट्रेट वालिना राणा ने नियमों को ताक पर रखकर अपने से वरिष्ठ अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त को जांच करने के लिए लिख दिया था। लेकिन करीब डेढ़ साल का समय गुजर जाने के बाद भी इस मामले की जांच आज तक शुरू नहीं हो पाई हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रशासन न तो आरटीआई के प्रति गंभीर है और न ही स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर लोगों को सम्मानित करने के मुद्दे पर किसी तरह की गंभीरता बरती जा रही है।

फाइल फोटो

गणतंत्र दिवस : फुल-ड्रेस रिहर्सल में उपायुक्त ने किया ध्वजारोहण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल रविवार को उपायुक्त सेक्टर-12 स्थित परेड ग्राउंड में हुई। उपायुक्त यशपाल ने ध्वजारोहरण किया तथा भव्य मार्च पास्ट की सलामी ली। उनके साथ सहायक पुलिस आयुक्त सैंट्रल सतपाल यादव भी उपस्थित थे। इससे पहले उपायुक्त ने युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित कर देश के लिए कुर्बान होने वाले वीर शहीदों को याद किया।

उपायुक्त ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था। इसके साथ ही भारत स्वतंत्र गणराज्य बन गया और देश में कानून का राज स्थापित हो गया। प्रति वर्ष की भांति इस बार भी गणतंत्र दिवस समारोह को जोश व उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस बार हरियाणा के खेल राज्य मंत्री संदीप सिंह मुख्य अतिथि होंगे, जो प्रात: 09:58 बजे ध्वजारोहण करेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे। इससे पहले मुख्य अतिथि युद्ध स्मारक भी पुष्प अर्पित करेंगे। उपायुक्त ने फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल के दौरान बच्चों का पीटी शो, सूर्य नमस्कार, परेड व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का निरीक्षण किया तथा समारोह के सफल आयोजन के संबंध में अधिकारियों व टीम इंचार्ज को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि जिस भी कार्यक्रम की प्रस्तुति समारोह में होनी है, उसकी गुणवत्ता व समय पर विशेष ध्यान दिया जाए। बच्चों का अनुशासन समारोह की समाप्ति तक बना रहना चाहिए। किसी भी कार्यक्रम में ज्यादा अंतराल नहीं आना चाहिए।

गणतंत्र दिवस समारोह में परेड का नेतृत्व एसीपी रमेश गुलिया कर रहे हैं। हरियाणा पुलिस पुरुष टीम के इंचार्ज पीएसआई नरेश कुमार, होम गार्ड की टुकडी के इन्चार्ज सब इंस्पेक्टर बिजेंद्र सिंह, एनसीसी टुकडी के इन्चार्च कैडेट सागर हुड्डा, सेंट जान ब्रिगेड की टुकड़ी के इंचार्ज कमांडर रवि कुमार मिश्रा, सेंट जान ब्रिगेड गर्ल्स की टुकड़ी का नेतृत्व कमांडर सीमा, स्काउट्स गाइड्स टीम के इन्चार्च सुमित यादव व गर्ल्स स्काउट्स गाइड्स की इंचार्ज विनीता रही। गाईड टुकड़ी की इंचार्ज ग्रुप कैप्टन पिंकी, हिंदुस्तान स्काउट्स के इंचार्ज कैप्टन अंकुर, व हिंदुस्तान गाईड की इंचार्ज कैप्टन यशोदा रही।

प्रजातंत्र के प्रहरी की टुकडी का नेतृत्व कैप्टन अमन कर रहे हैं। कार्यक्रम में देश भक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। जिसमें छह स्कूलों ने अपनी प्रस्तुती दी। इनमें से हरियाणवी नृत्य के लिए राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नंबर-3 एनआईटी, गुजराती नृत्य के लिए राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नंबर-5 एनआईटी व राजस्थानी नृत्य के लिए राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ओल्ड फरीदाबाद की टीमों को फाईनल प्रस्तुती के लिए रखा गया। इस अवसर पर एडीसी सतबीर मान, सीटीएम मोहित कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सतिन्द्र कौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

एक शाम राष्ट्र के नाम में कवियों ने बिखेरे रंग

फरीदाबाद। भारत विकास परिषद सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर शनिवार की शाम को एक कवि सम्मलेन 'एक शाम राष्ट्र के नाम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में स्लेजहैमर ग्रुप के एमडी प्रदीप मोहंती मौजूद थे। जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में संदीप गुप्ता, विष्णु गोयल और कार्यक्रम के उपाध्यक्ष विनीत गर्ग मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में जिले में मौजूद भारत विकास परिषद की सभी शाखाओं से लगभग 300 सदस्यों की उपस्थिति रही। इस मौके पर कवियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविता पाठ करके दर्शकों का मन मोह लिया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर-11 में भारत विकास परिषद सोशल वैलफेयर ट्रस्ट द्वारा बीती शाम कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की थीम एक शाम राष्ट्र के नाम रही। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रसिद्ध कवि दिनेश रघुवंशी ने किया। कवि महेन्द्र अजनबी, दीपक सैनी, पदमिनी शर्मा, अमित गुप्ता समेत दिनेश रघुवंशी ने भी काव्य पाठ किया। जिसमें उन्होंने देशभक्ति और विभिन्न कई तरह की कविताओं से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के संयोजक अरुण सराफ और दिनेश अग्रवाल रहे। भारत विकास परिषद से राज कुमार अग्रवाल, अशोक गोयल, सत्य नारायण बंसल, ललित अग्रवाल, राकेश गुप्ता, दिनेश गर्ग, रेणु गर्ग, सुनील गर्ग, समीर शर्मा, मनोज तांशिया, अजय अग्रवाल, दीपक अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही।

स्पोर्टड लैंड अकादमी ने 23 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। पांचवें रविंद्र फागना अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट में स्पोर्टड लैंड क्रिकेट अकादमी ने यंगगिस्टर बॉयज इलेवन की टीम को 23 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। इस मौके पर बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया यह मैच 40-40 ओवर का था। ये मैच यंगगिस्टर बॉयज इलेवन और स्पोर्ट्स लैंड क्रिकेट अकादमी टीम के साथ खेला गया। स्पोर्ट्स लैंड क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्यण लिया। टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 40 ओवर में 08 विकेट पर 206 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए प्रियांशु गुरुंग और धर्म ने 29-29 रन और हर्ष यादव ने 28 रन और आयुष ने 27 रन बनाए। यंगगिस्टर बॉयज इलेवन की और से गेंदबाजी करते हुए ओम जी ने 04 विकेट, निश्चय बैसला ओर आदित्या ने 01-01 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए यंगगिस्टर बॉयज इलेवन की टीम को 40 ओवर में 07 विकेट पर 183 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। टीम की ओर से बल्लेबाज़ी करते हुए हर्ष कौशिक ने 60 रन, निश्चय बैसला ने 34 रन, आर्यामन गुप्ता ने 32 रन बनाए। स्पोर्ट्स लैंड क्रिकेट अकादमी की ओर से गेन्दबाजी करते हुए धर्म और हर्ष यादव ने 02-02 विकेट, मानस और वैश ने 01-01 विकेट लिया। लखन सिंह (एंपायर) के द्वारा मैन ऑफ़ दा मैच का पुरस्कार हर्ष यादव को दिया गया। हर्ष यादव ने 8 ओवर ने 42 रन देकर 02 विकेट और 28 रन बनाये।

सुपर मारियों के हितेश को मिला मैन आफ द मैच

फरीदाबाद। होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में आयोजित एल्यूमिनाई प्रीमियर लीग के पहले दिन सुपर मारियो के हितेश को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में टॉप गन के लक्ष्य को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सुपर मारियो के ही कृष्णा ने तीसरे मैच में मैन ऑफ द मैच हासिल किया। चौथे मैच में फिर से टॉप गन के गौरव को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पांचवें मैच में सुपर मारियो के ही कुशाल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन पांच टीमों ने भाग लिया। जिसमें पहली प्रतियोगिता सन ऑफ पीचेस और माइटी वारहॉक्स के मध्य संपन्न हुई जिसमें माइटी वारहॉक्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की और मैन ऑफ द मैच राहुल को दिया गया। दूसरे मैच में सन् ऑफ पीचेस ने विकिंग्स को 8 रन से हराकर मुकाबले में वापसी की, इस मैच में मैन ऑफ द मैच शुभम हसीजा ने मैच जिताने वाली पारी खेली। तीसरा मैच माइटी वारहॉक्स और टॉप गन के मध्य संपन्न हुआ। चौथे मैच में विकींग्स और माइटी वारहॉक्स के बाद भिड़ंत हुई। पांचवे मैच में फिर से सुपर मारियो और टॉप गन का मुकाबला होगा। मैदान में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने विशेष अतिथि के तौर पर डॉक्टर महिमा बख्शी ने शिरकत करते हुए प्रतिभागी टीमों और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

हस्त मुद्रा योग, ज्योतिष एवं आध्यात्म

अंगुष्ठ/लिंग मुद्रा : सर्दी, कफ/खांसी प्रकोपों को जड़ से मिटाने के लिए एक सर्वाधिक शक्तिशाली हस्त मुद्रा!

विधि- मुठ्ठी बांधें तथा बायें अथवा दायें हाथ के किसी भी एक अंगूठे को सीधा खड़ा रखें, अन्य अंगुलियां बंधी हुई रखने से अंगुष्ठ/लिंग हस्त मुद्रा का निर्माण होता है!

लाभ- मात्र 10/20 लिंग हस्त मुद्रा अभ्यास से ही शरीर में ऊष्मा की मात्रा बढ़-सर्दी, जुकाम, दमा, खांसी, साइनस, लकवा ऐंवम लो ब्लड प्रेशर में लाभ मिलना कहा गया है!

विशेष- लिंग मुद्रा संग प्राण मुद्रा अभ्यास-हानिकारक पौलुण्ट्स मिश्रित कफ को सुखा, शरीर से बाहर निकालने में भी सक्षम माना गया है!

सावधानी- लिंग मुद्रा अभ्यास को शरीर में हीट बढ़ाने वाली हस्त मुद्रा माने जाने के कारण-मुद्रा अभ्यास के दिनों में तरल पदार्थों यानि-जल, फल, फलों का रस, घी और दूध का सेवन अधिक मात्रा में करना श्रेष्ठ माना गया है!

प्रस्तुति : शिक्षाविद् डीसी चौधरी

नोट :- विषय संबंधित अन्य जानकारी हासिल करने के लिए आप अपनी समस्या ई-मेल आईडी : pioneerhry@gmail.com पर भेजें।

देखभाल के अभाव में बीके अस्पताल की हो रही सेहत खराब

कविता। फरीदाबाद

शहर में दो सौ बिस्तरों के सिविल अस्पताल की नई इमारत देखभाल के आभाव में जर्जर होने लगी है। दीवारों से प्लास्टर झड़ने लगा है। छत्त की सिलिंग तो लगातार गिर रही है। वर्ष 2010 में अस्पताल को इस इमारत में शुरू किया गया था। लेकिन पिछले दस वर्षों में रिपेयरिंग न होने से इमारत वर्षो पुरानी दिखने लगी है।

जानकारी के मुताबिक बीके अस्पताल की सेहत खराब होने लगी है। दस साल में ही इमारत अब जर्जर हो गई। पिछले तीन सालों में इमारत का अलग-अलग जगहों से प्लास्टर गिर चुका है। कई बार सीलिंग गिरी है। सीलिंग से रिसते पानी के कारण अस्पताल में जगह-जगह सीलन आ रही है।

जीर्णोद्धार बेकार

नई इमारत में पिछले दस सालों में करोड़ों रुपये की लागत से छत, टाइल्स, प्लास्टर व रंग-रोगन किया गया, लेकिन बिल्डिंग की मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया गया। रंग-रोगन से इसकी बाहरी सेहत तो ठीक-ठाक दिख रही है, लेकिन अंदर से बिल्डिंग की हालत बहुत ही नाजुक है।

ये है स्थिति

अस्पताल में शौचालयों के बाहर की दीवारों में जहां काई जमी हुई है, वहां दीवारों से प्लाटस्टर झड़ने लगा है। पहली से तीसरी मंजिल तक बाहर से देखने पर दरार साफ झलकती है, ग्राउंड फ्लोर के छत की सीलिंग कई जगह से जर्जर हो चुकी है और पानी गिरने की शिकायतें तो आती ही रहती है।

जर्जर इमारत में कार्यालय

जिला क्षयरोग कार्यालय, जिला मलेरिया अधिकारी कार्यालय, जन्म-प्रमाण पत्र विभाग, सेंट्रल स्टोर, वैक्सीन स्टोर, परिवार नियोजन कार्यालय के अलावा मलेरिया की लैब जिन बिल्डिंगों में हैं, उन बिल्डिंगों की उम्र 25 से 50 साल से अधिक हो चुकी है। इनमें से कुछ जर्जर है, तो कुछ सरकार की तरफ से कंडम घोषित कर दी गई है। यहां ऑफिस ब्लॉक बनाने की योजना आज तक सिरे नहीं चढ़ी।

30 लाख की है आबादी

अस्पताल भवन की जर्जर हालत हादसे को दावत दे रही है। 200 बेड के सिविल अस्पताल में ओपीडी, अपातकालीन और अन्य वार्डों में रोज करीब 3000 मरीज आते हैं। अस्पताल पर 30 की लाख आबादी की जिम्मेदारी है। यहां आने वाले मरीजों में हर वक्त असुरक्षा की भावना रहती है।

अन्य जिलों से भी आते हैं मरीज

यहां फरीदाबाद के अलावा पलवल, हथीन, मेवात, बल्लभगढ़ और जिले की विभिन्न डिस्पेंसरियों से मरीज रेफर होकर आते हैं, लेकिन यहां सुविधाओं के आभाव में मरीजों को दिल्ली के लिए रेफर कर दिया जाता है। यहां मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पताल में कई बार एक-एक बिस्तर पर दो से तीन मरीजों को दाखिल करना पड़ता है।

बालिका दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद। गांव घरोड़ा बल्लभगढ़ एसडीएम अपराजिता के मार्गदर्शन व महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी श्रीमती शकुंतला रखेजा बल्लभगढ़ ग्रामीण की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरुआत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2018 में की गई थी। बालिका दिवस भ्रूण हत्या को रोकने, बाल बालिकाओं के लिंग अनुपात मे वृद्धि लाने, महिलाओं व किशोरियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसी पहल के अंतर्गत आज गांव घरोड़ा में महिला एवं बाल विकास विभाग बल्लभगढ़ ग्रामीण की सुपरवाइजर शालू द्वारा बालिका दिवस का आयोजन किया गया।

महिला की हत्या कर शव सीवर के मेनहॉल में डाला

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अज्ञात लोगों ने एक महिला की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। मृतका के शव को ठिकाने लगाने के लिए हत्यारों ने सेक्टर 62 के एक सुखे हुए सीवर के मैनहॉल में डाल दिया। रविवार को खेलने के लिए आए बच्चों ने शव को देखकर पुलिस को सूचित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की उम्र करीब 30 वर्ष के आसपास है। हत्या में इस्तेमाल किया गया खून से सना चाकू पुलिस ने शव के नजदीक से बरामद किया है। मृतका की पहचान नहीं हो पाई है। शव पहचान एवं पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल की मोरचरी में रखवा दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक सेक्टर 62 स्थित मैदान में कुछ बच्चे रविवार सुबह क्रिकेट खेलने के लिए आए थे। उसी दौरान खेलते समय एक बच्चे ने सीवर के खुले मैनहॉल में झांका तो अंदर एक महिला का शव पड़ा हुआ था। बच्चों के बताने पर थोड़ी ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। तभी किसी ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। थोड़ी ही देर में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को गटर निकलवा कर अपने कब्जे में ले लिया।

अज्ञात लोगों ने चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या की हुई थी। शव के पास खून से सना चाकू भी पड़ा हुआ था। पुलिस ने मृतका की पहचान के लिए आसपास के लोगों को मौके पर बुलाया। लेकिन उसे कोई भी पहचान नहीं पाया। पुलिस का अनुमान है कि वारदात को कहीं अन्य स्थान पर अंजाम देने के बाद मृतका की पहचान छिपाने के लिए यहां फेंका गया है।

फिलहाल पुलिस ने शव को मोरचरी में रखवाने के बाद अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। एसीपी बल्लभगढ़ जयवीर राठी ने बताया कि मृतका की पहचान करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मृतका की पहचान के बाद हत्यारों और हत्या के कारणों का पता चल पाएगा।

जेसी बोस का कैडेट तुषार गणतंत्र परेड में लेगा हिस्सा

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग) के छात्र तुषार दलाल का चयन 26 जनवरी, 2021 को नई दिल्ली के राजपथ में गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ है। गणतंत्र दिवस परेड के लिए चुने गये तुषार हरियाणा से नेशनल कैडेट कोर की नेवी विंग का चुने गये एकमात्र कैडेट हैं।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम. एल. अग्रवाल और डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. लखविंदर सिंह ने तुषार को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी है और सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। जेसी बोस विश्वविद्यालय की एनसीसी विंग एनआईटी फरीदाबाद में संचालित एनसीसी यूनिक का हिस्सा है। यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर कपिल कुमार सिंह ने भी कैडेट तुषार को बधाई दी है। विश्वविद्यालय के एनसीसी समन्वयक डॉ. ओ.पी.मिश्रा और एनसीसी अधिकारी डॉ. कृष्ण वर्मा ने बताया कि तुषार हरियाणा के बहादुरगढ़ का रहने वाला है और बहुत ही साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंध रखता है।

सीलिंग मामले में बैंक अधिकारियों ने की निगमायुक्त से मुलाकात

फरीदाबाद। नगर निगम मुख्यालय परिसर में चल रहे केनारा बैंक से बकाया की वसूली से संबधी मामले को लेकर बैंक अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल निगमायुक्त से मिला और इस सारे मामले पर विचार-विमर्श किया। बैंक की ओर से इस बैठक में सहायक क्षेत्रिय प्रबंधक महावीर, लीड बैंक मैनेजर अलभ्या मिश्रा, शाखा प्रबंधक मोना गुप्ता व सहायक शाखा प्रबंधक रोहित खंडेलवाल और निगम प्रशासन की ओर से निगमायुक्त यशपाल यादव व अतिरिक्त निगमायुक्त इंद्रजीत कुल्हड़िया उपस्थित थे। बैंक प्रबंधन ने बैठक में स्पष्ट किया कि अभी तक नगर निगम प्रशासन की ओर से ऐसा कोई डिमांड नोटिस नहीं दिया गया है कि जिसके अनुसार बैंक बकाया राशि जमा करवा सके। उन्होंने निगमायुक्त को विश्वास दिलाया कि जैसे ही निगम प्रशासन की ओर से उन्हें डिमांड नोटिस प्राप्त होगा वे निर्धारित औपचारिकताओं को पूरी करके बकाया जमा करवा देंगे। बैंक प्रबंधन ने बैठक में यह भी कहा कि उनका अपनी इस शाखा को यहां से ले जाने को कोई विचार नहीं है बल्कि यदि निगम प्रशासन उन्हें पर्याप्त जगह उपलब्ध करवा देता है तो वे अपनी शाखा में कर्मचारियों की संख्या बढ़ा देंगे जिससे कि खाताधारक कर्मचारियों को तेजी से सुविधा मिल सके। निगमायुक्त ने कहा कि बैंक से कितनी राशि वसूल की जानी है यह अभी स्पष्ट नहीं है, अत: बैंक से वसूल की जाने वाली बकाया की गणना करने के लिए निगम प्रशासन ने अतिरिक्त आयुक्त, वित नियंत्रक, क्षेत्रिय एवं कर अधिकारी (मुख्यालय) और क्षेत्रिय एवं कर अधिकारी एनआईटी जोन द्वितीय की एक कमेटी बनाई हुई है और यह कमेटी इस सारे मामले पर काम कर रही है, जैसे ही इस कमेटी से रिपोर्ट प्राप्त होगी बैंक को डिमांड नोटिस जारी कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि बैंक प्रबंधन से इस बारे विचार-विमर्श हो गया है और निगम प्रशासन व बैंक प्रबंधन के आपसी विचार-विमर्श के बाद इस सारे मामले का सौहार्द्धपूर्ण तरीके से हल हो जायेगा।

कोरोना: 22 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 46184

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना के मामले लगातार सामने आ रहे है। रविवार को 22 संक्रमित सामने आने से कोविड-19 का आंकड़ा जिले में 46184 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ राहत की बात यह रही कि जिले में 36 पॉजिटिव मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले में रिकवरी रेट 98.6 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं जिले में 1162 रोगियों की रिपोर्ट आनी अभी शेष है। जिले में अब तक 412 मौते हो चुकी है। वहीं 22 संक्रमितों में खेड़ी कला (3), सेक्टर-84 (1), सेक्टर-85 (1), एनएच-5 (3), सेक्टर-91 (1), एनएच-1 (3), अजरौंदा (1), जवाहर कालोनी (1), ग्रीनफिल्ड कालोनी (1), गौच्छी (1), दयाल नगर (1), शिव दुर्गा बिहार (1), सेक्टर-88 (1), अन्य एरियों से 3 मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक जांचे	: 498067
अब तक पॉजिटिव	: 46184
अब तक नेगेटिव	: 450721
रिपोर्ट आनी शेष	: 1162
ऑक्सीजन पर	: 11
वेंटीलेटर पर	:1
अब तक मौत	: 412
अब तक ठीक	: 45553

किसान आंदोलन को लेकर सीपी ने किया नाकों का निरीक्षण

पीसीआर राइडर पर 24 घंटे पेट्रोलिंग करेंगे पुलिसकर्मी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

26 जनवरी समारोह और किसान आंदोलन के चलते पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने फरीदाबाद के विभिन्न स्थानों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आपको बता दें कि सुरक्षा के मद्देनजर फरीदाबाद के चिन्हित स्थानों पर 25 से अधिक नाके लगाए गए हैं और 3500 से अधिक पुलिस कर्मचारी कानून व्यवस्था संभालने के लिए फील्ड में मौजूद हैं।

इस क्रम में पुलिस आयुक्त सबसे पहले सेक्टर 12 स्थित हुडा ग्राउंड में पहुंचे जहां पर 26 जनवरी समारोह का आयोजन किया जाना है। इसके पश्चात उन्होंने सेक्टर 8, चंदावली पुल, सेक्टर 58 ट्रांसपोर्ट नगर और अंत में बड़खल पुल पहुंच कर पुलिस नाके चेक किए ओर पुलिसकर्मियों को कानून व्यवस्था संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त ने पुलिसकर्मियों द्वारा सक्रिय रुप से वाहनों को चेक करने और संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुछ अपराधिक प्रवृत्ति के लोग समाज में अशांति फैलाने के मकसद से शहर में उपद्रव मचाने की कोशिश करते हैं परंतु पुलिस का काम है ऐसे व्यक्तियों पर निगरानी रखकर उन्हें ऐसा करने से रोकना और शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना।

पुलिस पेट्रोलिंग से संबंधित दिशा निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि पीसीआर और राइडर 24 घंटे शहर में गश्त करेगी ताकि कोई भी व्यक्ति शहर में उत्पात मचाने की हिम्मत ना कर सके।

दुर्घटना में घायलों को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

फरीदाबाद। कोर्ट रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोगों को पुलिस ने हस्पताल पहुंचा कर कर्तव्य के साथ-साथ मानवता का संदेश भी दिया है। अपनी शिक्षा पूरी करने के पश्चात नवयुवक रोजगार हेतु कंपनियों में 1 साल के लिए अपरेंटिस के तौर पर कार्य करते हैं। इसी क्रम में पलवल के 50-60 नव युवकों का एक जत्था एस्कॉर्ट कंपनी में अपनी ड्यूटी होने के पश्चात रोजाना रात्रि मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरीदाबाद से पलवल जाता है।

घटना 22 जनवरी रात्रि 1 बजे की है। एस्कॉर्ट कंपनी में अप्रेंटिस करने वाले कई नवयुवक कंपनी से मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर पलवल जा रहे थे। रात के समय धुंध अधिक होने के कारण कोर्ट रोड पर हाईवे की तरफ से आ रही एसेंट गाड़ी की टक्कर मोटरसाइकिल के जत्थे से हो गई जिसमें दो मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों को गंभीर चोटें आई।

मनमानी के खिलाफ मंच दायर करेगा अवमानना याचिका

एफएफआरसी को भी बनाया जाएगा पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा अभिभावक एकता मंच जिला कमेटी की एक बैठक रविवार को आयोजित की गई। जिसमें फैसला लिया गया कि जो प्राइवेट स्कूल हाईकोर्ट के फैसले व शिक्षा विभाग के आदेशों का उल्लंघन करके अभिभावकों से बढ़ी हुई ट्यूशन फीस के साथ साथ एनुअल चार्ज व अन्य फंडों में फीस वसूल रहे हैं, उनके खिलाफ पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायपालिका की अवमानना का केस दायर किया जाएगा।

जिसमें फीस एंड फंडस रेगुलेटरी कमेटी एफएफआरसी व जिला शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद को भी पार्टी बनाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओपी शर्मा ने की। बैठक में मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा,जिला अध्यक्ष एडवोकेट शिव कुमार जोशी, जिला सचिव डॉ मनोज शर्मा अन्य पदाधिकारी बीएस विरदी, देवदत्त त्यागी, अतुल जोशी, महिला सेल की संयोजक पूनम भाटिया, अभिभावक सुषमा शर्मा, राजकुमार, नवलदीप, रमन सूद, मुकेश, पूनम, देवेंद्र सोलंकी, आदि मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित अभिभावकों ने बताया कि कुछ स्कूल के प्रबंधक पेरेंट्स को नोटिस भेजकर बढ़ी हुई ट्यूशन फीस के साथ साथ एनुअल, कंप्यूटर, डेवलपमेंट चार्ज आदि फंडों में गैरकानूनी फीस मांग रहे हैं। जो पेरेंट्स इसका विरोध कर रहे हैं उनके बच्चों की ऑनलाइन क्लास बंद कर दी गई है और उन्हें एग्जाम में न बैठने की धमकी दे रहे हैं।

पीड़ित अभिभावकों ने स्कूलों की इस मनमानी की लिखित शिकायत कई बार चेयरमैन एफएफआरसी, जिला शिक्षा अधिकारी से की है। लेकिन उन्होंने दोषी स्कूलों के खिलाफ कोई भी उचित कार्रवाई नहीं है। इसी के चलते स्कूल प्रबंधकों के हौंसले बुलंद हैं। मंच की ओर से पहले दोषी स्कूलों को लीगल नोटिस भेजा जाएगा।

उज्ज्वल भविष्य को बालिकाओं का सशक्तिकरण जरूरी

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा के निर्देशानुसार जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड और गाइडस ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हए कहा कि 24 जनवरी को देशभर में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जा रहा है। बालिकाओं के गिरते लिंग अनुपात के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए और उनके साथ समाज में होती असमानताओं को दूर करने के उद्देश्य से शुरू किया गया यह दिवस 2008 से हर वर्ष मनाया जाता है हर वर्ष इसकी अलग-अलग थीम भी रखी जाती है। इस वर्ष इसकी थीम है उज्ज्वल कल के लिए बालिकाओं का सशक्तिकरण। प्राचार्य, जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड प्रभारी रविन्द्र कुमार मनचंदा ने बताया कि सरकार का 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान बालिकाओं के लिए चलाया गया एक बहुत अच्छा कदम है।

हाई सिक्योरटी नंबर प्लेट जरूर लगवाएं: डीटीओ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

32वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के जागरूकता में शनिवार सायं सड़क सुरक्षा माह पर फरीदाबाद के डिप्टी कमिश्नर यशपाल यादव के आदेशनुसार एवं जितेंद्र कुमार गहलावत डीटीओ फरीदाबाद के निर्देशानुसार पिछले कई दिन से जिला फरीदाबाद सभी जगह सड़क सुरक्षा कार्यक्रम चलाए जा रहें हैं। सड़क सुरक्षा माह अभियान बदरपुर बॉर्डर बाइपास रोड ऑटो स्टैंड दिल्ली फ़रीदाबाद पर किया गया। इस अभियान में अंगपुर डेरी गांव के आरडबल्यूए प्रधान राजेंद्र पाल ने ऑटो वालों को समझाया के आप जल्द से जल्द अपने ऑटो पर हाई सिक्योरिटी प्लेट लगवाए। कभी भी ऑटो को ग़लत दिशा में ना चलाए। हमेशा सड़क नियमों का पालन करते रहें ओर बहुत से ऑटो पर सड़क नियम जागरूक संदेश दिया व ऑटो, ई-रिक्शा, साईकिलो पर रिफ़लेक्टर टेप लगाई ऑटो वालो को समझाया गया कि अपने-अपने ऑटो में म्यूजिक सिस्टम हटा लें वर्ना आपका चालान कभी भी कर सकता है और अपने ड्राइवर वाली सीट के साथ सवारी बिल्कुल ना बैठने दे और ऑटो को अपनी साइड में चलाएं और सही गति से हमें चलाएं।

संक्षिप्त समाचार

क्रिकेट एसोसिएशन नूंह 59 रन से विजयी

फरीदाबाद। 16वां रविंद्र फागना मिक्स कॉरपोरेट 30+ क्रिकेट लीग में क्रिकेट एसोसिएशन नूंह ने चेयरमैन इलेवन 30+ टीम को 59 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। इस मौके पर बीसीसीआई कोच धर्मेन्द्र फागना ने बताया कि यह मैच 16-16 ओवर का था। चेयरमैन इलेवन 30+ ने टॉस जीत कर पहले गेन्दबाजी करने का निर्णय किया। क्रिकेट एसोसिएशन नूंह टीम की ओर से बल्लेबाज़ी करते हुए टीम ने 16 ओवर में 04 विकेट पर 173 रन बनाए। टीम की ओर से बल्लेबाज़ी करते हुए नदीम अज़्मत ने 93 रन, साजिद सैफी ने 39 रन और मोहम्मद अज़हर ने 16 रन बनाए। चेयरमैन इलेवन 30+ की ओर से गेंदबाजी करते हुए अंकित ने 3 विकेट और नरेश खटाना ने 1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए चेयरमैन इलेवन 30+ की टीम को 16 ओवर में 04 विकेट में 114 रन बनाकर हार का सामना किया। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए धर्मेंद्र फागना ने 31 रन, मोगा ने 30 रन, गुल्लड़ तलान ने 19 रन बनाए। क्रिकेट एसोसिएशन नूंह की ओर से गेंदबाजी करते हुए तौफीक अहमद ने 2 विकेट, मोहन और ज़हीर ने 1-1 विकेट लिए। मैन आफ़ दा मैच नदीम अज़्मत (क्रिकेट एसोसिएशन नूंह), बेस्ट बैट्समैन ऑफ़ दा मैच साजिद सैफी (क्रिकेट एसोसिएशन नूंह), बेस्ट बॉलर ऑफ़ दा मैच अंकित (चेयरमैन इलेवन 30+) ने जीता।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर नहीं, राष्ट्रीय मंदिर होगा: सिंघल

फरीदाबाद। सेक्टर 16 स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निधि समर्पण अभियान के लिए केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित उद्योगपति के सी लखानी और बी आर भाटिया ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने सामर्थ्य के अनुसार मंदिर निर्माण में खुले मन से दान कर सहयोग करें। निधि के साथ समय का समर्पण भाव भी हो ऐसा विचार करके हम सभी अपने-अपने मित्रों, बंधुओं, स्वयंसेवकों, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, कीर्तन मंडली के सदस्य,संत-वृंद एवं विविध संगठनों के कार्यकर्ताओं को इस धर्म के पुनीत कार्य में जुट जाने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर मुख्यरूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख श्रीकृष्ण सिंघल, गंगाशंकर मिश्र, डॉ अरविंद सूद, के सी लखानी, बी आर भाटिया, बिजेंद्र सिंह,बंशीलाल चंडालिया, फरीदाबाद पूर्व महानगर के निधि अभियान संयोजक काली दास गर्ग, सेवानिवृत कर्नल समर सिंह, सेवानिवृत कर्नल गोपाल, गोपाल शर्मा अधिवक्ता, समाजसेवी ओ पी धामा, त्रिलोकचंद, अरुण परिहार, डी पी जैन, राजेश माहेश्वरी, गोविन्द अग्रवाल, रविंद्र मंगला, बी आर सिंगला, वीरेंद्र वशिष्ठ,राजेंद्र शर्मा, गोपाल दत्त, कर्नल समर सिंह, कर्नल गोपाल, कुलबीर अग्रवाल, महावीर,राकेश वशिष्ठ, राजकुमार शर्मा अधिवक्ता एवं अन्य प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। ग्यारह वर्षीय वंश तोमर और दस वर्षीय वंशिका तोमर दोनों भाई-बहन ने अपने बचत बैंक रूपी गुल्लकें (पॉकेट मनी) मंदिर निर्माण के निधि संग्रह हेतु दान स्वरूप भेंट की। इसके अतिरिक्त श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर सेवादार अजय शुक्ला, रामसीया,इंद्रावती ने अपने मासिक वेतन से अनुदान कर दान देने की अनूठी पहल की शुरुआत कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

अभाविप फरीदाबाद नें किया प्रतिभागियों को पुरस्कृत

फरीदाबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फरीदाबाद की राष्ट्रीय कलां मंच के द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टैक्नोलॉजी (आईएमटी कॉलेज) में पुरस्कार वितरण समारोह व नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस का आयोजन किया गया। जिला मिडिया प्रभारी रवि पांडेय ने बताया इस पावन अवसर पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसका विषय था- 'राष्ट्र के समक्ष चुनौतियों में युवाओं की भूमिका'। समारोह में सभी गणमान्य अतिथियों ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के रूप में गंगा शंकर मिश्र, सह संपर्क प्रमुख आरएसएस उपस्थित रहें। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा आज का संपूर्ण भारत में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सेवा भाव से निरंतर कार्य कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि तिगांव विधानसभा के विधायक राजेश नागर उपस्थित रहें। इस अवसर पर अन्य गणमान्य अतिथियों में रेशमा राणा सह मंत्री, अभाविप प्रांत उपाध्यक्ष आजादवीर भड़ाना, डॉ अश्वनी, डॉ परमानंद, सोनाली शर्मा, राजकुमार शर्मा, कार्यकर्ता माधव रावत, जिला संयोजिका प्रीति नगर, अमन दुबे, संचित शर्मा, चिराग, विकास, मोनू, गायत्री, नव्या, हेमंत, गौतम, कृष्णा पांडे, आदित्य, दीपक भारद्वाज, छबील, सूरज, समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ठंड और प्रदूषण ने किया जीनादुश्वार

फरीदाबाद । जिले में रविवार को दिनभर धूप नहीं निकली। वहीं जिले में प्रदुषण का स्तर भी बढ़ा हुआ था। ऐसे में जिलेवासियों का ठंड व प्रदुषण से जीना दुश्वार हो गया। रविवार का अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिससे लोग अलाव का सहारा लेते हुए नजर आए। कृषि यूनिवर्सिटी हिसार की तरफ से 23 व 24 जनवरी को बादल छाने व हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया था। रविवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए थे। एक बार भी धूप नहीं निकली, जिसके चलते अधिकतम तापमान में गिरवाट दर्ज की गई है। इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट की वेबसाइट के अनुसार रविवार को फरीदाबाद का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं दूसरी तरफ रविवार को प्रदुषण बढ़ गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से जारी एयर बुलेटेन के अनुसार रविवार को फरीदाबाद का एयर क्वालिटी इंडेक्स 353 दर्ज किया गया। वहीं, बल्लभगढ़ क्षेत्र का एयर क्वालिटी इंडेक्स 303 दर्ज किया गया।

30 इंजेक्शनों सहित एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 प्रभारी इंस्पेक्टर कर्मवीर व उनकी टीम ने अवैध नशा तस्कर आरोपी जय सिंह को ट्रामाडोल के 30 इंजेक्शनों सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस टीम को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि आरोपी बल्लभगढ़ रेलवे स्टेशन की तरफ से बल्लभगढ़ बस स्टैंड से होता हुआ नशीले इंजेक्शन लेकर भुदत्त कॉलोनी लेकर जाएगा। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने बल्लभगढ़ बस स्टैंड पर निगरानी शुरू कर दी। कुछ समय पश्चात आरोपी इंजेक्शन लेकर वहां से जा रहा था और पुलिस टीम को वहां देख कर पीछे मुड़ कर भागने लगा। पुलिस ने आरोपी को पकड़ कर उसकी तलाशी ली तो ट्रामाडोल के 30 इंजेक्शन बरामद किए गए।

रॉन्ग साइड गाड़ी चलाने पर रद्द होगा ड्राइविंग लाइसेंस

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम पुलिस ने यातायात के नियमों को लेकर सख्ती दिखानी शुरू की

रांग साइड वाहन चलाने वालों समेत अन्य यातायात के नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहन चालक सावधान हो जाएं, क्योंकि उनकी इस तरह की ड्राइविंग पर अब गुरुग्राम पुलिस सख्ती दिखाने जा रही है। अगर भविष्य में कोई भी वाहन चालक रॉन्ग साइड गाड़ी चलाते हुए पकड़ा जाता है तो उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा।

ठहरिए, अगर आप यह समझ रहे हैं कि पुलिस की आंखों में धूल झोंककर निकल जाएंगे तो आप गलत हैं, क्योंकि आपकी इस गलती को चौराहे या सड़कों पर खड़े पुलिसकर्मी देखें या ना देखें, लेकिन तीसरी नजर आप पर 24 घंटे बनी है। इसलिए नियम तोड़कर बचना नामुमकिन है। शहर में बहुत से लोग मुख्य यातायात के साथ चलने की बजाय रॉन्ग साइड चलकर पहले पहुंचने के लिए जल्दबाजी करते हैं। वे ना तो खुद जल्दी पहुंच पाते और ना ही सीधे रास्ते चलने वालों को पहुंचने देते। वे यातायात जाम का भी कारण बनते हैं।

उनकी वजह से बहुत दूर तक यातायात जाम हो जाता है। हाइवे पर भी कई बार देखा गया है कि लोग थोड़ी दूर जाकर नियमानुसार यू-टर्न लेने की बजाय रॉन्ग साइड ही गाड़ी कई किलोमीटर तक

गुरुग्राम में यातायात के नियम तोड़ने वालों के चालान काटती पुलिस। फाइल फोटो।

चलाकर ले जाते हैं। बहुत बार ऐसे लापरवाह ड्राइवरों की वजह से हादसे भी हुए हैं। लोगों की जानें भी गई हैं। सीधे तौर पर ये वाहन चालक अपने साथ दूसरों की जिंदगी खतरे में डालते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि अब ऐसे लापरवाह वाहन चालकों पर शिकंजा कसा जाए। इसके लिए गुरुग्राम पुलिस ने यातायात के नियमों को और अधिक सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है।

गुरुग्राम के एसीपी (अपराध) प्रीतपाल सांगवान के मुताबिक रॉन्ग साइड गाड़ी चलाने वाले लोग हादसों को बढ़ाते हैं। अब जो भी वाहन चालक रॉन्ग साइड गाड़ी चलाते पकड़ा गया, उसका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया जाएगा। पहली बार में लाइसेंस सस्पेंड होने के बाद अगर चालक ऐसी गलत को दोहराता है तो फिर लाइसेंस को स्थायी तौर पर टर्मिनेट यानी रद्द कर दिया जाएगा। अगर बिना लाइसेंस वह गाड़ी चलाता पकड़ा जाता है तो फिर आगे कानूनी कार्यवाही की जाएगी। यातायात पुलिस कर्मचारियों को इस तरह के निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि वे ऐसे लापरवाही चालकों पर नजर रखें और उनके खिलाफ इस नियम के तहत कार्रवाई करें। अगर कोई दुर्घटना होती है तो आरोपी ड्राइवर के खिलाफ केस भी दर्ज किया जाएगा। धारा 304(2) के तहत दर्ज होने वाले केस में कम से कम 10 साल की सजा का प्रावधान है।

एसीपी अपराध प्रीतपाल सांगवान ने वाहन चालकों से अनुरोध किया है कि वे किसी भी तरह से यातायात के नियमों का उल्लंघन ना करें, बल्कि पालन करें। नाबालिगों को स्कूटी, बाइक या अन्य वाहन चलाने को ना दें। अगर हम इन नियमों को मानते हैं तो हम अपने साथ दूसरों के जीवन को भी सुरक्षित कर सकते हैं।

जाटौली हत्याकांड : शराब कारोबारी इंद्रजीत का 14वां हत्यारोपी काबू

पायनियर समाचाार सेवा। गुरुग्राम

एसीपी क्राइम प्रीतपाल ने बताया, दो सितंबर 2020 को रात में मारी थी गोली

आरोपी को अपराध शाखा फर्रूखनगर पुलिस टीम ने काबू किया

पटौदी हलके के हेलीमंडी इलाके में जाटौली क्षेत्र में 2 सितम्बर 2020 को जाटौली निवासी शराब कारोबारी इंद्रजीत को गोली मार की गई हत्या के आरोप में अब 14वें आरोपी को पुलिस गिरफ्तार करके बड़ी कामयाबी हासिल की है। आरोपी हरेन्द्र पुत्र विनोद निवासी जाटौली है।

गौरतलब है कि जाटौली निवासी शराब कारोबारी इंद्रजीत की हत्या पुरानी खुन्नस को लेकर दूसरे प्रयास में गोली मार कर दी गई, जब कि हत्या से करीब एक वर्ष पहले किये गए हमले में इंद्रजीत बच गया था। इस मामले में एसीपी क्राइम प्रीतपाल सांगवान का कहना है कि जाटौली के शराब कारोबारी इंद्रजीत को गोली मारकर उसकी हत्या करने की वारदात को अन्जाम देने के मामले में एक और आरोपी को अपराध शाखा फर्रूखनगर पुलिस टीम ने काबू किया है। बीते वर्ष दो सितंबर रात को खण्डेवला मोड की तरफ जाने वाले रास्ते पर शराब ठेके का कैश लेकर घर जा रहे शराब व्यापारी इन्द्रजीत व विक्रम नाम के युवक को मोटरसाईकिल सवारों द्वारा गोलियां मारने की वारदात को अंजाम दिया गया था। गोली लगने के कारण इन्द्रजीत की मौत हो गई थी व दूसरे युवक विक्रम को ईलाज के लिए गुरुग्राम हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया था। अब गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ में यह भी ज्ञात हुआ था कि हत्या आरोपियों के साथी और इस हत्याकाण्ड के मुख्य आरोपी अभिषेक के साथ मृतक इन्द्रजीत में पुराने झगडे को लेकर रंजिश चल रही थी।

इस रंजिश को लेकर मृतक इन्द्रजीत इन्हें भी परेशान करता था। ये काफी दिनों से अभिषेक के साथ मिलकर इन्द्रजीत की हत्या करने की योजना बना रहे थे। इनके साथी अभिषेक ने वषर् 2019 में भी मृतक इन्द्रजीत पर जानलेवा हमला किया था, जिस सम्बन्ध में थाना पटौदी में पहले से एक अभियोग अंकित है। उस अभियोग में अभिषेक भगोड़ा है। पुलिस पूछताछ में बतलाया था कि बीते वर्ष 30 की रात को अपने साथी अभिषेक निवासी जाटौली व अन्य साथियों के साथ मिलकर गाँव जाटौली क्षेत्र में दीवान के खेतों में बने कोठडा पर इक्कट्ठा होकर इन्द्रजीत निवासी जाटौली की हत्या करने की योजना बनाई थी। योजनानुसार दो सितंबर की रात को इन्द्रजीत को गोलियां मारकर उसकी हत्या की वारदात को अन्जाम दिया था। इस वारदात के दौरान एक युवक विक्रम को भी गोलियां लगी थी। आरोपियों में अकेले 9 आरोपी तो जाटौली-हेलीमंडी के ही रहने वाले हैं।

रक्तदान इंसानियत के लिए सबसे बड़ा दान: यशपाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि रक्तदान जीवन में सबसे बड़ा दान है और इंसानियत के लिए इससे बड़ा कोई दान हो नहीं सकता। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उपायुक्त यशपाल रविवार को नहरपार स्थित श्री शिर्डी साईं बाबा मंदिर में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन करने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। शिविर में लोगों ने 52 यूनिट रक्तदान किया।

उन्होंने कहा कि रक्त किसी भी फैक्ट्री में तैयार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हमें स्वयं तो रक्तदान करना ही चाहिए बल्कि दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना आपदा के दौरान भी फरीदाबाद के लोगों ने बेहतरीन कार्य किया और जरूरतमंदो के लिए प्लाज्मा दान

करने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग सामने आए। उन्होंने कहा कि लोगों के जज्बे व सेवा भाव के चलते ही हम कोरोना जैसी महामारी से निपटने में कामयाब हो पाए हैं। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन रोटरी ब्लड बैंक द्वारा शिर्डी साईं बाबा स्कूल और अग्रवाल वैश्य समाज के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में साईं मंदिर के चेयरमैन मोती लाल गुप्ता, सीनियर वाईस चेयरमैन संदीप गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी रोहित रुंगटा, मैनेजर के.आर. पिल्लई, अग्रवाल वैश्य संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री केदारनाथ अग्रवाल, उद्योगपति प्रेम अमर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सिपाही ने लड़की का गुम हुआ पर्स लौटाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ईमानदारी और सच्ची निष्ठा का प्रदर्शन करते हुए सिपाही प्रवीण और सुनील ने गश्त के दौरान मिले युवती के पर्स को उसके पास वापिस पहुंचा दिया है। दिन के समय दोनों सिपाही सेक्टर 14 मार्केट में गश्त कर रहे थे कि एक व्यक्ति ने उन्हें बताया कि किसी का पर्स यहां गिर गया है। पुलिसकर्मियों ने आसपास लोगों से पूछताछ की परंतु उस पर के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिसकर्मियों ने

पर्स को उठाया और जब उसकी तलाशी ली तो उसमें एक फोन पाया गया। कुछ समय पश्चात उस फोन पर उसी लड़की का कॉल आया जिसका वह पर्स था।

यूथ क्लब के प्रयासों से सेक्टर-4 में स्वच्छ हुआ रोड

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने किया स्वच्छ रोड का उद्घाटन

यूथ क्लब सेक्टर-4 द्वारा रविवार को वैश्य धर्मशाला के साथ वाले मार्ग को स्वच्छ करके व पौधारोपण कर सुंदरता बढ़ाकर जनता को समर्पित किया गया माध्यम से विकसित कर स्वच्छ मार्ग का उद्घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने किया। समारोह की अध्यक्षता बीजेपी के पूर्व प्रदेश महामंत्री मुकेश शर्मा द्वारा की गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ संयोजक व मार्केट कमेटी सोहना चेयरमैन दिनेश शर्मा मौजूद थे। मंच संचालन मदन साहनी द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि गार्गी कक्कड़ ने कहा कि कोई भी सामाजिक संस्था केवल अपने सामाजिक कार्यों के द्वारा ही अपनी पहचान बनाती है। यूथ क्लब ने गुरुग्राम में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। कोरोना काल से लेकर आज तक यूथ क्लब सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है। मुकेश शर्मा ने कहा कि स्वच्छता अभियान भारत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था। आज देश का प्रत्येक युवा स्वच्छता की ओर

यूथ क्लब के प्रयासों से सेक्टर-4 में स्वच्छ हुआ रोड।

प्रेरित हो रहा है। चैयरमेन दिनेश शर्मा ने कहा कि युवाओं की बदौलत ही हमारा भारत देश तरक्की कर रहा है। इस मौके पर संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, डा. सोनिया पाठक, नमो सेना हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष गगनदीप चौहान, कोरोना नायक ललित पाराशर, गुड़गांव विकास मंच सचिव अजय शर्मा, फोरवा चेयरमैन धर्म सागर, योगिता कटारिया, कादीपुर इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष श्रीपाल शर्मा,आदर्श ब्राह्मण सभा के कार्यकारी अध्यक्ष नरोत्तम शर्मा आदि मौजूद रहे।

कैनविन के साथ युवा शक्ति संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर

फर्रूखनगर में लगाए गए शिविर में 145 यूनिट रक्तदान हुआ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम।

कैनविन फाउंडेशन के साथ मिलकर युवा शक्ति संगठन पटौदी द्वारा बिरहेड़ा मोड़ फर्रूखनगर में लगाए गए रक्तदान शिविर में 145 यूनिट रक्तदान हुआ। युवाओं की फौज ने कड़ी मेहनत करके इस शिविर में लोगों को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया। कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डीपी गोयल व सह-संस्थापक नवीन गोयल के मार्गदर्शन में यह शिविर लगाया गया।

खंड फर्रूखनगर में लगाए गए शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते आयोजक।

इस शिविर में क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों में पटौदी की पूर्व विधायक बिमला चौधरी, नगर पालिका फर्रूखनगर की उपाध्यक्ष जयंती चौधरी, सरपंच विनोद, मास्टर लक्ष्मीनारायण, जीतराम मास्टर, धर्मेंद्र, यशपाल फरीदपुर ने शिरकत करके रक्तदाताओं और आयोजकों का हौंसला बढ़ाया। युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष बसंत कुमार के मुताबिक शिविर को लेकर उनकी टीम ने लोगों को जागरुक किया, ताकि वे अधिक से अधिक रक्तदान करने पहुंचे। दिन-रात जिस तरह से कैनविन के सदस्य काम कर रहे हैं, वैसा ही काम युवा संगठन के सदस्यों के साथ वे करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैनविन के मुखिया डा. डीपी गोयल और नवीन गोयल ने जिस तरह से सामाजिक संस्थाओं को समाजसेवा का नया रास्ता दिखाया है, उस पर सबको चलना चाहिए।

शिविर में 145 यूनिट रक्तदान को डा. डीपी गोयल और नवीन गोयल ने शिविर को सफल बताते हुए कहा कि भविष्य में भी टीम ऐसे ही कार्य करती रहे। यही प्रयास होंगे। उन्होंने युवा शक्ति संगठन के सदस्यों बसंत कुमार, सतेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार, गोपाल, मंजीत खेड़ा, संदीप, प्रमोद सम्भ्रवाल, नरेंद्र, गौरव, जयप्रकाश शर्मा, राहुल, ब्लॉक समिति सदस्य महेश को इस सफल शिविर के लिए बधाई दी। इस मौके पर रोटरी क्लब की ओर से डा. महिमा, सरिता, हरिकिशन, दीपक, मोहन, केशव आदि का भी अहम योगदान रहा।

डेढ़ साल पहले चोरी हुए गहने बरामद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 प्रभारी उप निरीक्षक राकेश सिंह व उनकी टीम द्वारा 4 दिन पहले ही गोदाम से सिगरेट चोरी मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी रवि उर्फ़ मलखान ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर डेढ़ वर्ष पूर्व की गई गहनों की चोरी की वारदात का खुलासा किया है। आपको बता दें कि आरोपी रवि ने कुछ दिन पहले ही अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर गोदाम से 770000 रुपये की सिगरेट चोरी की थी जिसमें चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था जिसमें अन्य तीनों को जेल भेज दिया गया था और आरोपी रवि को 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी रवि ने बताया कि वर्ष 2019 में उसने अपने एक अन्य साथी संतोष के साथ मिलकर गहनों की चोरी की थी जिसका मुकदमा थाना पल्ला में दर्ज है। इसके पश्चात आरोपी रवि की मदद से आरोपी संतोष को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस मुकदमे में आरोपियों के कब्जे से 1 सोने का हार, 2 सोने की चैन, 1 सोने की अंगूठी, 1 जोड़ी सोने की कान की बाली जिनकी कीमत करीब तीन लाख रुपए है को बरामद किया गया।

गणतंत्र दिवस: फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखा जोश, जुनून और जज्बा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रविवार को जिले में 72वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। फुल ड्रेस रिहर्सल में भाग लेने वाले सभी बच्चों, पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों में जोश, जुनून और जज्बा दिखाई दिया। गणतंत्र दिवस समारोह हर वर्ष की भांति इस बार भी सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम के चौधरी सुरेंद्र सिंह मैमोरियल क्रिकेट पवेलियन में आयोजित किया जाएगा।

रिहर्सल में संयुक्त पुलिस आयुक्त कुलविंदर तथा उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने परेड में भाग लेने वाली टुकड़ियों का निरीक्षण किया और भव्य परेड की सलामी ली। गणतंत्र दिवस समारोह के जिला स्तरीय कार्यक्रम में इस बार 6 टुकड़ियां भाग ले रही है

गुरुग्राम में गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल में सांस्कृतिक कार्यक्रम व परेड का दृश्य।

जिनमें गुरुग्राम पुलिस, होमगार्ड, एनसीसीसी विंग, सिविल डिफेंस, गर्ल्स गाइड तथा प्रजातंत्र के प्रहरी की टुकड़ियां शामिल हैं।

इस बार परेड टुकड़ियों का नेतृत्व एसीपी उषा द्वारा किया जा रहा है। मार्च पास्ट पर बैंड की धुन आरटीसी भोंडसी द्वारा दी जाएगी। रिहर्सल में विद्यार्थियों द्वारा लेजियम व डम्बल शो की प्रस्तुति दी गई। लेजियम की प्रस्तुति राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय काजीपुर तथा डंबल शो राजकीय विद्यालय 4/8 मरला के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। लेजियम व डम्बल शो पर बैंड की धुन गुरु नानक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा दी जा रही है। इसी प्रकार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इस्लामपुर के विद्यार्थियों द्वारा सूर्य नमस्कार पर अपने आकर्षक प्रस्तुति दी गई। रिहर्सल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैकबपुरा के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सामाजिक विषयों जैसे जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा स्वच्छता आदि विषयों पर हरियाणवी रागनी प्रस्तुत की गई। इस प्रस्तुति के माध्यम से विभिन्न सामाजिक मुद्दों तथा सरकार की फ्लैगशिप कार्यक्रमों के प्रति आमजन में जागरूकता लाने का प्रयास किया गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक अन्य प्रस्तुति राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुशांत लोक के विद्यार्थियों द्वारा दी जा रही है। इस प्रस्तुति के माध्यम से तेलंगाना तथा हरियाणवी लोक नृत्य का मिला-जुला स्वरूप प्रस्तुत किया जा रहा है।

रिश्वत लेने के वाले दोषी जेल के लाइन ऑफिसर को 10 साल की कैद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कैद के साथ एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया

जिला जेल में कार्यरत रहे लाइन ऑफिसर को रिश्वत लेने के मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अश्विनी कुमार की अदालत ने दोषी ठहराया है। अदालत ने दोषी को 10 साल की कैद व एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने का भुगतान न करने पर 6 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

बीते दिवस अदालत ने आरोपी कृपा राम को राज्य चौकसी ब्यूरो द्वारा अदालत में पेश किए गए गवाहों व सबूतों के आधार पर दोषी करार देते हुए उसकी सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो अदालत ने सुना दिया है। बता दें कि गुरुग्राम के मनीष भारद्वाज ने 29 दिसम्बर 2017 को गुरुग्राम स्थित राज्य चौकसी ब्यूरो में शिकायत दी थी कि उसका दोस्त सुरेंद्र उर्फ टुण्डा हत्या के मामले में जिला जेल में बंद है।

सुरेंद्र की पत्नी सीमा ने उसे बताया कि सुरेंद्र का जेल से फोन आया था और उसने बताया था कि उसको जेल वार्ड से मेंटल वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। उसे सोनीपत जेल भेजे जाने की तैयारियां चल रही हैं। उसने यह भी बताया था कि इस कार्यवाही को रुकवाने के लिए जिला जेल में कार्यरत लाईन ऑफिसर कृपा राम ने डेढ़ लाख रुपये बतौर रिश्वत की मांग की है। शिकायतकर्ता का कहना था कि वह रिश्वत नहीं देना चाहता, लेकिन जेल में बंद सुरेंद्र को परेशान किया जा रहा है।

राज्य चौकसी ब्यूरो ने शिकायतकर्ता से सोहना रोड स्थित जिला जेल मोड पर आरोपी कृपा राम को डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया था और उसे जेल भेज दिया गया था। मामले की सुनवाई अदालत में चली। राज्य चौकसी ब्यूरो ने अदालत में जो सबूत व गवाह पेश किए, उनसे आरोपी पर लगे आरोप सिद्ध हो गए। अब अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय बालिका दिवस: लोग क्या कहेंगे नाटक का किया मंचन

गुरुग्राम। केआईआईटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन और केआईआईटी वर्ल्ड स्कूल ने मिलकर राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें बीएड की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक लोग क्या कहेंगे प्रस्तुत किया। इस नाटक में छात्राओं ने दिखाया कि किस तरह से एक बेटी को इसलिए पढ़ने नहीं दिया जाता कि-लोग क्या कहेंगे और शिक्षा के महत्व को बताया। छात्राओं ने दिखाया कि आज भी हमारे देश के एक बड़े हिस्से में बेटियों और बहुओं को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिसमें सामाजिक ताने, तुच्छ सोच और स्वस्थ संबधी दिक्कतें इन सभी को छात्रों ने बखूबी अंदाज में प्रस्तुत किया और अंत में दिखाया की एक लड़की की कामयाबी के बाद वही समाज उनकी वाही वाही भी करता है। बालिका दिवस में ऑनलाइन गुरुग्राम, बागपत भिवानी, फरीदाबाद, टीकली गांव शिखोपुर और यमुनानगर के खजूरी गांव की बेटियों ने हिस्सा लिया।

अतुल कटारिया चौक से शीतला माता मंदिर तक रोड होगा बंद

गुरुग्राम। शहर में ओल्ड दिल्ली रोड स्थित शहीद लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक पर चल रहे विकास कार्यों और गहरी खुदाई के कारण शहीद लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक से शीतला माता रोड को 25 जनवरी से 28 फरवरी तक आम ट्रैफिक के लिए बंद किया जाएगा। इस दौरान केवल उस क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पैदल जाने की अनुमति होगी। लोक निर्माण विभाग की तरफसे आम जनता के लिए यह एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें कहा गया है कि गहरी खुदाई की वजह से शहीद लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक से शीतला माता मंदिर को जाने वाली सड़क 25 से 28 फरवरी तक बंद रखी जाएगी। वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे इस दौरान वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

मतदाता दिवस: आज मिलेगा डिजिटल कार्ड का तोहफा

गुरुग्राम। इस बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को चुनाव आयोग मतदाताओं को शानदार तोहफा देने की तैयारी में है। यह तोहफा इलेक्ट्रॉनिक इलेक्ट्रिक फोटो आईडेंटिटी ऐप के रूप में होगा, जिसकी मदद से मतदाता पहचान पत्र को डिजिटल रूप में रखा जा सकेगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी सोमवार को कार्यक्रम गुरुग्राम के लघु सचिवालय स्थित सभागार में सुबह 11 बजे आयोजित किया जा रहा है। इसके संबंध में जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने बताया कि इस बार मतदाता दिवस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम वर्चुअल तरीके से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्य सचिव विजयवर्धन मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ से गुरुग्राम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जुड़ेंगे। उस समय चंडीगढ़ में प्रदेश के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव अरोड़ा भी होंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्चुअल कार्यक्रम के बाद गुरुग्राम में निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता तथा पेंटिंग प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों और सराहनीय कार्य करने वाले बीएलओ को सम्मानित किया जाएगा। उन्हें नगद इनाम भी दिए जाएंगे।

निधि समर्पण अभियान के निमित्त महिला समिति की बैठक

फरीदाबाद। सेक्टर-3 स्थित श्री रघुनाथ मंदिर बल्लभगढ़ में श्री राम जन्मभूमि निर्माण निधि समर्पण अभियान के निमित्त महिला समिति कि बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि निधि समर्पण हेतु भगवान श्री राम जी का संदेश लेकर घर घर जाना है। बैठक में सेक्टर-3, चावला कॉलोनी, तिरखा कॉलोनी, भगत सिंह कॉलोनी से महिला सदस्य उपस्थित रहीं। बैठक में सुषमा तंबोलिया ने बताया की हम सभी को रामदूती बनना है, मातृशक्ति कृत संकल्प है कि निधि समर्पण हेतु समय देंगे तथा जन्मभूमि निर्माण में गिलहरी प्रयास अवश्य करना है। बैठक में गौरीदत्त ने बताया की आज फिर भगवान श्री राम जी बहुत लंबे बनवास से बाहर आए हैं अत: आज फिर अवधपुरी में भव्य जन्मभूमि पर श्री राम मंदिर का निर्माण होगा। सुरेन्द्र शर्मा ने बताया की इससे पूर्व 77 अभियान हुए परंतु वे सभी संघर्ष के थे यह अभियान निर्माण का है इस अभियान में चार लाख रामभक्त, समाज के लोगो ने बलिदान दिया। आज भगवान श्री राम जी की प्रेरणा से घर घर जाकर निधि संग्रह में संग्रह करना है। सम्पूर्ण समाज को राम मय होना है। बैठक में सुषमा तंबोलिया, अनुपमा, रजनी चौधरी, दीपा बंसल उपस्थित रहे। बैठक में कुल 48 मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

शटर तोड़कर दुकान से मोबाइल चुराने वाले तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस चौकी संजय कॉलोनी प्रभारी उप निरीक्षक रामबीर की टीम ने तीन आरोपियों विजय विक्रम और नवीन को दुकान का शटर तोड़कर मोबाइल चोरी करने के जुर्म में गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 20 जनवरी की रात संजय कॉलोनी पक्की पुलिया के पास स्थित शिकायतकर्ता संतोष की मोबाइल की दुकान का शटर तोड़कर वहां से मोबाइल चोरी किए थे। आरोपियों के खिलाफ थाना मुजेसर में चोरी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है। चोरी करते समय आरोपियों का एक मोबाइल दुकान में ही रह गया था। पुलिस जांच के दौरान मोबाइल मालिक को ट्रेस करके आरोपियों की धरपकड़ की गई। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए दस मोबाइल बरामद किए गए हैं। इनका एक और साथी अभी फरार चल रहा है जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है आरोपी विजय पुत्र नरेश, विक्रम उर्फ बिट्टू पुत्र पासवान व नवीन पुत्र नरेश तीनों संजय कालोनी के रहने वाले हैं। आरोपियों को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच 65 प्रभारी इंस्पेक्टर कर्मबीर की टीम ने चोरी के जुर्म में दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अदीब व अजरुदीन का नाम शामिल है आरोपियों के कब्जे से चोरी के तीन मुकदमों के तहत 22 किलो तांबा, 18 किलो पीतल, 2 एलॉय व्हील, 1 गैस सिलेंडर और गाड़ी की 1 बैटरी बरामद की गई है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और किराए के मकान में यहां पर रह रहे थे। गलत संगत में पड़कर यह शराब के आदी हो गए और शराब के खर्चे के लिए चोरियां करनी शुरू कर दी।

एकमुश्त ऋण समझौता योजना का लाभ उठाएं लोनधारक

पलवल। पलवल के आगरा चौक स्थित सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के रीजनल कार्यालय द्वारा एक ओटीएस कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस ओटीएस कैंप में लोनधारक को विशेष लाभ देने का काम किया जा रहा है।

सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक द्वारा एकमुश्त ऋण समझौता की योजना चलाई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत अगर कोई लोन धारक किसी वास्तविक कारण से अपने लोन का भुगतान नहीं कर पाया है और वह डिफॉल्टर एनपीए घोषित हो चुका है, तो बैंक द्वारा इस योजना के अंतर्गत लोनधारक की लोन की राशि और ब्याज दर में कटौती करके भारी छूट दी जाएगी। इस योजना के अंतर्गत लोनधारक को एक बार में ही अपना पैसा जमा कराकर दूसरा लोन लेने की सुविधा भी दी जाएगी।

अगर किसी लाभार्थी के पास लोन की पूरी राशि उपलब्ध नहीं है तो वह लोन का कुछ प्रतिशत अर्थात 20 से 30 प्रतिशत राशि को जमा करवा कर लोन समाप्ति के लिए अपनी किश्तें बनवा सकता है। इस योजना के अंतर्गत आने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक पलवल और फरीदाबाद के क्षेत्रीय प्रबंधक सतीश कुमार ने बताया कि बैंक द्वारा यह योजना अपने लोनधारकों के लिए चलाई है।

श्रमिक लें बेटी की शादी के लिए 51 हजार की कन्यादान राशि : उपायुक्त

कहा, योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों को दी जाती है अलग-अलग सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने कहा है कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकार भवन एवं सन्निर्माण श्रमिकों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। इन सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों की बेटी की शादी के लिए 51 हजार की राशि कन्या दान के रूप में प्रदान की जाती है। यह सुविधा श्रमिक की तीन बेटियों तक प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि मकान की खरीद व निर्माण के लिए दो लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण और मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत श्रमिक की मृत्यु पर 5 लाख रुपये की सहायता राशि भी दी जाती है।

उन्होंने बताया कि बोर्ड द्वारा विधवा पेंशन के तहत 2000 प्रतिमाह, मातृत्व लाभ के लिए 36 हजार, पितृत्व लाभ के लिए 21 हजार रुपये, कामगारों को 5 वर्ष में एक बार नए औजारों की खरीद के लिए 8 हजार रुपये, पंजीकृत महिला कामगारों को उनकी सदस्यता के नवीनीकरण के समय साड़ी, सूट, चप्पल, रेनकोट, छाता, रबड़ मैट्रस, बर्तन व नैपकिन खरीदने के लिए 51 सौ रुपए दिए जाते हैं।

इसी प्रकार कामगारों को साइकिल खरीदने के लिए 3 हजार रुपये की वित्तीय राशि तथा महिला श्रमिक को सिलाई मशीन दी जाती है। उपायुक्त धीरेन्द्र खडग़टा ने बताया कि पंजीकृत कामगार व उसके परिवार के चार सदस्यों को 4 वर्ष में एक बार धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के लिए रेलवे की द्वितीय श्रेणी व साधारण रोडवेज बसों का किराया भी दिया जाता है। पंजीकृत कामगारों के जो बच्चें मेडिकल अथॉरिटी द्वारा 50 प्रतिशत या इससे अधिक शारीरिक अथवा मानसिक रूप से अक्षम व दिव्यांग घोषित किए गए हैं, उन्हें 2 हजार रुपये प्रति माह सहायता राशि दी जाती है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर किसी दुर्घटना में स्थाई रूप से दिव्यांग होने पर पंजीकृत कामगार को दिव्यांग प्रतिशतता के आधार पर डेढ़ से 3 लाख रुपये तक की एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाती है। किसी संक्रामक बीमारी या कार्यस्थल पर दुर्घटना के कारण दिव्यांग होने पर 3 हजार रुपये प्रति माह पेंशन देने का प्रावधान भी किया गया है।

प्रेम जैन के स्मृति दिवस पर दी डीसी सुजान सिंह ने शुभकामनाएं

समारोह का रिबन काटकर आगाज करते हुए मुख्यातिथि।

पीएल वर्मा। कैथल।

सुपार्शव जैन समिति ने सुपार्शव जैन स्कूल के संस्थापक दिवंगत शिक्षाविद् प्रेम जैन एवं विक्रम सैन जैन के स्मृति दिवस के उपलक्ष में लाल प्याऊ सराफा बाजार में सामाजिक कार्यों की एक नई पहल की आधारशिला रखी गई। इस शुभकार्य का आरंभ दिवंगत प्रेम जैन के निर्देशन में संस्था को 40 साल तक अपनी सेवाएं दे चुकी कर्मचारी निर्मला देवी ने रिबन काट कर किया।

जिसके अंतर्गत महिलाओं और लड़कियों के लिए सिलाई, कढ़ाई, क्रोशिया, ऊन से बुने जानी वाली वस्तुओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा ब्यूटी पार्लर की भी सभी विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही कामकाजी महिलाओं के छोटे छोटे बच्चों के लिए प्ले स्कूल एवम डे केयर सेंटर की पूरी सुविधाओं के साथ शुभारंभ किया गया। एक और नई पहल के अंतर्गत कैथल में पहले ऐसे ट्यूशन सेंटर का पदार्पण भी किया गया। जिसमें बहुत ही कम शुल्क में सीबीएसई बोर्ड एवम् स्टेट बोर्ड की शिक्षा प्रदान की जाएगी। सभा द्वारा पहले से ही डांस एकेडमी चलाई जा रही है, जिसके अंतर्गत प्रतिभा खोज कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। संस्था द्वारा किए जाने वाले इन सामाजिक कार्यों के लिए उपायुक्त सुजान सिंह ने शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उत्तर भारत प्रवर्तक आगम रत्न विद्यावाचस्पति आचार्य जैन श्रमण संघ के दिवाकर सुभद्र मुनि, मास्टर साहब ने संस्था की इस नई पहल के लिए अपना शुभाशीर्वाद पत्राचार के माध्यम से प्रेषित किया। इस अवसर पर समिति की प्रधान प्रिज्ञा पाशा जैन ने संस्था के मार्गदर्शन पर चलाई जा रही वाईड विजन एनजीओ द्वारा किए गए कार्यों पर भी प्रकाश डाला कि एनजीओ द्वारा 20 गरीब बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी ली गई और राज्यस्तरीय टेलेंट सर्च प्रोग्राम का ऑनलाइन सफल आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि संस्था की संस्थापिका प्रेम जैन के मार्गदर्शन में जिस उम्मीद से प्रथम नर्सरी स्कूल की आधारशिला रखी गई थी, उसी का परिणाम है कि उनके आदर्शों और शिक्षापद्धति की छाया में चलाए जा रहे शिक्षण संस्थान एवम् स्कूल आज तक अपनी एक विशेष पहचान बनाए हुए हैं। उनके द्वारा शिक्षित सभी छात्र छात्राएं समाज में एक प्रतिष्ठित सम्मान लिए हुए हैं और भारत के लगभग हर प्रांत में उनके छात्र प्रतिभाशाली पदों पर आसीन हैं। यू एस ए से ट्रेंड होने के बाद जैन 1957 में बड़ौत कॉलेज की प्रिंसिपल बनी, फिर विवाह उपरांत उन्होंने कैथल की धरा पर अपनी विशिष्ट शिक्षा पद्धति की छटा बिखेरी। उनकी हस्तलिखाई सुप्रसिद्ध रही है। आज उनकी पद्धति के कारण ही सुपार्शव जैन स्कूल अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाए हुए है। स्मृति दिवस की शोभा बढाते हुए समिति के गणमान्य सदस्य दीपक गर्ग, लशित जैन, जयना जैन, गौरव गर्ग, विजय शर्मा, अश्विनी कुमार, सौरभ, रानी , गीतिका , रेखा, नीलम, पूनम, मीनाक्षी, लव शर्मा, गीता, ज्योति, धारणा, कंचन आदि मौजूद रहे।

मेवात से कल दिल्ली के लिए शुरू होगी ट्रैक्टर परेड : आफताब अहमद

हरियाणा कांग्रेस विधायक दल के उप नेता व नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद के सामने लोगों ने लिया निर्णय

दीपक कुमार। नूंह

नूंह विधायक आफताब अहमद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए।

हरियाणा कांग्रेस विधायक दल के उप नेता व नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद ने रविवार को कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान सामूहिक निर्णय हुआ कि 26 जनवरी को नूंह से ट्रेक्टर परेड होगी, जो दिल्ली तक पहुंचेगी। चौधरी आफताब अहमद ने कहा कि तीन काले कानूनों के खिलाफ वो किसानों के संघर्ष में साथ खड़े हैं। 100 किसानों की शहादत पर बीजेपी व उसके सहयोगी दलों की खामौशी शर्मनाक है।

सीएलपी उप नेता आफताब अहमद ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि वो कृषि कानूनों के एक भी फायदे नहीं गिना सकते हैं। जो मेवात के बीजेपी नेता इन बिलों के फायदे गिना रहे हैं वो जनता व किसान से धोखा कर रहे हैं और सरकार से अपने निजी स्वार्थ के लिए सौदा कर रहे हैं। किसानों के पुतले फूंकने वालों को मेवात कभी माफ नहीं करेगी। बीजेपी दिन प्रतिदिन किसान को कभी आतंकवादी तो कभी खालिस्तानी, पाकिस्तानी बोल कर बदनाम करना चाह रही है। नूंह विधायक चौ आफताब अहमद ने कहा कि पहला कानून सरकारी कृषि मंडियों को खत्म कर देगा, जैसे ही मंडियां खत्म होगी, ठीक उसी के साथ एमएसपी का सिद्धांत भी ख़त्म हो जाएगा क्योंकि मंडियां ही एमएसपी को सुनिश्चित करती हैं। दूसरा कानून किसानों को विवाद की स्थिति में सिविल कोर्ट जाने से रोक रहा है, कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के कानून की वजह से देश में भूमिहीन किसानों के बहुत बड़े वर्ग के जीवन पर गहरा संकट आने वाला है, क्यूंकि देश में 14.43 करोड़ किसान भूमिहीन हैं। तीसरा कानून खाद्य पदार्थों की महंगाई का दस्तावेज है, इस कानून के जरिए निजी क्षेत्र को असीमित भंडारण की छूट दी जा रही है, सरकार को पता नहीं चलेगा कि किसके पास कितना स्टॉक है और कहां है? यह जमाखोरी और कालाबाजारी को कानूनी मान्यता देने जैसा है। सीएलपी उप नेता आफताब अहमद ने तंज कसते हुए कहा कि जो नेता आज कृषि कानूनों के फायदे गिना रहे हैं कुछ दिन पहले वो एनआरसी के भी फायदे गिना रहे थे। ऐसे नेता उपवास नहीं बल्कि किसान का उपहास उड़ा रहे हैं, मजाक उड़ा रहे हैं। आज पेट्रोल डीजल गैस के दाम आसमान छू रहे हैं, किसान कर्ज से परेशान हैं, महंगाई दर रिकॉर्ड स्तर पर है और ऊपर से बीजेपी किसानों का दमन कर रही है। पीसीसी सदस्य चौधरी महताब अहमद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी व शीर्ष नेता इस आंदोलन में किसान भाई बहनों के साथ खड़े हैं। चाहे हथीन में किसान प्रदर्शन हो, या पलवल में, या दिल्ली संघू बोर्डर हो या शाहजहांपुर बॉर्डर, सुनहेडा बॉर्डर सभी जगह चौधरी आफताब अहमद किसान भाइयों के साथ खड़े थे।

चार माह से नहीं मिल रहा मिड-डे-मील

अभिभावकों में शिक्षा विभाग के प्रति पनप रही गहरी नाराजगी

सेनायत खां। फिरोजपुर झिरका

सरकारी स्कूलों में पिछले चार माह से बच्चों को मिड-डे-मील के अंतर्गत राशन नहीं मिल पा रहा है। इसके पीछे वजह बताई जा रही है कि शिक्षा विभाग की ओर से चावल व गेहू की आपूर्ति बाधित है। ऐसे में कोरोना काल में बच्चों को राशन की जरूरत ज्यादा है। ऐसी स्थिति में राशन नहीं मिलने से बच्चों के अभिभावक में शिक्षा विभाग के प्रति नाराजगी फैलती जा रही है।

फिरोजपुर झिरका खण्ड में 100 से ज्यादा राजकीय प्राथमिक पाठशाला है। इन स्कूलों में लगभग 14 हजार बच्चे शिक्षारत हैं। सरकार की ओर सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत आर्थिक सहायता के रूप में दोपहर का भोजन दिये जाने का प्रावधान है। कोरोना काल मे बच्चों के अभिभावकों के रोजगार के रास्ते पूर्ण रूप से बंद हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों को मध्याह्न राशन की अति आवश्यकता है। सरकार की ओर से कोरोना प्रभाव को देखते हुए घर-घर राशन देने के आदेश दिए हुए है, लेकिन स्कूलों में सरकारी राशन की सप्लाई नवम्बर पूर्ण से बंद होने के कारण गत चार में माह से मिड-डे-मील राशन बच्चों को नही मिल पाया है।

बच्चों के अभिभावक शरीफ, नाजिम, खालिद, जावेद, नेतराम, मुकेश कुमार आदि ने कहा कि कोरोना काल मे बच्चों की सरकारी राशन की ज्यादा जरूरत है, तब विभाग की ओर से बच्चों को राशन से वंचित किया हुआ है। बच्चों के अभिभावको में राशन नही देने से शिक्षा विभाग के प्रति काफी नाराजगी फैली हुई है। अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से अति शीघ्र बच्चों को राशन देने की मांग की है। फिरोजपुर झिरका खण्ड शिक्षा अधिकारी इंद्रजीत सिंह मजोक ने कहा कि चार माह से गेहू,चावल की सप्लाई बाधित है। राशन की सप्लाई शुरू करने के लिए विभाग से निरतंर पत्राचार किया जा रहा है,जल्दी ही मीड-डे-मील के राशन की सप्लाई शुरू हो जाएगी।

राममंदिर अभियान को सफल बनाएंगी छोटी टोलियां

अभियान के तहत समर्पण निधि जुटाने घर-घर जाएंगी टोलियां

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

राममंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण अभियान में बैठक करते हुए लोग।

राममंदिर निर्माण के लिए निधि समर्पण अभियान ने नूंह जिले में जोर पकड़ लिया है। नूंह में अभियान को लेकर लगातार बैठकों का दौर जारी है। हालांकि हरियाणा प्रदेश में अभियान की शुरुआत एक फरवरी को की जानी है, लेकिन जिले में ब्लॉक स्तर पर बडी बैठकें कर अभियान के लिए रूप रेखा तथा रूट मैप तैयार किया जा रहा है।

इसी कडी में रविवार को जिले के नूंह नगर तथा उजीना में ईकाई स्तर की बैठकें आयोजित की गईं। उजीना में रविवार को अभियान की बड़ी बैठक हुई। जिसमें अभियान के प्रमुख हरिओम जी पालीवाल तथा आसपास के संत शामिल हुए। कार्यक्रम में पहले संतों तथा कारसेवकों का सम्मान किया गया। जिसके बाद अभियान के लिए सभी बिरादरियों के प्रमुख लोगों की समिति की घोषणा हुई।

अभियान के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने तय किया कि लोगों के घर-घर में जाकर निधि समर्पण अभियान को सफल बनाएंगे। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए जमालपुर, मानेसर निवासी प्रताप ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाना हम सभी का कर्त्तव्य है। भगवान श्री राम हम सभी के अराध्य हैं। इसमें हमें दान या चंदा नहीं देना बल्कि अपना निधि समर्पण करना है। इस अभियान से किसी को वंचित नहीं रखना है। बता दें कि बैठक में अभियान के लिए 15 टोलियां बनीं।

बैठक में 9 लोगों द्वारा 1 लाख 15 हजार रुपये निधि समर्पण की घोषणा भी की गई। बैठक में पूज्य संत टहलनाथ, श्रीगिरी, अभियान के कार्यकर्ता सुरेंद्र सिहं, चेतराम, रमेश, प्रेमवीर, जगदीश, तेजपाल, दीपक, दानसिंह आदि उपस्थित रहे। वहीं नूंह नगर में बैठक में जयसिंह निगरानी में अभियान की रूप रेखा तैयार की गई। बैठक में 20 विशिष्ट लोगों की समिति बनाई गई। इसके अलावा अभियान को सफल बनाने के लिए 17 टोलियां बनाई गईं। इस मौके पर नगर के काफी लोग मौजूद रहे।

मंडल प्रमुख पालक व सह-प्रमुख नियुक्त किए गए

हथीन। हथीन के श्रीसत्यनारायण मंदिर की श्यामा मुखर्जी पार्क के बड़े हॉल में हथीन प्रखंड की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन अयोध्या में श्रीराम प्रभु के भव्य मंदिर निर्माण के लिए एक फरवरी से होने वाले हैं। निधि समर्पण कार्यक्रम के तहत किया गया। बैठक में हथीन प्रखंड के सभी नौ मंडलों के सभी गांवों के कार्यकर्ताओं की बैठक की गई। बैठक में आगामी अभियान से संबंधित सभी विषयों पर चर्चा हुई व बैठक में प्रत्येक मंडल के प्रमुख पालक व सह-प्रमुख नियुक्त किए गए।

बैठक में पहुंचे सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं को उनके गांव पर मंडलों के हिसाब से जिम्मेदारियां दी गई। बैठक में मुख्य रूप से पलवल के जिला अध्यक्ष (बीएचपी) धीरज मंगला जी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि किस तरीके से यह अभियान पूरे भारतवर्ष में जोर शोर से चल रहा है और संगठन का लक्ष्य है प्रत्येक हिंदू परिवार से निधि समर्पण कराने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम हरियाणा के अंदर 1 फरवरी से शुरू होकर के 27 फरवरी तक चलेगा। बैठक के बाद में भगवा रैली का आयोजन किया गया जय भगवा रैली हथीन के लगभग सभी वार्डों में से होते हुए वापस शहर सत्यनारायण मंदिर की श्यामा मुखर्जी पार्क में समापन हुआ।

बैठक मे मुख्य रूप से संघ से बिजेंद्र शास्त्री, राहुल कुमार, अंकित चौधरी, गिरीश , हेमंत, सतीश, श्रीराम युवा संगठन के अध्यक्ष अनिल कौशिक, हरकेश यादव, अनिल कुमार, हरकेश शर्मा, रवि पुजारी, शंकर पांचाल, नवीन राजपूत, अशोक राजपूत , राजनू राजपूत, संग्राम सिंह, धर्मेंद्र जनचौली, दिलीप राजपूत, योगेश वत्स, भोलू, सुनील मढनाका, अमित पंवार, विष्णु जांगिड़ , कैलाश भारद्वाज, लोकेश आदि मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस समारोह : फुल ड्रेस रिहर्सल में डीसी ने किया ध्वजारोहण

परेड कमांडर डीएसपी विवेक चौधरी के नेतृत्व में की कदमताल

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

गणतंत्र दिवस समारोह को पूरे हर्षोउल्लास से मनाने के लिए अफसरों को डीसी के लताड़ लगाने के बाद रविवार को यासीन मेव डिग्री कालेज में फुल ड्रैस रिहर्सल का शानदार प्रर्दशन किया गया। फाईनल रिहर्सल के अवसर उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण करने के उपरांत परेड का निरीक्षण किया।

मार्च पास्ट व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का बारीकी से अवलोकन व निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस देश की आन-बान शान के प्रतीक समारोह के लिए फाइनल रिहर्सल में विभिन्न स्कूलों के इंचार्ज को जो निर्देश दिए गए हैं। उन निर्देशों का पूरा पालन करें। तैयारी के लिए जिला प्रशासन के अधिकारी कोई कोर कसर न छोड़ें।

रिहर्सल के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रही विभिन्न टीमों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। फाइनल रिहर्सल के मौके पर पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र बिजराणीया, अतिरिक्त उपायुक्त डा. मुनीष नागपाल, एसडीएम नूंह संजीव कुमार, सीईओ जिला परिषद महावीर प्रसाद, डिप्टी सीईओ गजेन्द्र ड्क्षसंह, नगराधीश जयप्रकाश, जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश गोरिया, नायब तहसीलदार अख्तर हुसैन सहित अन्य अधिकारी गण व शिक्षा विभाग शिक्षक गण, टीम ईचार्ज, मौ. असरफ हुसैन व सफी मौहम्मद भी मौजूद रहे।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

लड़ाई किसकी कैसी है तुम्हें ये जानना होगा
सही है क्या ग़लत है क्या ये भीतर झाँकना होगा
तड़पता अन्नदाता देखकर यूँ आज सड़कों पर
तुम्हें गर नींद आती है तो तुमको सोचना होगा

स्वास्थ्य सेवाओं में अधिक ध्यान देने की है जरूरत

एक फरवरी को आने वाले बजट में डॉक्टरों ने जताई उम्मीद

बजट-2021-22

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

चिकित्सा सेवा एक महत्वपूर्ण पेशा माना जाता है। खासकर कोरोना के बाद महत्ता और बढ़ गई है। जिस तरह से डॉक्टरों ने दिन रात की परवाह किए बिना काम किया है, वह काबिले तारीफ है। आने वाले बजट में चिकित्सा सेवा से जुड़े लोगों ने अधिक से अधिक प्रावधान किए जाने की मांग की है।

बचत इस तरह का होना चाहिए, जिससे छोटे कस्बों और गांवों के लोगों को अधिक से अधिक लाभ हो। उन्हें चिकित्सा के लिए शहर की ओर न जाना पड़े। सरकार को गांव में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने चाहिए। इससे गरीब लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी और उन्हें समय पर उचित इलाज भी मिल सकेगा।

-डॉ संदीप गर्ग, संचालक आर्यन अस्पताल, निकट हुड्डा सेक्टर-2

सरकार को चिकित्सा क्षेत्र में बजट बढ़ाए जाने के साथ-साथ उपकरण भी सस्ते करने चाहिए। जिससे गरीब आदमी भी अपना इलाज आसानी से करा सके। महंगी चिकित्सा होने के कारण चिकित्सा सेवा आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही है। इसलिए इस और ध्यान देने की विशेष जरूरत है।

-डॉ कमल गुप्ता, संचालक निदान अस्पताल, निकट सिविल अस्पताल

पिछले कुछ समय से देश ही नहीं विदेशों में भी आयुर्वेद की महत्ता बढ़ी है। सरकार द्वारा बजट में ऐसा प्रावधान किया जाना चाहिए कि शहर और गांव में बसे सभी लोगों को इलाज कराने की सुविधा मिल सके। सरकार द्वारा आयुर्वेद की तरफ ध्यान देना शुरू कर दिया गया है। अंग्रेजी इलाज के साथ ही आयुर्वेद के संगम से ही सभी तरह का इलाज संभव है।

-डॉ ललित भारद्वाज (नीमा), संचालक शिव क्लीनिक, गुप्तागंज

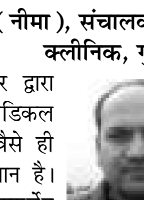

सरकार द्वारा बजट में मेडिकल के लिए वैसे ही कम प्रावधान है। जबकि आयुर्वेद चिकित्सा में सरकारी बजट न के बराबर है। इसको बढ़ाया जाना चाहिए। बीएएमएस डॉक्टर एमबीबीएस की तरह ही अपना योगदान देते हैं। कोरोना के समय उन्होंने सबसे अधिक योगदान दिया है। जैसे आयुर्वेद में अधिक अनुसंधान हो सके।

-डॉ विकास अग्रवाल (नीमा), संचालक अग्रवाल क्लीनिक, बामनीखेड़ा

सरकार को चिकित्सा सेवा के लिए बजट में ज्यादा से ज्यादा प्रावधान करने की जरूरत है। खासकर आयुर्वेद की महत्ता को अब सारी दुनिया जान चुकी है। कोरोना महामारी के दौरान आयुर्वेदिक पद्धति से लोगों को काफी लाभ भी मिला है। इसलिए सरकार को इस तरफ भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

-डॉ सुशील छाबड़ा (नीमा)

रिहर्सल परेड में टुकड़ियों ने किया मार्च पास्ट

भिवानी। 72 वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की आज रविवार को भीम खेल परिसर में अंतिम रिहर्सल हुई। अंतिम रिहर्सल में उपायुक्त जयवीर सिंह आर्य मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और राष्ट्रगान की धुन के साथ ध्वजारोहण किया।

मुख्य अतिथि आर्य ने पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह के साथ परेड का निरीक्षण किया। उमंग, बुलंद हौसले और मजबूत इरादों के साथ परेड की टुकड़ियों ने शानदार मार्च पास्ट किया और राष्ट्र ध्वज को सलामी देते हुए मंच के सामने से गुजरी। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय विरेंद्र सिंह ने परेड का नेतृत्व किया।

भीम खेल परिसर में पहुंचने से पहले मुख्य अतिथि गणतंत्र दिवस पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप नेहरू पार्क स्थित शहीद स्मारक पहुंचे और देश की आजादी के लिए कुर्बान होने वाले अमर शहीदों को नमन किया। अंतिम रिहर्सल में मंच का संचालन अनीता नाथ ने किया।

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख नूहं (मेवात)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मन्नी मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

कृषि कानूनों पर मतभेद

गरीब किसानों का हाल

वर्तमान संघर्ष में किसान यूनियनों व सरकार में चाहे जिसकी विजय हो, गरीब किसानों की स्थिति में सुधार की ज्यादा उम्मीद नहीं है। दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन करने वाले हजारों किसान तीन नए कृषि कानूनों की वापसी तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी के समर्थन में कानून की मांग कर रहे हैं। लेकिन निश्चित रूप से वे उन किसानों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं जो गले तक कर्ज में डूबे हैं और हर साल उनमें से अनेक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि सूदखोरों के कर्ज पर भारी ब्याज के भुगतान के दुष्चक्र में उनको कोई रास्ता नहीं दिखता है। सीमाओं पर बैठे किसानों में से अधिकांश पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बड़े व उच्च मध्य वर्ग के प्रतिनिधि हैं। उनके साथ मजबूत अढ़तिया समाज है जिसे कृषि उत्पादन मंडी समितियों-एपीएमसी से भारी लाभ हुआ है। ये किसान विभिन्न राजनीतिक पार्टियों का बड़ा वोटबैंक है और वे इस समुदाय के खिलाफ नहीं जाना चाहती हैं। खास एपीएमसी के क्षेत्र में केवल खास एपीएमसी लाइसेंस धारक व्यापारियों को ही कृषि उत्पाद खरीदने की अनुमति है। इससे व्यापारियों का कार्टेल तैयार होता है जो मेहनती किसानों को उनके उत्पादों का सही दाम मिलने से रोकता है। इसी कारण अनेक दौर की बातचीत के बावजूद कोई नतीजा नहीं निकला है और किसान नेताओं ने कृषि कानून स्थगित करने का केन्द्र का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। शुक्रवार को वार्ता का नवीनतम दौर भी विफल रहा तथा अगली बैठक की नई तारीख भी नहीं

तय की गई। किसान कृषि कानूनों की पूरी वापसी तथा एमएसपी पर कानून की मांग पर अड़े हैं। किसानों ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति से भी न्याय की उम्मीद नहीं लगाई है तथा उसे 'पूर्वाग्रही' बता दिया है। दूसरी ओर सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि इस समिति का काम केवल किसानों की आपत्तियों पर रिपोर्ट देना है और वह बिना किसी सहभागिता के भी अपना काम करेगी।

लेकिन किसानों की आशंकाओं को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता है। किसानों को सरकार द्वारा कानून जल्दी से पास किए जाने पर संदेह है जिसके चलते संसद में इन पर समुचित चर्चा नहीं हो सकी। इन कानूनों को पहले जून, 2020 में अध्यादेशों के रूप में लाया गया था और संसद ने सितंबर में इनको ध्वनि मत से स्वीकार कर लिया। किसानों का आरोप है कि केन्द्र ने ये कानून कार्पोरेट घरानों को लाभ देने के लिए बनाए हैं और उसे किसानों के हितों की ज्यादा चिन्ता नहीं है। इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि इस क्षेत्र में निजी निवेश तथा कृषि उत्पादों की एपीएमसी के बाहर व्यापार की अनुमति देने से अंततः सरकार किसानों से खरीद कम करेगी तथा इससे एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था अप्रासांगिक हो सकती है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत की एमएसपी व्यवस्था दुनिया में खाद्यान्न खरीद की सबसे महंगी व्यवस्था है। समय आ गया है कि सरकार और किसान कृषि क्षेत्र को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करें। हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर बनाया है, पर रसायन उर्वरक-केन्द्रित खेती से स्वास्थ्य व पर्यावरण को गंभीर खतरा पैदा हुआ है तथा मृदा की उर्वरता नष्ट हो रही है। इससे हमारी खाद्य श्रृंखला में हानिकारक कैंसरकारक तत्व शामिल हो गए हैं। बीजों व फसलों की हाइब्रिड व ट्रांसजेनिक किस्मों से उत्पादकता बढ़ी है और बाजार की मांग पूरी हुई है, पर इससे देशी किस्मों को भारी खतरा भी पैदा हुआ है। ये स्थानीय किस्में स्वाभाविक रूप से अनेक बीमारियों व रोगों की प्रतिरोधी हैं तथा हमारी समृद्ध जेनेटिक संपदा का हिस्सा हैं। पर्यावरण-हितैषी कृषि को केन्द्र में रखने के साथ ही सरकार को ऐसी प्रभावी नीति बनानी चाहिए जिससे गरीब किसानों को राहत मिले जो संकट में फंसे हैं और उनको हर स्थिति में नुकसान उठाना पड़ता है।

महामारी से बढ़ी अशिक्षा व असमानता

शिक्षा तक पहुंच सीमित करके, कोरोना महामारी ने वर्तमान असमानताओं को बढ़ाकर गरीब परिवारों की आर्थिक वृद्धि को बाधित किया है।

सुरेश कुमार
(लेखक ह्यमन लिबर्टी नेटवर्क केंद्र के कार्यकारी निदेशक हैं)

देशव्यापी लाकडाउन की शुरुआत के लगभग 10 महीने बाद, भारत में अब, यद्यपि चरणबद्ध रूप से, वो भी कोविड प्रोटोकालों के साथ स्कूलों को खोलने की प्रक्रिया चल रही है। हालांकि, अधिकतर राज्यों ने केवल 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए विद्यालय खोलने का निर्णय लिया है। मगर इससे छोटे बच्चे अभी भी अपने घरों में आनलाइन कक्षाओं तक सीमित हैं और यह स्थिति तब तक जारी रहगी जब तक नर्सरी से 12वीं तक पूरी तरह स्कूल खोलना सुरक्षित नहीं होगा।

यह दुखद तथ्य है कि भारत में निर्बल समुदायों के बहुत से बच्चे दिन में एक समय भोजन के लिए स्कूलों पर निर्भर रहते हैं। बहुत से बच्चों के स्कूल जाने के पीछे कारण मध्यान्ह भोजन योजना है। स्कूलों के बंद हो जाने से प्रबंचित तबकों के बच्चे सर्वाधिक प्रभावित हुए हैं क्योंकि वे न केवल भूख के शिकार होते हैं बल्कि उनके पास सक्षम परिवारों के विपरीत आनलाइन शिक्षा जारी रखने के लिए स्मार्टफोन, कम्प्यूटर, लैपटॉप अथवा इंटरनेट सुविधा नहीं होती।

आक्सफैम इंडिया द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, लगभग 80 प्रतिशत भारतीय छात्र लाकडाउन के दौरान आनलाइन शिक्षा का लाभ उठाने से वंचित रहे और हो सकता है सभी के लिए स्कूल खुलने के बाद वे वापस कक्षाओं में लौटकर न आएं। इनमें से बहुत से बच्चे अपने परिवार में स्कूल जाने वाले पहले होते हैं। उनके माता-पिता व पितामहों को विविध सामाजिक-आर्थिक कारणों से स्कूल जाने का अवसर कभी नहीं मिला। शिक्षा तक पहुंच सीमित करके, कोरोना महामारी ने वर्तमान असमानताओं को बढ़ाकर गरीब परिवारों की आर्थिक वृद्धि को बाधित किया है। एक ऐसे देश में जहां आधी जनसंख्या 25 वर्ष से कम आयु वाले लोगों की है, शिक्षा तक पहुंच का अभाव एक ऐसा प्रतिरोधक है जो बच्चों को समाज के योगदानकारी एवं उत्पादक सदस्य बनने से रोकता है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 600 मिलियन इंटरनेट प्रयोगकर्ता होने के बावजूद, केवल 20 प्रतिशत को ही उसका लाभ उठाने संबंधी जानकारी है। यदि ताजा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की दृष्टि से देखें, तो 12 राज्यों व संघ शासित प्रदेशों में लगभग 60 प्रतिशत से अधिक महिलाओं ने कभी इंटरनेट का प्रयोग नहीं किया है, जिससे सवाल उठता है: उनके बच्चे आनलाइन अध्ययन कैसे करेंगे? देश में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम का न होना एक बड़ा अंतराल है, जो सामने आया जब स्कूल बंद हो गए और शिक्षा आनलाइन हो गई। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, बिहार, जहां यौन तथा सस्ते श्रम के लिए बाल व्यापार अनियंत्रित रूप से चलता है, वहां इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या देश में सबसे कम है और प्रत्येक 100 में से केवल 32 लोगों के पास यह सुविधा है।

हां, एक अत्यधिक संक्रामक वायरस को फैलने से रोकने के लिए लाकडाउन लगाया गया था, लेकिन जबकि भारत ने चरणों में खोलने की शुरुआत कर दी है, स्कूल अभी बंद हैं। पूर्व में, दिहाड़ी मजदूर, जो अनौपचारिक क्षेत्र में काम कर रहे थे, जिनके पास कोई सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं थी वे यह सोचकर काम पर जाते थे कि उनके बच्चे स्कूलों में सुरक्षित होंगे। अब, महामारी के कारण, उनके बच्चे उनके साथ काम पर जाते हैं। वे व्यापार सीखे रहे हैं। वे अपने माता-पिता की तरह संघर्ष कर रहे हैं और एक भिन्न प्रकार का जीवन का अवसर उनसे छिन रहा है। इसके साथ-साथ, उनके माता-पिता के पास अब सुरक्षित नौकरी नहीं रह गई है। इसलिए, वे अपने साध्य को प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वे वेतनभोगी नहीं रह गए हैं और उन्हें महाजनों, मित्रों एवं अन्य परिजनों से पैसा उधार लेना पड़ रहा है।

कुछ संगठन जो बाल श्रम के विरुद्ध काम कर रहे हैं उन्होंने खबर दी है कि महाजन ऊंची ब्याज दरों पर पैसा वसूल रहे हैं। वे यह भी बताते हैं कि कुछ लोगों को भोजन और पानी जैसी अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए भी पैसा उधार लेना पड़ रहा है। इनमें से कई लोग बहुत ज्यादा गरीब हैं और ऋणग्रस्तता से गुजर रहे हैं। वे अधिकतर दलित हैं जो अपने जीवन का अधिकतर हिस्सा दासता व गरीबी में बिताते हैं। वे प्रायः पैसा उधार लेते हैं लेकिन वापस चुकाने में असमर्थ होते हैं और इसलिए उन्हें कर्ज अदा करने लिए काम करना पड़ता है। प्रायः इसका अर्थ होता है कि उनका बच्चा भी काम पर जाए। बिहार के गया निवासी 12वर्षीय राहुल का उदाहरण ही ले लीजिए, जो महामारी के प्रारम्भ के समय से ही अपने गांव में पढ़ने के अवसर से पूरी तरह वंचित हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, वह बाल व्यापार के चुगुल में फंस गया है। महामरी की शुरुआत से पहले, उसके पिता ने एक बाल व्यापार करने वाले का अनुमति दे दी थी जिसके चलते राहुल जयपुर के एक चूड़ी कारखाने में काम करने लगा था। लेकिन सौभाग्य से कारखाने में ले जाए जाने से पूर्व ही वह जयपुर में छुड़ा लिया गया। उसी जिले से वह और 29 अन्य अवयस्कों को एक लक्जरी बस से छुड़ाया गया जो गया से जयपुर तक बच्चों को पहुचाने का काम करती थी। सभी 30 छात्रों को अलग-अलग स्कूलों में भर्ती किया गया और लाकडाउन लागू होने से पूर्व वे नियमित रूप से स्कूल जाते थे। अब वे खाली हैं और बाल व्यापार के शिकारियों के हाथों में पड़ने के जोखिम से गुजर रहे हैं।

विश्व की शिक्षा प्रणाली पर कोविड-19 के प्रभाव संबंधी संयुक्त राष्ट्र की नीति संबोधन में इस तथ्य की ओर संकेत किया गया है कि स्कूलों व विद्यार्जन के अन्य संस्थानों के बंद होने का असर निम्न तथा मध्यम आय वर्ग वाले देशों में 99 प्रतिशत छात्रों पर पड़ा है। इसमें आगाह किया गया है कि बाल श्रम तथा अवैध बाल व्यापार पर प्रचुर मात्रा में प्रभाव हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, दुनियाभर में 152 मिलियन अल्पवयस्क बाल श्रम में रत हैं, जिनमें से 73 मिलियन दासता, बंधुआ मजदूरी, खतरनाक कामों एवं यौन उत्पीड़न में लिप्त हैं। भय है कि गरीब देशों में, बहुत से बच्चों का संपर्क शिक्षा से पूरी तरह टूट जाएगा और वे कभी स्कूल वापस नहीं जा सकेंगे, क्योंकि उन्हें अपने परिवार की आय में योगदान करना पड़ता है। उन्हें यह लगने लगा है कि उनका परिवार उनकी शिक्षा का खर्च वहन नहीं कर सकता और अकसर यह सच साबित होता है। भारत में बाल श्रमिकों की संख्या सर्वाधिक है।

2011 की जनगणना के अनुसार, 10.13 मिलियन बाल श्रमिक हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में 23.8 मिलियन बाल श्रमिक हैं। बच्चों के लिए स्कूल और कार्यक्रम, यथा संरक्षण केंद्र और युवा क्लब, भी अपने काम में विफल हो रहे हैं। महामारी के कारण परिवारों में घरेलू हिंया तथा स्थानीय बाल व्यापारियों अथवा सूदखोरों द्वारा बच्चों को भर्ती करने के प्रयास छिपे रह जाते हैं। ध्यान शिक्षकों एवं छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर होना चाहिए। सभी साझीदारों को बच्चों व किशोरों के लिए स्कूल खोले जाने के लिए प्रोटाकाल तय करने होंगे। विद्याध्यन में होने वाले नुकसान की गहन परीक्षण किया जाना चाहिए तथा छात्रों को स्कूलों में बनाए रखने के लिए सुविचारित योजनाएं व स्कीमें बनाई जानी चाहिए। ग्रामीण भारत में स्कूलों व छात्रों को विद्याध्यन की यात्रा जारी रखने हेतु सरकार को आवश्यक धन की व्यवस्था भी करनी होगी।

भारत में तेंदुओं की स्थिति पर एक नज़र

“ रिपोर्ट का शीर्षक 'भारत में तेंदुओं की स्थिति' थोड़ा भ्रामक है क्योंकि वे पूरे भारत में नहीं पाए जाते हैं। ”

हरिशंकर सिंह
(लेखक राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के सदस्य हैं)

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण अधिकरण तथा भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून द्वारा 'भारत में तेंदुओं की स्थिति: 2018' शीर्षक वाली रिपोर्ट 2020 में जारी की गई। लेकिन यह शीर्षक थोड़ा भ्रामक है क्योंकि यह भारत के बाघ राज्यों में तेंदुओं की स्थिति के बारे में है, पूरे देश के बारे में नहीं। वास्तव में 'भारत में तेंदुओं की स्थिति: 2018' बाघ जनसंख्या के चौथे चक्र के आधार पर है जिसमें कैमरा इमेजिंग व रिकैप्चर तकनीकों से यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत के बाघ अभयारण्यों में तेंदुओं की संख्या 2014 में 7,910 से बढ़ कर 2018 में 12,580 हो गई। इसके बाद मीडिया ने तेंदुओं की संख्या में 60 प्रतिशत वृद्धि पर उत्साह प्रकट किया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी इनकी संख्या में वृद्धि का उल्लेख किया, लेकिन यह पूर्ण सत्य नहीं है। 2018 में अखिल भारतीय बाघ अनुमान के समय तेंदुओं की संख्या का भी अनुमान लगाया गया था। लेकिन बाघ वाले राज्यों में गैर-वन परिवेशों जैसे काफी व चाय बागानों, नदियों के किनारे व अन्य क्षेत्रों में, हिमालय पहाड़ों की चोटियों पर तथा उत्तर-पूर्व के मैदानी क्षेत्रों में इनका अनुमान नहीं लगाया गया था। इसलिए संख्या का अनुमान भारत में बाघ वाले क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए।

तथ्य यह है कि तेंदुए भारत के 29 राज्यों व एक केन्द्रशासित क्षेत्र में पाए जाते हैं, जबकि बाघों की उपस्थिति केवल 18 राज्यों में है। इन राज्यों में भी तेंदुओं के सभी पर्यावासों का अनुमान नहीं लगाया गया है। इससे पूरे देश में तेंदुओं की संख्या के अनुमान पर संदेह होता है। उदाहरण के लिए, हिमालय में तेंदुओं की संख्या काफी है जिसके प्रमाण

उत्तराखंड में मानव-तेंदुआ टकराव की बढ़ती घटनाओं से मिलते हैं। राज्य वन विभाग के अनुसार पिछली तीन गणनाओं में 2,100-2,400 तेंदुओं का अनुमान था। इससे स्पष्ट है कि 2018 की गणना में उत्तराखंड के दो तिहाई पर्यावासों का सर्वेक्षण नहीं हुआ। अन्य वन्य जीवों की तरह तेंदुओं का भी संरक्षण महत्वपूर्ण्पा है। तेदुओं को बाघ परियोजना की तरह कोई विशेष परियोजना का सहारा नहीं मिला है ऐसे में उनका संरक्षण सामान्य व्यवस्था का ही हिस्सा है। हिमाचल प्रदेश व जम्मू कश्मीर में भी तेंदुए पाए जाते हैं। हिमाचल प्रदेश के वन विभाग ने पिछली गणना में 761 तेंदुओं की जानकारी दी थी। जम्मू कश्मीर में भी सैकड़ों तेंदुए हैं। गुजरात में 2016 में 1,395 तेंदुओं की गणना हुई थी। कुछ क्षेत्रों को छोड़ कर पूर्वोत्तर के सात राज्यों व पश्चिम बंगाल में अनेक क्षेत्रों को सर्वेक्षण में शामिल नहीं किया गया है। सभी मुख्य वन्यजीव वार्डनों द्वारा तैयार आंकड़ों के अनुसार 384 संरक्षित क्षेत्रों में तेंदुओं की एक तिहाई संख्या है जो भारत के 1,36,551 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हैं। इस प्रकार भारत के बाघ वाले राज्यों में 'भारत में तेंदुओं की स्थिति: 2018' रिपोर्ट गैर-बाघ वाले राज्यों तथा अन्य राज्यों पर लागू नहीं होती है।

देश के बाहर भारतीय तेंदुए दुनिया में पाई जाने वाली तेंदुओं की आठ उप-प्रजातियों में शामिल हैं। इनकी संख्या पाकिस्तान, नेपाल, भूटान तथा बांग्लादेश, म्यांमार व चीन में 1200 से 1500 तक है। एशियाई तेंदुओं की सात उप-प्रजातियों में लगभग 20,000 से 22,000 वयस्क व बच्चे शामिल हैं। इनमें से तीन चौथाई भारत में तथा बाकी एशिया के 30 देशों में पाए जाते हैं। अफ्रीकन तेंदुओं की संख्या इससे 20 गुना अधिक है। हालांकि, पिछले वर्षों में भारत में तेंदुओं की संख्या बढ़ी है, पर इस सुंदर व अत्यधिक बुद्धिमान प्राणी के संरक्षण की आवश्यकता है।

जानवर-मनुष्य टकराव की बढ़ती संख्या के कारण यह बहुत कठिन हो गया है। अकसर तेंदुए अवैध शिकारियों द्वारा बिछाए गए जालों में फंस जाते हैं। अकसर ऐसी घटनाओं की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसके अलावा वन्य क्षेत्र से भटककर मानव बस्तियों में चले जाने पर उन्हें मार डाले जाने की संभावनाएं भी बनी रहती हैं। निर्वनीकरण के फलरूवरूप जंगलों का सफाया हो जाने के चलते वन्य प्राणी भोजन आदि की तलाश में अकसर भटककर मानव बस्तियों में पहुंच जाते हैं। ग्रामीणों द्वारा उन्हें घेरकर मार दिए जाने की घटनाएं अकसर सुनने को मिलती हैं। ऐसे में जंगल काटे जाने से रोकने व अवैध मानवीय विस्तार पर रोक लगाने के लिए लिए सख्त रवैया अपनाने की जरूरत है। समय आ गया है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य में रहना सीखें तथा तेंदुए के पर्यावासों को नुकसान न पहुंचाएं। आखिरकार उनको भी दुनिया में मनुष्यों की तरह रहने का अधिकार है। बच्चों को दुनिया के संसाधनों का साझा करने का सबक सिखाना जरूरी है नहीं तो यह हमारा ही नुकसान होगा।

आप की बात

डिजिटल शिक्षा से सीख

कोविड 19 महामारी ने बच्चों के दैनिक जीवन को बढ़िया तरीके से बाधित किया है। महामारी के कारण सभी शिक्षण संस्थानों और परीक्षाओ को स्थगित करना पड़ा है तथा इसके कारण बहुत से बच्चे शिक्षा तंत्र से बाहर हो गए हैं। बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो यह सुनोश्चित करने के लिए स्कूलों द्वारा पढ़ाई को ऑनलाइन मोड पर ट्रांसफर करना पड़ा। इससे शिक्षा के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व चुनौती का सामना करना पड़ा है। जहां कई छात्र अपना अधिकांश समय मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बितातें हैं वही कई अन्य इंटरनेट जैसे उपकरणों की अनुपस्थिति या इससे जुड़ी अन्य चुनोतियों के कारण पढ़ाई में पिछड़ रहे हैं। हालांकि ई लर्निंग को सुचारू रूप से संचालन करने हेतु सरकार ने कई पहल शुरू की हैं जैसे ईजी पाठशाला ,स्वयं, प्रज्ञाता आदि आदि। परंतु इनसे कोई ज्यादा सुधार देखने को नही मिलेगा। प्रत्येक बच्चे के लिए मौलिक अधिकार के रूप में समान रूप से अच्छी शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु वास्तविक प्रयासों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अब हम जैसा देख रहे हैं कि धीरे धीरे राज्य सरकारों ने राज्य में स्कूल खोलने के निर्देश दे दीये गए है परंतु ऑनलाइन शिक्षा पद्यति ने हमको एक नई सीख दी है।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

शेयर बाजार में उछाल

यह पत्र शेयर बाज़ार मे उछाल के संदर्भ मे है। निस्संदेह यह आंकड़ा मनोवैज्ञानिक रूप से सुखद है और इसके पीछे विदेशी निवेशकों का बहुत बड़ा हाथ है क्योंकि पिछले वर्ष मार्च से यह 50,000 तक का सफ़र उसी वजह से संभव हो पाया है। आज यू एस डॉलर मे जो मंदी है उसी वजह से निवेशकों को भारत जैसा उभरते बाज़ार मे आकर्षण लग रहा है. लेकिन जैसे ही अमरीका डॉलर मे तेज़ी आएगी यह निवेशक अपना पैसा निकालने मे देरी नही करेंगे। लेकिन कई ऐसे महत्वपूर्ण पहलू हैं जिनको ध्यान मे रखने की ज़रूरत है। पहला यह की इस बाज़ार की ऐसी उछालों का अर्थव्यवस्था की वास्तविक हालत से कुछ ज़्यादा संबंध नही है, क्योंकि अर्थव्यवस्था अभी पटरी पर आने की कोशिश कर रही है। और दूसरा यह की खुद्रा निवेशकों को बहुत सचेत और समझदार रहने की ज़रूरत है, क्योंकि ऐसे अक्सर देखा गया है की बाज़ार में उछाल के बाद निवेशक बिना किसी शेयर के बारे मे खोज बीन के बाज़ार मे पैसा डाल देते हैं और जैसे ही बाज़ार मे मंदी आई वह पैसा निकाल लेते हैं, और बड़ा नुकसान उठाते हैं।

– **बाल गोविंद,** सेक्टर 44, नोएडा

अनेकता में एकता

सोशल मीडिया पर एक बहुत ही गौरतलब करने योग्य तथा प्रेरणास्पद पोस्ट है। ऑस्ट्रेलिया की भूमि पर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ऋषभ पंत (हिंदू), मोहम्मद सिराज (मुस्लिम), शुभमन गिल (सिख), वाशिंगटन सुंदर (ईसाई) के बारे में। यह सब मिलकर साझा प्रयास करते हैं, तो असंभव को संभव बना देते हैं। बहुत पहले हमारे देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, यह है भारत के सिपाही। बड़े गर्व से नारा लगाया जाता था। क्योंकि आपसी भाईचारा, सौहार्द व मिलकर ही देश को आगे बढ़ाय जा सकता है, विकास के चरम को प्राप्त कर सकते है, ना की आपसी जूतमपैजार से। जैसे भारतीय क्रिकेट टीम के इन खिलाड़ियों ने सामूहिक प्रयास के द्वारा जीत का परचम लहराया। कहने का मतलब साफ है कि देश में घृणा, नफरत, राग द्वेष का कोई स्थान नहीं है हम सब हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई या जो भी हैं बाद में है, सबसे पहले हैं हम सब प्यारे हिंदुस्तानी। यही गर्व भाव पैदा करने की जरूरत है और नफरत व घृणा को हाशिए से बाहर करते हुए जमींदोज करने की जरूरत है।

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

“ **नेताजी** ने एक सशक्त भारत का सपना देखा था। एलएसी से एलओसी तक हम उनके पदचिन्हों पर चल रहे हैं। नेताजी यह देखकर गर्व महसूस करते।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

कोलकाता में इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड नेताजी बोस को समर्पित होगी। केंद्र को 23 जनवरी पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करना चाहिए।

– **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने बड़े कारपोरेटों के साथ साझीदारी कर ली है और वे देश की जनता की हर चीज उन्हें बेच रहे हैं।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता ”

डिजिटिलाजेशन : अब घर बैठे मिलेगी हाई सिक्यूरिटी नम्बर प्लेट

सड़क सुरक्षा माह के तहत आरटीए ने की शुरूआत

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

हरियाणा सरकार का प्रयास है कि हर एक व्यक्ति को घर बैठे हर वो सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके, जो उनके लिए जरूरी है। समय के अभाव के कारण वो उसका लाभ नहीं ले पा रहे। इसी के तहत रविवार को परिवहन विभाग करनाल के सड़क सुरक्षा अभियान के तहत इस सुविधा की शुरुआत की है।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने डीसी कैंप आफिस से हाई सेक्युरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट सुविधा की शुरुआत करते हुए बताया कि परिवहन विभाग द्वारा हर दोपहिया वाहन व कार पर हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट लगाने के आदेश दिए गए तथा किसी भी वाहन पर हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट न लगे होने पर उसका चालान भी किया जा सकता है। इसलिए सभी जल्द से जल्द अपने अपने वाहनों पर हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट लगवा लें। उन्होंने कहा कि जिन वाहन चालकों के पास नम्बर प्लेट लगवाने का समय नहीं है। वो इसके लिए पंजीकरण करवा सकते हैं। डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि करनाल की एडीसी व आरटीए करनाल वीना हुड्डा व उनकी टीम द्वारा लगातार सड़क सुरक्षा अभियान के तहत बेहतरीन काम किया जा रहा है, जिसके तहत आज इस सुविधा की शुरुआत की गई है।

इस मौके पर एडीसी व आरटीए वीना हुड्डा ने कहा कि सभी वाहन चालक जल्द से जल्द अपने वाहनों पर हाई सिक्युरिटी नम्बर प्लेट लगवा लें ताकि विभाग को मजबूरी में उन वाहनों का चालान न करना पड़े जो अभी तक बिना हाई सेक्योरिटी नम्बर प्लेट के अपने वाहन चला रहे हैं। एसडीएम आयुष सिन्हा ने बताया कि अब कोई भी वाहन चालक अपने वाहन की नम्बर प्लेट बुक करवाने के लिए कम्पनी की वेबसाइट पर बुक करवा सकता है। जिसके साथ ही उसकी पेमेंट ऑनलाइन हो जाएगी। साथ ही जो रसीद पीडीएफ फॉर्मेट में निकलेगी उसमे वो तारीख आ जाएगी।

जब कम्पनी का कर्मचारी आपके घर आकर नम्बर प्लेट लगाकर आएगा। इस मौके पर एचएसआरपीएचआर कम्पनी के मैनेजर वीरेंद्र सिंह ने कहा कि कम्पनी ने ये शुरुआत करनाल के लोगों के लिए है। आप जल्द से जल्द इस सुविधा का लाभ बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ले सकते हैं। इस अवसर पर नगराधीश अभय सिंह जांगड़ा, आरटीए से एमवीए जसमेर सिंह, इंस्पेक्टर जोगिंद्र ढुल, सब इंस्पेक्टर बलदेव सिंह, यातायात पुलिस से एसआई अशोक कुमार, सुरेश मलिक व सोनू बत्तरा, रमन मिड्डा आदि मौजूद रहे।

राइस मिल मालिक के परिवार को बंधक बनाकर की लाखों की लूट

लुटेरों ने भतीजे की गर्दन पर चाकू रखा, जाते समय क्रेटा गाड़ी भी ले गए

एसपी ने 24 घंटे में वारदात का खुलासा करने का दावा किया

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

तरावड़ी स्थित जानकी राइस मिल के संचालक के सेक्टर-9 स्थित घर पर देर शाम अज्ञात लुटेरों ने घर में लोगों को चाकू की नोक पर पहले बंधक बनाया और फिर जान से मारने की धमकी देकर घर में लाखों की लूट की घटना को अंजाम दे डाला। जाते समय लुटेरे क्रेटा गाड़ी भी ले गए, जो पुलिस ने बस्ताड़ा के निकट से बरामद की।

रविवार सुबह करनाल के एसपी गंगाराम पुनिया घटना की जानकारी लेने स्वयं घर पहुंचे। एसपी ने 24 घंटे के भीतर वारदात का खुलासा किए जाने का परिजनों को दिया। फिलहाल पूरा परिवार दहशत में है। लुटेरे आठ बजे के बाद दबे पांव घर में घुसे और उन्होंने बरामदे में मौजूद नौकर को बंदी बना लिया। इसके बाद वह राजेश सिंगला के कमरे में घुसे। राजेश के छोटे भाई देवेंद्र सिंगला ने बताया कि उस समय घर में नौकर समेत 6 लोग मौजूद थे। लुटेरों ने भतीजे की गर्दन पर चाकू रख दिया और कहा कि जो कुछ है यहीं रख दो। लोग डर गए थे और घर में जितना भी सोना और नकदी पड़ी थी उन्होंने लुटेरों हवाले कर दी ताकि उनकी जान बच सके। बाद में लूटेरों ने घर में खड़ी क्रेटा गाडी की चाबी भी उठा ली।

इससे पहले उन्होंने घर के लोगों के सभी मोबाइल पानी में डाल दिए। करीब पौना घंटा लुटेरे घर में रहे। जबकि पुलिस चौकी महज 100 मीटर की दूरी पर थी। लुटेरों की संख्या 3 से 4 के बीच थी। पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में लूटेरों की तस्वीरें कैमरे में कैद हुई हैं। भाजपा के जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा का निवास स्थान भी निकट ही है। भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने ही एसपी को घटना की जानकारी दी थी। फिलहाल परिजन दहशत में हैं। हालाकि सही नुकसान का आंकलन नहीं हो पाया है लेकिन लूट लाखों की बताई जा रही है।

नौ करोड़ रुपये की हेरोइन सहित युवक गिरफ्तार

पत्रकारवार्ता को संबोधित करते एसपी जशनदीप सिंह रंधावा।

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

सीआईए-1 स्टाफ ने भारी मात्रा में हेरोईन सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी विकास उर्फ सन्नी पुत्र महीपाल निवासी ईश्वर कालोनी बवाना दिल्ली, अरविन्द पुत्र जगमेन्द्र निवासी सेवली, सुनील पुत्र रामस्वरूप निवासी भगतपुरा व मुकदर उर्फ मॉडल पुत्र रणजीत सिंह निवासी ब्रह्म कालोनी शहर सोनीपत के रहने वाले है।

अवैध हेरोइन का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मूल्य नौ करोड़ रुपये बताया गया है। युवकों को न्यायालय में पेशकर दो दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि निर्देशानुसार पुलिस टीम दहेसरा की सीमा में मौजूद थी कि इन्हें सूत्रों से पता चला कि चार युवक स्वीफ्ट कार में भारी मात्रा में अवैध हेरोइन लेकर इधर से आने वाले है। पुलिस टीम को देखकर युवकों ने वापस भागने की कोशिश की तो पुलिस टीम ने कार सहित धर दबोचा। पूछताछ में युवकों ने अपनी पहचान विकास उर्फ सन्नी निवासी ईश्वर कालोनी बवाना दिल्ली, अरविन्द निवासी सेवली, सुनील निवासी भगतपुरा व मुकदर उर्फ मॉडल निवासी ब्रहम कालोनी शहर सोनीपत के रूप में दी।

गांव नीमड़ीवाली से 10 ट्रैक्टर खाद्य सामग्री ले दिल्ली को रवाना

भिवानी। कृषि संबंधित सरकार द्वारा लागू किए गए तीन काले कानूनों के विरोध में दिल्ली टिकरी बॉडर पर चल रहे किसान आंदोलन में उपस्थित किसानों के लिए गांव नीमड़ीवाली से 10 ट्रैक्टरों को खाद्य सामग्री के साथ रवाना किया।

ये जानकरी देते हुए भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के जिला अध्यक्ष राकेश आर्य नीमड़ीवाली ने बताया कि ट्रैक्टरों को खाद्य सामग्री के साथ पूर्व सरपंच जागेराम, योगेन्द्र बोहरा, लीला ठेकेदार, करतार गिल, पंच सत्ये, पंच अमित, रामनिवास फौजी, बलजीत श्योराण, राकेश उर्फ कालिया, पंच कुलबीर शास्त्री, पंच सतबीर, राजबीर बोहरा के मार्ग दर्शन में रवाना किया। किसान करतार गिल ने कहा कि केन्द्र की भाजपा ने तीनोंकाले कानूनों को लागू करके किसानों कुचलने का काम किया। ये तीनों काले कानून किसानों के साथ-साथ मजदूरों, छोटे दुकानदारों व व्यापारियों को भी बर्बाद कर देंगे। इस आंदोलन मेंसभी को एक होना होगा।

भिवानी के बाजारों में व्यापार मंडल लगवाएगा सीसीटीवी कैमरे

तीन कानून किसान ही नहीं व्यापारियों के भी विरोध में हैं : भानु प्रकाश

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला प्रधान भानु प्रकाश शर्मा ने कहा कि शहर में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं पर रोक लगाने के लिए शहर के विभिन्न बाजारों में व्यापार मंडल द्वारा सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे।

इनमें सांसद विधायक व विभिन्न सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाएगा भानु प्रकाश शर्मा आज रविवार को यहां पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहर में अपराधिक घटनाएं पिछले कुछ दिनों के दौरान बढ़ी है ऐसे में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने फैसला लिया है कि शहर के विभिन्न बाजारों में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं।

इन कैमरों का कंट्रोल रूम शहर में किसी पुलिस थाने या चौकी में बनाया जाए ताकि कोई अपराधिक वारदात घटती है तो उसको समझने में पुलिस प्रशासन को सफलता मिल सके। उन्होंने किसान आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार जो तीन कानून लेकर आई है वह किसान ही नहीं बल्कि व्यापारियों के भी विरोध में है, क्योंकि अगर व्याप्त बाजार में पैसा ही नहीं आएगा तो व्यापारी कैसे काम कर सकेगा।

गणतंत्र दिवस समारोह: फुल ड्रेस रिहर्सल में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

डीएसपी डा. रविंद्र के नेतृत्व में जोशिली परेड ने दी सलामी

एजेंसी। सोनीपत

72वें गणतंत्र दिवस समारोह की फूल ड्रैस रिहर्सल में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने पुलिस लाइन में देश की आन-बान-शान के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। उपायुक्त ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए गणतंत्र दिवस की अग्रिम बधाई दी।

रविवार को पुलिस लाइन में फुल ड्रैस रिहर्सल में विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उपायुक्त ने तिरंगा फहराने के उपरांत परेड का निरीक्षण किया।

परेड कमांडर डीएसपी डा. रविंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टुकड़ी के साथ विद्यार्थियों ने कदमताल की। मार्च पास्ट में सबसे आगे महिला पुलिस बल की टुकड़ी ने सलामी दी, जिसकी कमान पीएसआई अंजलि संभाल रही थी। इनके पीछे होमगार्ड के जवानों की टुकड़ी ने एसआई बलराज सिंह के नेतृत्व में मार्च पास्ट किया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के जज्बे के साथ प्रस्तुति देते हुए पुलिस लाइन परिसर को देशभक्ति के रंग से सराबोर कर दिया।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा, एएसपी निकिता खट्टर, एसडीएम विजय सिंह, नगराधीश जितेंद्र जोशी, जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी सुरेश सरोहा, जिला शिक्षा अधिकारी जोगेंद्र हुड्डा आदि अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

डीसी ने दिए सड़क किनारे से मिट्टी हटाने के निर्देश

भिवानी। उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य ने अमरूत योजना से संबंधित अधिकारियों, ठेकेदारों, लोक निर्माण विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों के साथ लोक निर्माण विश्राम गृह के सामने सरकुलर रोड़ और शहीद स्मारक का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को शहीद स्मारक के सामने से अतिक्रमण व सड़क किनारों से मिट्टी हटाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से शहर में अमरूत योजना के तहत पाइप लाइन डालने का कार्य चल रहा है। पाइप लाइन डालने के कार्य के चलते हांसी रोड पर सरकुलर रोड़ पर मिट्टी डली हुई है। उपायुक्त ने अमरूत योजना से संबंधित अधिकारियों, ठेकेदारों, लोक निर्माण विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों के साथ लोक निर्माण विश्राम गृह के सामने सरकुलर रोड का निरीक्षण किया।

संक्षिप्त समाचार

डीएसपी ने शांति वाक को झंडी दिखा किया रवाना

कुरुक्षेत्र। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र सेवा केंद्र पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला जेल के डीएसपी रेशम सिंह बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने शांति वाक को झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएसपी रेशम सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा जेल में जाकर युवाओं को अध्यात्मिक प्रवचनों और राजयोग के अभ्यास के द्वारा उनकी आत्मिक शक्ति को जागृत करती है। विश्व शांति धाम कुरुक्षेत्र की डायरेक्टर बीके सरोज दीदी ने बताया कि विश्व में शांति के लिए यूथ विंग की ओर से यूथ फार ग्लोबल पीस प्रोजेक्ट जो जनवरी मास से अगस्त मास तक चलेगा। सरोज दीदी ने जेल के उप अधीक्षक रेशम सिंह का धन्यवाद किया। इस अवसर पर राहुल, कनिष्क, दिलबाग सिंह, जगदीश चंद्र, गौरव, बीके राधा, सुदर्शन, नीरू, मधु, मीनाक्षी, विद्या, प्रियंका, पूजा व प्रीति मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कार्यक्रम आज

कुरुक्षेत्र। चुनाव तहसीलदार संदीप ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार 25 जनवरी को सुबह 11 बजे लघु सचिवालय के सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस को लेकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शरणदीप कौर बराड़ करेंगी। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला के सभी मतदान केन्द्रों पर भी राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह का आयोजन कर सभी को मतदाता दिवस की शपथ दिलवाई जाएगी।

आरती, साक्षी और प्रियंका ने प्रतियोगिताओं में मारी बाजी

कुरुक्षेत्र। श्रीगुरु नानक प्रीतम गर्ल्ज सीनियर सैंकेडरी स्कूल शाहाबाद की छात्रा आरती ने स्लोगन प्रतियोति में पहला स्थान प्राप्त किया है। हरियाणा शिक्षा विभाग की तरफ से लीगल लिटरेसी विषय पर ब्लॉक स्तरीय इस प्रतियोगिता में आरती ने पहला स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके अलावा साक्षी ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में दूसरा और प्रश्नोत्तरी में आरती, साक्षी व प्रियंका की टीम ने बाजी मारी है। यह टीम प्रश्नोत्तरी में दूसरे स्थान पर रही। स्कूल प्रबंधन समिति के प्रधान मनमोहन सिंह, उप प्रधान सुखविंदर सिंह, मैनेजर महिंदरजीत सिंह, सचिव कुलवंत सिंह, सीनियर मैंबर गुरदीप सिंह हेर सहित स्टाफ ने विजेता विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई दी है। स्कूल प्रिंसीपल दीपांश कौर ने बताया कि यह सभी विजेता छात्राएं अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। इस दौरान एक्टीविज इंचार्ज कविता लाठर व अमिता भी मौजूद रही।

अशोक चक्र विजेता की पत्नी को मिला हंसराज दहिया सम्मान

सोनीपत। अमर बलिदानी हंसराज दहिया यादगार समिति द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के उपलक्ष में अमर बलिदानी हंसराज दहिया सम्मान की शुरूआत की। रोटरी सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रथम अमर बलिदानी हंसराज दहिया सम्मान, बीना देवी अशोक चक्र विजेता शहीद हवलदार राजेश की पत्नी को प्रदान किया। संस्था की अध्यक्षा नसीब देवी व मुख्य संरक्षक हुकुम सिंह दहिया व संयोजक सतपाल सिंह अहलावत ने प्रदान किया। जिसमें 51 सौ रुपये, प्रशस्ति पत्र व शाल देकर सम्मान प्रकट किया। मुख्य संरक्षक हुकुम सिंह दहिया व संयोजक सतपाल सिंह अहलावत ने बताया कि यह सम्मान हर वर्ष 20 अगस्त को हरियाणा के वीर शहीद परिवारों को दिया जाएगा। 20 अगस्त 1964 को पाकिस्तान बॉर्डर पर पाकिस्तानी सैनिकों को ढेर करके अपनी चौकी की सुरक्षा की और खुद भी वीरगति को प्राप्त हो गए। इस अवसर पर शहीद यादगार समिति हरियाणा सोनीपत के अध्यक्ष कृष्ण वत्स, स्वतंत्रता सेनानी संगठन की अध्यक्षा शांता जैन, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक डॉ. सुमन मंजरी आईपीएस व डॉ. बीआर अम्बेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी राई की वाइस चांसलर प्रोफेसर डा. श्रीमती विनय कपूर मेहरा मौजूद रहे।

फुल ड्रेस में फाइनल रिहर्सल हुई

गुरजोत दुग्गल/कुरुक्षेत्र। उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने कहा कि जिलास्तरीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के राष्ट्रीय पर्व के एक-एक क्षण को यादगार बनाना है। इस कार्यक्रम की तैयारियों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए और समय रहते सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर तैयारियां पूरी करनी सुनिश्चित करेंगे। वे रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रांगण में जिलास्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की अंतिम फुल ड्रैस रिहर्सल के दौरान बोल रही थी। इससे पहले उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ ने शहीदी स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों का श्रृद्धाजंलि देने के बाद फाईनल रिहर्सल के दौरान ध्वजारोहण किया और परेड का निरीक्षण किया। परेड का निरीक्षण करने के उपरांत मार्च पास्ट में शामिल जवानों की सलामी ली। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा बहुत सुंदर और मनमोहक योगा और सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया। इसके साथ-साथ पुलिस, होमगार्ड और एनसीसी के जवानों ने भी शानदार मार्च पास्ट की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए जाए।

युवा कल्याण संगठन ने मनाया राष्ट्रीय बालिका दिवस

भिवानी। वर्ष 2009 से हर वर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। बालिका दिवस मनाने का उद्देश्य बालिकाओं को समान अधिकार, उनको सहयोग देना और सुविधाओं को मुहैया कराने के साथ लड़कों और लड़कियों में भेदभाव के प्रति लोगों को जागरुक करना भी है। ये बातें युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाते हुए कहीं। कमल सिंह ने कहा कि आज बालिकाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। चाहे वह राजनीति, खेल, विज्ञान आदि कुछ भी हो। ऐसे में समाज को बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरुक करना और उनकी शिक्षा के प्रति ध्यान देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाए जाने का उद्देश्य समाज में बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करना है। साथ ही उनके साथ होने वाले भेदभाव के प्रति भी लोगों को जागरुक करना है।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

धूल उठेगी तो आसमान पर छाएगी जरूर,
तेरी बारी आज नहीं तो कल आएगी जरूर,
तू कर्म के बीज आस्था की जमीन पर बो तो सही,
सफलता की फसल एक दिन लहलाएगी जरूर।

26 से 28 जनवरी तक दिल्ली आने-जाने से करें परहेज: डीसी

पूनिया ने सिविल सर्जन को बाइक एंबुलेंस की व्यवस्था करने को कहा

उपायुक्त ने ट्रैक्टर परेड के दृष्टिगत कानून एवं व्यवस्था को ली बैठक

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

किसानों की ट्रैक्टर परेड की घोषणा के दृष्टिगत उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने आम जनमानस का आह्वान किया कि वे 26 से 28 जनवरी तक दिल्ली आने-जाने से परहेज करें। यदि कोई बहुत आवश्यक कार्य हो तो वैकल्पिक मार्गों को अपनायें। इसके लिए पुलिस-प्रशासन की एडवाइजरी की अनुपालना करें।

गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी को किसानों ने दिल्ली में ट्रैक्टर परेड निकालने की घोषणा की है, जिसमें सोनीपत की ओर से भी किसान शामिल होंगे। इसके दृष्टिगत जिला में शांति तथा कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से उपायुक्त पूनिया ने अपने कैंप कार्यालय में रविवार को अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन हर संभव स्थिति के लिए तैयार रहे और अपनी पुख्ता तैयारी रखें।

कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेते डीसी श्याम लाल पूनिया।

उपायुक्त पूनिया ने सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि वे विशेष रूप से बाइक एंबुलेंस की व्यवस्था करें। वाहनों की बड़ी संख्या के चलते जाम की स्थिति बन सकती है। ऐसे में यदि जाम से गुजरकर किसी को चिकित्सा सुविधा देने की जरूरत हुई तो बाइक एंबुलेंस कारगर रहेगी। उन्होंने कार एंबुलेंस की संख्या में भी वृद्धि करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नहरों के प्रमुख स्थानों की सुरक्षा को बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने हाईवे पर निजी व राजकीय चिकित्सा सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कि अस्थाई तौर पर चिकित्सा सुविधाएं स्थापित करें। इसमें निजी चिकित्सा संस्थानों का भी पूर्ण सहयोग लें।

राई-कुंडली क्षेत्र में कंट्रोल रूम स्थापित करें

उपायुक्त ने डायवर्जन प्लान को लेकर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर परेड के दौरान आम लोगों की सुविधा के लिए बेहतरीन डायवर्जन प्लान तैयार करें। इसकी एडवाईजरी भी जारी करें, ताकि लोगों को पहले से स्थिति की पूर्ण जानकारी मिल सके। उन्होंने राई-कुंडली क्षेत्र में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों का निर्देश दिए कि ट्रैक्टर परेड की घोषणा के दृष्टिगत वे अपने ड्यूटी क्षेत्र में ही मौजूद रहेंगे। उन्होंने अग्निशमन यंत्रों व गाडियों की भी समीक्षा करते हुए वृद्धि के निर्देश दिए। हैलिपेड चिन्हित करने के साथ उन्होंने हरियाणा रोडवेज की बसें आरक्षित रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने धरनास्थल पर पेयजल व सफाई सुविधा को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। किसानों की नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच सुविधा को भी जारी रखने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी बिल्डिंगों के चौकीदार इस दौरान ड्यूटी पर मुस्तैद रहेंगे।

बिग मैजिक लेकर आया एक और पारिवारिक मनोरंजन वाला शो-'ये कहां आ गये हम'

प्राइमटाइम शो में करन कुंद्रा और सानवी तलवार निभा रहे मुख्य भूमिका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद।

बिग मैजिक ने अपनी पौराणिक पेशकश 'कहत हनुमान जय श्री राम' के साथ साल 2020 को अच्छी विदाई दी। अब यह चैनल नये साल में अपने दर्शकों की जिंदगी में भरपूर मनोरंजन लाने के लिये एक बार फिर तैयार है।

जनवरी को अपने दर्शकों के लिये मजेदार महीना बनाते हुए बिग मैजिक एक बिल्कुल नया फैमिली ड्रामा 'ये कहां आ गये हम' लॉन्च करने जा रहा है। इस शो में करन कुंद्रा और सानवी तलवार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

इस प्राइम-टाइम शो का प्रसारण 25 जनवरी से सोमवार से रविवार रात 9 से 10 बजे के स्लॉट में किया जाएगा। इसकी कहानी दो मुख्य किरदार- करन कुंद्रा द्वारा अभिनीत राहुल सभरवाल और सानवी तलवार द्वारा अभिनित मानवी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक-दूसरे से पूरी तरह अलग हैं, लेकिन उनकी एक बात समान है संगीत के प्रति उनका प्रेम। राहुल अपने संगीत से मिली शोहरत के चलते सभी के दिलों पर राज करता है, जबकि मानवी एक आकांक्षी गायिका है और मूल्यों को तरजीह देने वाले एक बहुत विनम्र मध्यम-वर्गीय परिवार से आती है। इस शो में इन दो विपरीत किरदारों की यात्रा दिखाई गई है, जो एक-दूसरे से बिलकुल अलग हैं, लेकिन भाग्य ने उन्हें जोड़ दिया है। सबके दिलों की धड़कन और स्टाइल आइकॉन करन कुंद्रा अपनी स्टाइल स्टेटमेंट और एक्टिंग स्किल्स से निश्चित तौर पर युवा दर्शकों को प्रभावित करेंगे।

धुंध और बर्फीली हवाओं ने गरीबों का किया जीना हराम

रविवार की सुबह ठंडी हवाओं ने आमजन को ठिठुराया

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

पिछले कई दिनों से धूप निकलने से धर्मनगरी वासियों को ठंड से राहत मिली थी और मौसम के साफ होने की उम्मीद बढ़ गई थी। चिंतित किसान भी फसलों के बेहतर होने के प्रति आशान्वित हो गए थे, लेकिन रविवार को घना कोहरा और गलन भरी हवा से फिर ठिठुरन बढ़ गई। रविवार को दिनभर बदली व धुंध छाई रही। बदली के साथ चली बर्फीली हवाओं के चलते रूह कंपाने वाली सर्दी से लोग बेहाल रहे। मौसम विभाग के मुताबिक न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस है। जबकि अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 8 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चलीं। आगामी चौबीस घंटे में आसमान साफ रहने व हवा के सामान्य गति से चलने की संभावना जताई गई है। मौसम के हर दिन बदल रहे मिजाज से आम जन परेशान हैं। तापमान में बढ़ोतरी के बावजूद सर्दी का प्रकोप बरकरार है। रविवार की सुबह ठंडी हवाओं ने आमजन को ठिठुराया। सर्द हवा के झोंकों ने लोगों को घरों में दुबकने के लिए मजबूर कर दिया।

आसमान में छाई धुंध व अपने गंतव्य की ओर जाते वाहन चालक।

घने कोहरे के चलते सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। वहीं सर्दी और बर्फीली हवाओं से जनजीवन बेहाल रहा। बीते एक सप्ताह में कोहरे का प्रकोप कम होने के बाद रविवार को वापस घनी धुंध ने दस्तक दी। दिन चढने के साथ ही कोहरा हावी होने लगा। इससे सड़क पर वाहन रेंगते नजर आए और हेडलाइट जलाकर लोग सफर करते नजर आए। अलसुबह घने कोहरे के कारण आमजन रजाई में दुबके रहे। यहां तक कि मार्निंग वॉक पर भी लोगों ने निकलने से गुरेज किया।
सर्द हवा के चलते लोग जरूरी कार्य के बावजूद भी घरों से निकलने में कतरा रहे हैं। नतीजा रहा कि गांव की गलियों व खलिहानों के साथ आम रास्तों पर पूरी तरह सन्नाटा पसरा दिखाई पड़ रहा है। हर कोई बस आग की तलाश में जुटा है। घरों में दुबके लोग भी गलन से बेहाल है। गलन भरी ठंड से बेहाल लोग सार्वजनिक स्थानों पर अलाव नहीं जलने के कारण भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।

गणतंत्र दिवस समारोहों में नहीं जुटे भीड़ : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने जिला उपायुक्तों को जारी की एसओपी

समारोह स्थलों की आज सेनिटाइजेशन कराने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में मंगलवार को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोहों के दौरान कहीं पर भी पहले की तरह भीड़ नहीं जुटाई जाएगी। समारोह के आयोजन का स्वरूप भी छोटा कर दिया है।

केंद्र सरकार के निर्देशों पर हरियाणा के मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों, मंडल आयुक्तों तथा उपमंडल अधिकारियों को स्टेंडर्ड आप्रेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी कर दिया है। प्रदेश में होने वाले आयोजनों में इस गाइडलाइन का ख्याल रखा जाएगा।

मुख्य सचिव द्वारा जारी पत्र में साफ किया गया है कि गणतंत्र दिवस समारोह के किसी भी आयोजन में भीड़ नहीं जुटाई जाएगी। आयोजन में भाग लेने वाले व्यक्ति सामाजिक दूरी का विशेष ख्याल रखेंगे। कार्यक्रमों का आयोजन इस तरीके से किया जाए कि आम जनता कम से कम शामिल हो। सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते हुए जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाए ताकि लोग घर बैठकर ही कार्यक्रम देख सकें। जो लोग कार्यक्रमों में भाग लेने में सक्षम नहीं हैं उनके लिए वेब कास्ट का प्रबंध किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने सभी समारोह स्थलों को सोमवार को सेनिटाइज करने तथा मास्क का उचित प्रबंध करने का निर्देश देते हुए कहा कि इन आयोजनों में पुलिस विभाग के कर्मचारियों की भूमिका अहम होती है लेकिन स्थिति के मद्देनजर होमगार्ड जवान तथा एनसीसी कैडिट को भी परेड में शामिल किया जा सकता है।

कालोनीवासियों की समस्याओं का शीघ्र होगा समाधान : साहिल

लक्ष्मण कॉलोनीवासियों की समस्या सुनते भाजपा नेता साहिल सुधा

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर

थर्ड गेट पर दुकानदारों की समस्या एवं कल्याण नगर वासियों की समस्या सुनने के बाद भाजपा नेता साहिल सुधा ने रविवार को वार्ड नम्बर 28 लक्ष्मण कॉलोनी में जाकर लक्ष्मण कॉलोनी वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों से मुलाकात की है। सबसे पहले कॉलोनी वासियों ने लक्ष्मण कॉलोनी में बनी हुई गलियों के लिए साहिल सुधा का धन्यवाद किया। इसके उपरांत साहिल सुधा ने लक्ष्मण कॉलोनी वासियों की समस्याओं के बारे में चर्चा कर विस्तार पूर्वक जानकारी हासिल की।

इस दौरान कालोनी वासियों ने लक्ष्मण कॉलोनी के बीचो बीच गुजर रहे नाले व टूटे हुए सीवरेज ढक्कन को ठीक करने बारे जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन मामले को अधिकारियों के संज्ञान में लाकर जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। इस मौके पर अमन भार्गव, लवकेश मेहता, नगर पार्षद पंकज शर्मा, सुनील शर्मा, सुनील राजपाल, पवन शर्मा, प्रवीण शर्मा, सुभाष कालड़ा, जोगिंदर सिंह, वर्षा रानी, तनु, श्रीचंद्र पंचाल, देवेंद्र शर्मा, हरभजन खालसा, राम कुमार आदि मौजूद थे।

कैथल की अक्षरा गौर ने बनाया देश के टॉप 25 प्रतिभागियों में स्थान

कैथल। हम फाउंडेशन इंडिया की तरफ से आयोजित प्रतियोगिता विवेकानंद को जानो की ई प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में कैथल की अक्षरा गौर ने देश की 25 टॉप प्रतिभागियों में अपना स्थान हासिल किया है।

यह होनहार छात्रा यहां के सिल्वर ऑक स्कूल की कक्षा छठी की छात्रा है। ये जानकारी देते हुए इस छात्रा ने बताया कि समूचे देश से 20 हजार बच्चों ने इस प्रतियोगिता में ऑन लाईन हिस्सा लिया था। जिसमें पहले दौर में अक्षरा ने टॉप 25 में अपना स्थान हासिल किया है। वहीं इस प्रतियोगिता का दूसरा राऊंड 31 जनवरी को आयोजित होगा। जिसमें अक्षरा ने कहा कि में दूसरे राऊंड में टॉप 5 में आने का अथक प्रयास करूंगी। इस होनहार छात्रा के पिता एक चिकित्सक हैं जोकि अपनी मृदल छवि के चलते काफी प्रसिद्व हैं और समाज सेवा के कार्यों में भी हर समय तत्पर रहते हैं।

दर्जनों ट्रैक्टर लेकर किसान परेड कराने को दिल्ली हुए रवाना

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

कृषि कानूनों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चे द्वारा की गई 26 जनवरी की ट्रैक्टर परेड में शामिल होने की कॉल को लेकर किसानों का दिल्ली कूच जारी है। रविवार को रादौर से भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व के दर्जनों ट्रैक्टरों के काफिले के साथ किसान दिल्ली के लिए रवाना हुए। ।

रादौर से दिल्ली के लिए रवाना होते किसान।

रादौर के जेएमआईटी कालेज के पास त्रिवेणी चौक पर इकठ्ठा हुए किसानो ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसानों की इस ट्रैक्टर रैली में बुजुर्ग किसानों के साथ युवा किसानों की भी काफी संख्या शामिल थी। इस मौके पर किसानों ने साफ कर दिया की जब तक सरकार इन कानूनों को वापस नहीं लेती,तब तक किसानों की घर वापसी नहीं होगी।

ट्रैक्टर रैली की अगुवाई कर रहे भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सुभाष गुर्जर ने कहा की वे कृषि कानूनों के विरोध में 26 जनवरी को होने वाली परेड में शामिल होने के लिए दिल्ली कूच कर रहे है। उन्होंने कहा की इस परेड कार्यक्रम के बाद संयुक्त किसान मोर्चे द्वारा जो भी फैसला लिया जाएगा वो उसकी पालना करेंगे। वहीं बुजुर्ग किसान नेता जयपाल चमरोड़ी ने बताया की आज तक ऐसी हठधर्मी सरकार नहीं बनी, जोकि कानून जबरन किसानो पर थोप रही है।

कोरोना से संक्रमित 10 नए मामले आए सामने

कुरुक्षेत्र। जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र से 11 मरीजों को एक ही दिन में ठीक होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके साथ-साथ कुरुक्षेत्र में कोरोना से संक्रमित 10 नए केस सामने आए है। इतना ही नहीं कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक 8607 मरीज ठीक होकर घर लौट गए है।

अहम पहलू यह है कि अभी तक लिए गए 195926 में से 186624 सैम्पलों की रिपोर्ट नेगटिव आ चुकी है। जिले में अब तक 8813 पॉजिटिव केस सामने आ चुके है। इनमें से 8607 मरीज ठीक होकर घर जा चुके है और 133 कोरोना पाजिटिव मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार कुरुक्षेत्र में कोरोना वायरस के 73 एक्टिव केस हैं।

चाकू की नोंक पर साथी संग मिल कर एक युवती ने छीना मोबाइल

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

छोटाबांस में एक युवती अपने एक अन्य साथी के साथ चाकू की नोंक पर एक बुजुर्ग दुकानदार से मोबाइल छीनकर फरार हो गई।

रादौर पुलिस ने पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर अज्ञात के विरूद्ध मामला दर्ज किया है। प्रभावित दुकानदार सुरेश कुमार ने रादौर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शहर के छोटाबांस में परचून की दुकान चलाता है। देर शाम को उसकी दुकान पर एक युवती रोती हुई आई, जिसके साथ एक व्यक्ति भी था।

युवती ने उसको कहा कि उसे अपने घर फोन करना है, जिसके बाद उसने युवती को घर पर बात करने के लिए अपना फोन दे दिया।

रादौर पुलिस को दी गई शिकायत दिखाता प्रभावित दुकानदार सुरेश कुमार।

जैसे ही वह युवती फोन पर बात करने लगी, वैसे ही उसके साथ आये व्यक्ति ने उसके सीने पर चाकू रख दिया। उसे आवाज करने पर जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद वे दोनों बाइक से फरार हो गए। प्रभावित दुकानदार की शिकायत पर रादौर पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध मामला दर्ज किया है।

श्रीराम कम्युनिटी सेंटर का लोकार्पण

सोनीपत। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि शहर में सामुदायिक भवनों के निर्माण से आमजन को पारिवारिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के लिए व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने न्यू जीवन नगर वासियों को नवनिर्मित सामुदायिक भवन की शुभकामनाएं दी। रविवार को वार्ड 13 के न्यू जीवन नगर में 70 लाख रुपये की लागत से बने श्रीराम सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि पूर्व शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कविता जैन द्वारा शहर में बनवाए गए सामुदायिक भवनों से नागरिकों को बड़ा लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को अपने आसपास ऐसा स्थान उपलब्ध करवाते हुए उन्हें खुशी हो रही है।

स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को किया गया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

आईएनए और नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 18 अगस्त 1945 को हुई तथाकथित मृत्यु के बाद की घटनाओं के साक्ष्य दस्तावेजों सहित जन चेतना मंच के कार्यक्रम में प्रस्तुत किये।

नेताजी के जीवन से जुड़े रहस्यमयी पहलुओं को व्याख्यान के माध्यम से प्रस्तुत करने के उपरांत सायंकालीन सैशन में नेताजी के सहयोगी सैनिक रहे स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय अमरनाथ शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सीता देवी सहित तीन विभूतियों का सम्मान किया गया। सेक्टर-7 नेताजी कालोनी में जन चेतना मंच कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नेताजी के जीवन पर एक सेमिनार के दौरान प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष प्रदीप कुमार आर्य ने 18 अगस्त 1945 को तथाकथित मृत्यु के बाद की घटनाओं का साक्ष्यों सहित उल्लेख किया। इस मौके पर बीआर इंटरनेशनल एजुकेशन सोसायटी के निदेशक दीपक चौपड़ा, पार्षद मोहन लाल अरोड़ा,मनीषा रानी, मीना जैन,सत्या गुप्ता, धर्मवीर राठौर,परमवीर चौहान, फायर एंड सेफ्टी इंस्चीट्यूट कुरुक्षेत्र के निदेशक राजेंद्र सैनी, विनय कुमार आर्य, रोशन लाल सैनी, विजयंत बिंदल, सन्त कुमार आदि मौजूद रहे।

निधि समर्पण अभियान के तहत जिला में 3600 कार्यकर्ता प्रत्येक घर करेंगे संपर्क

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर

निधि समर्पण अभियान विश्व का सबसे बड़ा सम्पर्क अभियान है। इस अभियान के अंतर्गत कुरुक्षेत्र जिले के गांवों 410 एवं 65 बस्तियों में 900 टोलियों में 3600 कार्यकर्ता प्रत्येक घर मे संपर्क करेंगे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रान्त अभियान प्रमुख राकेश त्यागी ने बताया कि श्रीराम इस देश का इतिहास ही नहीं बल्कि एक संस्कृति और मर्यादा का प्रतीक हैं, एक जीता जागता आदर्श हैं। इस राष्ट्र की हजारों वर्षों की सनातन परम्परा के मूलपुरुष हैं। भगवान वाल्मीकि जी ने रामायण की रचना करके मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन चरित्र को जन-जन तक पहुंचाया। इसलिए भगवान वाल्मीकि के बिना राम अधूरे हैं। उन्होंने बताया कि निधि समर्पण अभियान विश्व का सबसे बड़ा सम्पर्क अभियान है। अखिल भारतीय स्तर पर निधि समर्पण अभियान का शुभारंभ 15 जनवरी को महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने व्यक्तिगत योगदान देकर एवम सर संघचालक डॉ मोहन भागवत ने दिल्ली में मंदिर मार्ग स्थित वाल्मीकि मंदिर में महामंडलेश्वर संत कृष्ण शाह विद्यार्थी जी महाराज से निधि समर्पण हेतु संपर्क करके किया। हरियाणा प्रान्त में यह अभियान 1 फरवरी से 27 फरवरी तक चलेगा। पूज्य संतो-महतों के सानिध्य में धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के श्रीराम में आस्था रखने वाले सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर जन-जन से संपर्क करेंगे।

पत्रकारों से बातचीत करते प्रान्त अभियान प्रमुख राकेश त्यागी।

भारत मां की गोदी में, मैं सो जाता तो अच्छा था : डा. प्रद्युम्न भल्ला

सुभाष चंद्र बोस की 124 वीं जयंती पर एक ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का किया गया आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

सामाजिक विकास को समर्पित अंकित धारीवाल मेमोरियल ट्रस्ट अध्यक्षा एवं संस्थापक सुनीता धारीवाल के मार्गदर्शन में हमारी कलम साहित्यिक मंच द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 124 वीं जयंती पर एक आनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्थानों से कवियों ने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाई।

गोष्ठी का संचालन डॉ प्रद्युम्न भल्ला ने किया। गोष्ठी का आगाज पटियाला से पधारे हरिदत्त हबीब की गजल से हुआ जिन्होंने कहा, नशे में देखकर बेटे को एक दिन बाप ये बोला, खुदा मेरे मुझे इसकी जगह बेटी ही दी होती। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए चीका से युवा गजल कार व सशक्त हस्ताक्षर चेतन चौहान ने अपनी बानगी कुछ इस तरह पेश की, भूल जाएंगे तुझे तू काम पड़ने दे कोई, वो जिनसे आजकल तेरी बड़ी पहचान है। इसी कड़ी में कैथल से अध्यापिका एवं कवियत्री सुश्री नीरू मेहता ने जवानों को याद करते हुए अपनी भावनाएं कुछ इस तरह प्रस्तुत की, पूस की सर्द रात है, जाड़े से कंपकंपा रहा यह गात है, बिछाया है कंबल, ओढी है रजाई, अचानक याद उस जवान की आई। इसी कड़ी में संचालन करते हुए डॉ प्रद्युम्न भल्ला ने भी सरहदों पर डटे सैनिकों और देश के लिए शहीद हुए जवानों को कुछ इस रूप में याद किया, मेरा जीवन वतन के नाम हो जाता तो अच्छा था, फर्ज का सही अंजाम हो जाता तो अच्छा था, शहीदों का लहू मुझसे यही दिन रात कहता है, भारत मां की गोदी में मैं सो जाता तो अच्छा था। इसी कड़ी में जींद से जुड़ी मंजू मानव ने अपने भाव कुछ इस तरह प्रकट किए, यूं ही कोई नहीं शहीद हुआ, जीना सीखे थे वो वतन के लिए, पाठ सच का हमें पढ़ाते थे जो, जेल वही गए गबन के लिए। इसी गोष्ठी में वरिष्ठ कवि डॉ हरीश झंडई ने अपनी भावनाएं कुछ इस प्रकार व्यक्त कीं, जननी है भारत मातृभूमि हमारी, करती है सब से प्यार, ना देखती है मजहब न खून न्यारा।

गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए हरियाणवी भाषा में अपने भाव प्रकट करते हुए कैथल से युवा कवि सतबीर जागलान ने अपनी रचनाओं में जहां सिलसिलेवार सुभाष चंद्र बोस की जीवनी प्रस्तुत की, वहीं हरियाणवी परिवेश को भी खूब सुंदरता से प्रस्तुत किया। उनकी बानगी थी, अंग्रेजों मैं जिसने आजादी लयी थी खोस, जय हिंद का नारा देंगे, सुभाष चंद्र बोस।

काव्यगोष्ठी में भाग लेते हुए कवि

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर परेड की इजाजत के बाद ट्रैक्टरों का जत्था दिल्ली रवाना

भिवानी। अबकी बार गणतंत्र दिवस किसानों के आंदोलन के चलते अनूठा होने जा रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने भी किसानों को 26 जनवरी के मौके पर ट्रैक्टर परेड निकालने की इजाजत दे दी हैं। इस बात का जोश हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा हैं। भिवानी जिला के गांव नांगल से दो दर्जन के लगभग ट्रैक्टरों का जत्था 26 जनवरी को होने वाली ट्रैक्टर परेड के लिए रवाना हुआ। गांव नांगल से रवाना हुए ट्रैक्टर जत्थे में बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रही, जो खुद ट्रैक्टर चलाती हुई नजर आई। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर आयोजित इस ट्रैक्टर परेड़ में गांव नांगल के ग्रामीणों का खासा उत्साह नजर आया।

हरियाणा शारीरिक शिक्षकों ने धरने पर की जोरदार नारेबाजी

भिवानी। लघु सचिवालय के बाहर बैठे शारीरिक शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए हरियाणा शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के जिला प्रधान दिलबाग जांगड़ा ने कहा कि आज नौकरी जाने के कारण बहुत से शारीरिक शिक्षक मानसिक परेशानियों से गुजर रहे हैं। उनके आश्रितों के सामने भी अनेक समस्याएं आने लगी हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई पर भी विपरित असर पड़ने लगा है। उन्होंने कहा कि उनके सामने अब भूखमरी की कगार भी पैदा होने लगी है। वे अपने बच्चों का भरण पौषण कैसे करे, सबसे बड़ी विकट समस्या है। उन्होंने कहा कि इस दौरान कुछ कर्मचारी मानसिक परेशानी के चलते स्वर्ग सिधार गए हैं। उनके आश्रितों के सामने भी अब अनेक समस्याएं आने लगी हैं। धरने पर उपस्थित सभी शारीरिक शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर रोष प्रकट किया।

ग्रामीण युवा क्रीड़ा क्लब ने निकाली जागरूकता रैली

रादौर। नेहरू युवा केन्द्र बापौली के तत्वावधान में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर ग्रामीण युवा क्रीड़ा क्लब बापौली की ओर से रविवार को गांव में सफाई, जल सरंक्षण व पौधारोपण अभियान के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली गांव के अम्बेडकर भवन से शुरू होकर गांव की गलियों से होकर गुजरी। इस रैली की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष जतिन कुमार ने की। रैली को जिला अधिकारी पिरतेस कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भगवान वाल्मीकि वेलफेयर सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित राजेन्द्र भरद्वाज ने जल संरक्षण, पौधरोपण, व स्वच्छता के बारे में ग्रामीणों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर क्लब द्वारा पौधरोपण करके कार्यक्रम का समापन किया गया। मौके पर सुखबिंदर, ईशम, बलवान, रणसिंह, दीपक, सतीश, मुस्कान आदि मौजूद थे।

राम मंदिर निर्माण समर्पण निधि अभियान की हुई बैठक

रादौर। रविवार को श्रीराम मंदिर निर्माण समर्पण निधि अभियान की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता खंड संयोजक अखिल कम्बोज ने की। बैठक मे बकाना मंडल व ठसका मंडल की कार्यकारिणी बनाने बारे विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर खंड संयोजक अखिल काम्बोज ने कहा की यह अभियान एक फरवरी से 27 फरवरी तक चलाया जाएगा। श्री राम मंदिर निर्माण मे हर हिंदू की ज्यादा से ज्यादा सहभागिता हो इसी उद्देश्य से यह अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा की मंदिर निर्माण सामग्री हेतु प्रत्येक वार्ड के प्रत्येक घर जा जाकर धन संग्रह का अभियान चलाया जाएगा। ताकि प्रत्येक नागरिक का भी अंश मंदिर में लग सके। इस अवसर पर जोनी प्रजापत,रमन सैनी कांजनु, अमन बकाना, जसपाल सैनी, अमरदीप पोटली, सतीश , संदीप, नवीन, सुशील, अंग्रेज, शिवदास आदि उपस्थित रहे।

राजेंद्र टंडन दोबारा बने प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रधान

कुरुक्षेत्र। राजकीय प्राथमिक पाठशाला रतगल में राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ कुरूक्षेत्र की जिला कार्यकारिणी कुरूक्षेत्र का गठन किया गया। इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी की ओर से पर्यवेक्षक के रूप में अमित छाबड़ा व अनिल भाटिया उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला पानीपत जिला प्रधान रवीन्द्र, सोनू, वरिष्ठ साथी सुरेन्द्र राठी, प्रेम, जिला करनाल प्रधान जगदीश उपस्थित रहे। जिला कार्यकारिणी का गठन के लिए पर्यवेक्षक अमित छाबड़ा ने तीन पदों के लिए नाम मांगे। जिसके लिए सर्व सम्मति से जिला प्रधान के लिए पुन: राजेंद्र टंडन व महासचिव के लिए संदीप चौहान एवं कोषाध्यक्ष के लिए सतीश भारद्वाज को सर्व सम्मति से चुन लिया गया। पर्यवेक्षकों ने अन्य पदों के चयन के लिए जिला प्रधान को अधिकार दिया गया। चुनाव कार्यक्रम में सुखदेव गजलाना, मोनिका भारद्वाज, नीलम शर्मा, निर्मला, अमिता, अमनदीप, हुस्न पाल, जिले सिंह, दिलीप, विकास, रूपेश, मुनीष कुमार, मनोज कुमार, विक्रम जीत, अमरजीत पांचाल, सूबे सिंह सुजान, बलवान सिंह, अनिल चौहान, सुधीर ढांढा, सोहनलाल, रामेश्वर लाल, रूपेश, राकेश सैनी, जतिन, परमजीत सिंह, राजेंद्र जांगड़ा, मोनिका भारद्वाज,करनैल, जोगिंदर मैहला, रामकुमार, देवदत्त, नरेश फुले,जिले सिंह, पवन धीमान, कृष्ण चौहान धर्मवीर, राजेश राज, अमर सिंह आदि के साथ साथ विभिन्न खंडों से आये सैंकड़ों अध्यापक, अध्यापिकाएं मौजूद रहे।

कुवि ने बढ़ाई यूजी व पीजी के परीक्षा फार्म भरने की तिथि

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा ने यूजी एवं पीजी के परीक्षा फार्म भरने की आवदेन तिथि बढ़ाकर 15 फरवरी कर दी है। लोकसम्पर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. दीपक राय बब्बर ने बताया कि अप्रैल-मई 2021 में होने वाले यूजी एवं पीजी के रीअपीयर, एडिशनल एवं अंक वृद्धि के लिए आवदेक परीक्षा फार्म 15 फरवरी तक लेट फीस के साथ आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बंगाल की 30 फीसद आबादी के हितों के प्रति संवेदनशील हैं दीदी : विजयवर्गीय

एजेंसी। कोलकाता

भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में जय श्रीराम का नारा लगने के बाद भाषण देने से इनकार कर दिया क्योंकि वह जनता के एक हिस्से का तुष्टिकरण करना चाहती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विजयवर्गीय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य की नौ करोड़ जनता में से महज 30 फीसदी लोगों की जरुरतों और हितों के प्रति संवेदनशील हैं।

उन्होंने जलपाईगुड़ी में पत्रकारों से कहा, जय श्रीराम, लोगों के साथ दुआ-सलाम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने पर और नेताजी अनुसंधान ब्यूरो से उनके प्रस्थान करने के दौरान यह नारा लगाया गया। ममता दीदी ने अपमानित क्यों महसूस किया? जय श्रीराम या भारत माता की जय सुनकर वह क्यों नाखुश हो गईं? बनर्जी का यह कदम राज्य के 30 प्रतिशत मतदाताओं की तुष्टिकरण के लिए होने की बात पर जोर देते हुए भाजपा के पश्चिम बंगाल प्रभारी विजयवर्गीय ने कहा, शेष 70 प्रतिशत आबादी के लिए हमेशा अनदेखी की जाती रही है। राज्य की 30 प्रतिशत आबादी अल्पसंख्यक, विशेष रूप से मुसलमान है। भाजपा नेता ने कहा, अगले चुनाव में बंगाल की जनता उन्हें उचित जवाब देगी।

लोगों के साथ दुआ-सलाम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जय श्रीराम

विहिप ने जय श्रीराम के उद्घोष के विरोध के लिए बनर्जी की आलोचना की

कोलकाता। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के यहां मुख्य पराक्रम दिवस समारोह में जय श्रीराम के उद्घोष के बाद भाषण नहीं देने के लिए रविवार को तीखी आलोचना की और कहा कि यह उनकी हिंदू विरोधी मानसिकता और किसी विशेष समुदाय को खुश करने के प्रयास को दर्शाता है। बनर्जी शनिवार को विक्टोरिया मेमोरियल में नेताजी के जयंती समारोह में संबोधन देने के लिए आमंत्रित किए जाने पर अपने कथित अपमान पर नाराज नजर आ रही थीं। बनर्जी ने कहा कि वह एक सरकारी कार्यक्रम था, कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने कहा, ममता बनर्जी ने शनिवार को जो किया वह उनकी हिंदू-विरोधी मानसिकता और तुष्टिकरण की राजनीति के प्रति उनके प्रयासों को दर्शाता है। भगवान राम देश की आत्मा हैं। जय श्रीराम के उद्घोष से उन्हें गुस्सा क्यों आता है? हम समझने में असफल हैं। भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने जब नारा लगाना जारी रखा तो मुख्यमंत्री ने अपने स्थान पर लौटने से पहले कहा, मैं कोलकाता में इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को धन्यवाद देती हूं। यह एक सरकारी कार्यक्रम है, कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं। एक गरिमा होनी चाहिए। लोगों को आमंत्रित करके अपमान करना किसी के लिए शोभा नहीं देता। मैं नहीं बोलूंगी। जय बंगला, जय हिंद।

तृणमूल कांग्रेस नेता ने ममता के साथ हुए व्यवहार पर मोदी के रवैये पर जताया खेद

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ हुए निंदनीय व्यवहार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कथित चुप्पी पर अफसोस जताया है। बता दें कि कार्यक्रम में ममता बनर्जी के भाषण से पहले दर्शकों में शामिल कुछ लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए थे। राज्य सरकार में मंत्री ब्रत्य बसु ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह घटना ऐसे लोगों की महिलाओं के प्रति द्वेषपूर्ण मानसिकता को प्रतिबिंबित करती है।

उन्होंने दावा किया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो उस कार्यक्रम में मौजूद थे, उन्होंने दर्शकों के एक धड़े के व्यवहार की निंदा में एक शब्द तक नहीं कहा। यह दिखाता है कि भाजपा में नेताजी के प्रति कोई सम्मान नहीं है और न ही इसका ज्ञान है कि वह किसके लिए खड़े हुए थे। उल्लेखनीय है कि शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मोदी की उपस्थिति में जय श्रीराम के नारे लगने के बाद ममता बनर्जी ने कार्यक्रम को संबोधित करने से इनकार कर दिया था। तृणमूल विधायक ने दावा किया कि छिपी हुई फासिस्ट ताकत पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर उनके हाथ में सत्ता गई तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी। बसु ने कहा, कृपया बंगाल का नियंत्रण इस ताकत के हाथों में नहीं जाने दें। यह हमारी अभिव्यक्ति की आजादी को छीन लेगी। विभिन्न विचारधाराओं के लोग बंगाल में अपने विचार व्यक्त करने के लिए स्वतंत्रत हैं, जो खत्म हो सकता है। इस संवाददाता सम्मेलन में मशहूर बंगाली अभिनेत्री कौशानी मुखोपाध्याय और ईस्टर्न इंडिया मोशन पिक्चर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष पिया सेनगुप्ता सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हुईं। बसु ने कहा, कुरूप ताकतें देश के सभी कलाकारों की आवाज दबाने के लिए निकल चुकी है। निर्देशक अनुराग कश्यप और अभिनेता नसीरुद्दीन शाह को पहले ही इसका अनुभव हो चुका है।

तृणमूल-भाजपा अहम की लड़ाई लड़ रहे हैं

कांग्रेस-वाम बंगाल की पहचान के लिए : जितिन प्रसाद

आसिम कमाल। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के लिए कांग्रेस के प्रभारी जितिन प्रसाद ने आरोप लगाया है कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा अहम की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस-वाम गठबंधन लोगों को विकल्प देने के लिए है, जो रोजी-रोटी के मुद्दे को लेकर प्रतिबद्ध है और बंगाल की पहचान के लिए लड़ रहा है। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस यथा शीघ्र वाम दलों के साथ सीटों का समझौता करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए गठित समिति चर्चा के दौरान सीटों की विशेषता पर ध्यान केंद्रित करेगी जिनपर पार्टी लड़ेगी।

प्रसाद ने एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि पार्टी की राज्य इकाई और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मिलकर काम कर रही हैं और दिल्ली में कोई बैठ कर निर्देश नहीं दे रहा, पार्टी के हित में जो भी होगा उसे सभी हिताधारकों को भरोसे में लेकर किया जाएगा। एआईसीसी में पश्चिम बंगाल के प्रभारी ने कहा कि राज्य से पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से बड़े पैमाने पर प्रचार कराने की मांग है और दावा किया कि सही समय आने पर शीर्ष नेतृत्व प्रचार करेगा। वाम दलों से सीट बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर प्रसाद ने कहा, सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया और वार्ता जारी है और हम इसे यथा शीघ्र करना चाहते हैं, हमे समय से पहले अपने उम्मीदवारों को तय कर लेना चाहिए ताकि हम उन सीटों पर ध्यान केंद्रित कर सकें जहां पार्टी लड़ेगी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने को इच्छुक हैं, ताकि हम ठोस संयुक्त कार्यक्रम बना सके जिससे आसानी से मतों का हस्तांतरण हो सके।

सीट बंटवारे को लेकर हो रही वार्ता के समाप्त होने की समय सीमा पर किए गए सवाल के जवाब में प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति काम कर रही है, जिसमें विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता अब्दुल रहमान, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य और नेपाल महतो शामिल हैं। प्रसाद ने कहा, यह समिति विशेषज्ञता और जानकारी से परिपूर्ण है और वह फैसला (सीट बंटवारे का) न केवल संख्या के संदर्भ में बल्कि सीटों की गुणवत्ता के आधार पर लेगी जिन पर पार्टी लड़ेगी। राज्य में सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और भाजपा पर लोगों के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित नहीं करने का आरोप लगाते हुए प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में यह चुनाव भाजपा नीत केंद्र सरकार के प्रदर्शन और राज्य के लिए गए काम पर होना चाहिए, साथ ही यह तृणमूल कांग्रेस के रिपोर्ट कार्ड पर होना चाहिए लेकिन दुख की बात है कि यह उनके अहम की लड़ाई को लेकर है।

'सिर्फ छह दिनों में 10 लाख लोगों को लगे कोरोना टीके'

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि देश में सिर्फ छह दिनों के भीतर 10 लाख लोगों को कोविड-19 के टीके लगे हैं। यह एक ऐसा आंकड़ा है, जिसने अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। मंत्रालय के अनुसार देश में टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से अब तक करीब 16 लाख लोगों को टीके लग चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि 10 लाख का आंकड़ा पार करने में ब्रिटेन को 18 दिन और अमेरिका को 10 दिन का समय लगा था।

मंत्रालय ने बताया कि 24 जनवरी सुबह आठ बजे तक करीब 16 लाख (15,82,201) लाभार्थियों को टीके लगे हैं। पिछले 24 घंटे में देश भर में 3,512 सत्रों में करीब दो लाख (1,91,609) लोगों को टीके लगे। वहीं अब तक टीकाकरण के लिए 27,920 सत्रों का आयोजन किया जा चुका है। मंत्रालय ने बताया कि देश में जांच-संपर्क का पता-इलाज की रणनीति सफल रही है और देश में नए मामलों में लगातार कमी आने के साथ ही संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से कम हुई है। देश में अभी 1,84,408 मरीजों का उपचार चल रहा है जो कि कुल मामलों का 1.73 फीसदी है। पिछले 24 घंटे में 15,948 मरीज संक्रमण मुक्त हुए जिसके बाद इलाज कर रहे मरीजों की संख्या में इस अवधि में सीधे तौर पर 1,254 मरीजों की कमी हुई।

किसानों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही एमपी सरकार: कमलनाथ

इंदौर। नए कृषि कानूनों के खिलाफ राजधानी भोपाल में प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर बल प्रयोग को लेकर मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रविवार को कहा कि यह सरकार अन्नदाताओं की आवाज कुचलने का प्रयास कर रही है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में शनिवार को रैली निकालकर भोपाल में राजभवन का घेराव करने जा रहे आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज के साथ आंसू गैस के गोले छोड़े थे और पानी की बौछार की थी। प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष कमलनाथ ने इंदौर से करीब 50 किमी दूर देपालपुर कस्बे में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

सीबीएसई स्कूलों के लिए संबद्धता प्रणाली की प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल कर रहा

गुंजन शर्मा। नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) स्कूलों की संबद्धता प्रणाली में बदलाव कर रहा है और इस प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ डेटा विश्लेषण पर आधारित किया जा रहा है। नई प्रणाली एक मार्च से प्रभावी होगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में निर्धारित प्रणालीगत सुधारों के लिए की गई विभिन्न सिफारिशों के अनुकूल इसमें बदलाव किया जा रहा।

सीबीएसई के सचिव अनुराग त्रिपाठी ने कहा, बोर्ड एनईपी में शिक्षा सुधारों को लेकर की गई सिफारिशों के अनुरूप संबद्धता प्रणाली और प्रक्रिया में बदलाव कर रहा है।

हालांकि, सीबीएसई (से स्कूलों की) संबद्धता प्रणाली 2006 से ही ऑनलाइन है, लेकिन संशोधित प्रणाली पूरी तरह से डिजिटल होगी और यह न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ डेटा विश्लेषण पर आधारित होगी। उन्होंने कहा, ये बदलाव सीबीएसई संबद्धता प्रणाली के कार्य को सुगम बनाएगा, न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन के लक्ष्य के अनुरूप, स्वचालित होगा और इसमें डेटा के आधार पर निर्णय लिए जाएंगे। इससे पारदर्शिता आएगी, समूची प्रणालीगत प्रक्रिया में कहीं अधिक जवाबदेही आएगी तथा सभी आवेदनों का शीघ्र एवं समयबद्ध निपटारा हो सकेगा। त्रिपाठी ने कहा कि बोर्ड जल्द ही नई प्रणाली पर एक विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। बोर्ड ने नई प्रणाली के अनुसार आवेदन प्रक्रिया के लिए समय सीमा में भी संशोधन किया है। संशोधित समय सीमा के मुताबिक नई संबद्धता और संबद्धता को अपग्रेड करने के लिए हर साल तीन अवधि उपलब्ध की जाएगी, एक मार्च से 31 मार्च, एक जून से 30 जून और एक सितंबर से 30 सितंबर। त्रिपाठी ने बताया कि संबद्धता विस्तारित करने के लिए आवेदन हर साल एक मार्च से 31 मई तक स्वीकार किए जाएंगे।

'मोदी, भाजपा बोडो समझौते के सभी प्रावधानों को पूरा करने को प्रतिबद्ध'

एजेंसी। कोकराझार

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि एक साल पहले किए गए बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) समझौते ने पूर्वोत्तर में उग्रवाद को समाप्त करने की प्रक्रिया की शुरुआत की है। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने अतीत में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन वह किए गए वादों को निभाने में विफल रही।

शाह ने कहा, मैं यहां यह बताने के लिए आया हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा बीटीआर समझौते के सभी प्रावधानों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो क्षेत्र में शांति और

विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह क्षेत्र में उग्रवाद के अंत की शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने बीटीआर समझौता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन के दौरान कहा कि भाजपा सरकार में असम के सभी समुदायों के राजनीतिक अधिकार, संस्कृति और भाषा सुरक्षित है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री शनिवार को असम में थे और उन्होंने एक लाख से अधिक स्थानीय मूल के लोगों को भूमि पट्टे वितरित किए। राज्य सरकार ने पहले ही बोडो को असम की सहायक भाषा बना दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, राज्य के सभी समुदायों की समृद्ध संस्कृति, भाषा और विरासत की रक्षा, संरक्षण और संवर्धन के लिए कई उपाय किए गए हैं। शाह ने कहा कि केवल भाजपा ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असम को भ्रष्टाचार, उग्रवाद और प्रदूषण मुक्त बना सकती है। बोडोलैंड प्रांतीय क्षेत्र जिले (बीटीएडी) में शांति के लिए तैयार किए गए बीटीआर समझौते पर पिछले साल 27 जनवरी को केंद्र सरकार, असम सरकार, नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड के सभी चार गुटों और तत्कालीन बोडोलैंड प्रांतीय परिषद प्रमुख हगराम मोहिलरी द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।

'चीनी सेना का ताइवान पर दबाव क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा'

वाशिंगटन। अमेरिका ने ताइवान पर चीनी सेना के दबाव को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि इस प्रकार की डराने-धमकाने की रणनीति क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने शनिवार को कहा, ताइवान सहित अपने पड़ोसियों को धमकाने के पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के प्रयासों को लेकर अमेरिका चिंतित है। उन्होंने बीजिंग से अनुरोध किया कि वह ताइवान पर अपने सैन्य, राजनयिक और आर्थिक दबाव को समाप्त करके लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए ताइवान के प्रतिनिधियों के साथ सार्थक बातचीत करे। उन्होंने कहा, हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा समृद्धि,सुरक्षा और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए हम मित्रों और सहयोगियों के साथ खड़े हैं।

यूपी नें देश में अपने प्रति भावना को बदला है: योगी

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश ने देश में अपने प्रति धारणा को बदला है और अब इसकी पहचान दंगाग्रस्त, अपराधग्रस्त प्रदेश की नहीं, बल्कि बेहतर कानून व्यवस्था वाले राज्य के रूप में है। इसके मॉडल को देश के अन्य राज्य भी अपनाने में लगे हैं। अवध शिल्पग्राम में उत्तर प्रदेश दिवस का उद्घाटन करने के बाद रविवार को आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, हमने केवल पेशेवर अपराधी और माफिया पर ही नहीं बल्कि खानदानी अपराधियों पर भी लगाम कसा है जिससे निवेश की संभावना बढ़ी है।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के चतुर्थ संस्करण पर शुभकामनाएं देते हुए योगी ने कहा कि भारत की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा पर गर्व की अनुभूति होती है, उत्तर प्रदेश देश का ह्दय स्थल कहलाता है और भारत की संस्कृति, सभ्यता और स्वाधीनता आंदोलन का केंद्र बिंदु भी रहा है। उन्होंने कहा कि अगर समाज के जिम्मेदार लोगों में अपनी परंपरा और संस्कृति को आगे बढ़ाने का भाव नहीं होता है, तो समाज दिग्भ्रम की स्थिति में रहता है और इसी स्थिति ने प्रदेश को 70 वर्षों में भटकाव की दिशा में पहुंचा दिया।

संक्षिप्त समाचार

पीएम ने देश की बेटियों की उपलब्धियों की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं, जिनका मकसद मुख्य रूप से उन्हें बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना तथा लैंगिक संवेदनशीलता में सुधार को बढ़ावा देना है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल पर भारत में प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिक दिवस मनाया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, राष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर हम देश की बेटियों और विभिन्न क्षेत्रों में उनके द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों को सलाम करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में कहा, यह उन लोगों की भी खास तौर पर प्रशंसा करने का दिन है जो लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे एक सम्मानपूर्ण और पर्याप्त अवसर वाला जीवन जिएं।

चीनः सोने की खदान में फंसे 11 खनिकों को बाहर निकाला

बीजिंग। चीन के पूर्वी शांगदोंग प्रांत में सोने की खदान में दो हफ्ते पहले हुए विस्फोट के बाद से उसमें फंसे खनिकों में से 11 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। सरकारी मीडिया में रविवार को आई खबर के अनुसार, शांगदोंग प्रांत के चिशिया शहर में स्थित सोने के खदान में 10 जनवरी से फंसे 22 खनिकों को सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासन जी-तोड़ कोशिश कर रहा था। खदान में 10 जनवरी को विस्फोट होने के बाद उससे बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया था। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, बचाव दल ने रविवार को और दो खनिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। अभी तक 11 खनिकों को बाहर निकाल लिया गया है।

तेलंगाना में एक फरवरी से स्कूल खुलेंगे

हैदराबाद। तेलंगाना में करीब एक साल के अंतराल के बाद नौवीं एवं दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए (अकादमिक सत्र 2020-21)स्कूल एक फरवरी से खुलेंगे और 26 मई तक कामकाज होगा। तेलंगाना स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से शनिवार को जारी मेमो के अनुसार तेलंगाना में माध्यमिक परीक्षाएं 17 मार्च से 26 मई के बीच होगी। प्रदेश की राजधानी हैदराबाद एवं पड़ोसी सिकंदराबाद में स्कूलों का परिचालन सुबह 8:45 बजे से शाम चार बजे तक होगा, जबकि जिलों में यह सुबह 9:30 बजे से 4:45 बजे के बीच होगा। इसमें कहा गया है कि ऑनलाइन एवं डिजिटल कक्षाओं का आयोजन दसवीं कक्षा के लिए सुबह दस बजे से 11 बजे के बीच जबकि नौवीं कक्षा के लिए शाम चार बजे से शाम पांच बजे के बीच होगा।

केरल में जंगली हाथी ने महिला पर्यटक को कुचला, मौत

वायनाड (केरल)। केरल के वायनाड जिले के मेप्पडी स्थित रिजॉर्ट में एक जंगली हाथी ने एक महिला पर्यटक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह स्तब्ध करने वाली घटना शनिवार रात आठ बजे वर्षावन स्थित रिजॉर्ट में हुई। पुलिस ने बताया कि महिला पर्यटक का नाम शहाना था और वह कन्नूर की रहने वाली थी वह कॉलेज में प्रवक्ता पद पर तैनात थी। उन्होंने बताया कि वह परिवार के दो सदस्यों के साथ रिजॉर्ट आई थी और तंबू में रह रही थी। उन्होंने बताया कि रिजॉर्ट जंगल के पास है जहां पर अक्सर जंगली हाथी आते हैं। पुलिस ने बताया कि जंगली हाथी की चिंघाड़ने की आवाज सुनकर महिला और दो अन्य लोग तंबू से बाहर आए तभी हाथी ने उनपर हमला कर दिया। दो अन्य लोग सुरक्षित भागने में कामयाब रहे लेकिन महिला की मौत हो गई।

इजराइल में नेतन्याहू के खिलाफ राष्ट्रीव्यापी प्रदर्शन

यरूशलम। इजराइल में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ साप्ताहिक प्रदर्शन के लिए यरुशलम में हजारों लोग जमा हुए और उनसे इस्तीफे की मांग की। इसके अलावा देश के अन्य इलाकों में भी चौराहों और पुलों पर कई छोटे-छोट प्रदर्शन हुए। नेतन्याहू पर धोखाधड़ी, विश्वासघात और तीन मामलों में रिश्वत लेने के आरोप हैं। ये मामले उनके अरबपति सहयोगियों और मीडिया क्षेत्र के दिग्गजों से जुड़े हुए हैं। नेतन्याहू इन सभी आरोपों से इनकार करते रहे हैं, लेकिन प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आरोप के साथ वह उचित तरीके से देश का नेतृत्व नहीं कर सकते हैं। पिछले साल गर्मी के मौसम से ही प्रत्येक सप्ताह इन प्रदर्शनों का आयोजन किया जा रहा है खास तौर पर यरुशलम के एक चौराहे पर नेतन्याहू के आधिकारिक आवास के निकट विरोध प्रदर्शन का आयोजन होता है। सर्दी के मौसम में भले ही इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या कम हुई हो लेकिन प्रदर्शन जारी रहा।

एक्जिम बैंक अगले वित्त वर्ष में बांड से तीन अरब डॉलर जुटाएगा

मुंबई। एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट (एक्जिम) बैंक ऑफ इंडिया अगले वित्त वर्ष 2021-22 में बांड निर्गम से तीन अरब डॉलर जुटाने की तैयारी कर रहा है। बैंक के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में हम सामाजिक रूप से जिम्मेदार (सोशियली रेस्पॉन्सिबल) बांड के जरिए और कोष जुटाएंगे। एक्जिम बैंक के प्रबंध निदेशक डेविड रसक्विन्हा ने एजेंसी से कहा कि यह महामारी एक झटका है, जिससे बही-खाते का विस्तार धीमा पड़ेगा। इसकी वजह यह है कि वैश्विक स्तर पर व्यापार सुस्त हुआ है और बैंक द्वारा वित्तपोषित विकास परियोजनाएं भी रुक गई हैं। रसक्विन्हा ने कहा, चालू वित्त वर्ष के शेष समय में हम बांड से और राशि नहीं जुटाएंगे, लेकिन अगले वित्त वर्ष में हम बांड से ढाई से तीन अरब डॉलर जुटाएंगे। उन्होंने कहा कि बैंक की पुनर्वित्तपोषण की जरूरत ही हर साल दो अरब डॉलर से अधिक रहती हैं। शेष कोष नया कर्ज देने के लिए जुटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांड निर्गम का बड़ा हिस्सा वैश्विक बाजारों में जारी किया जाएगा जो अमेरिकी डॉलर से संबद्ध होगा। रसक्विन्हा ने कहा कि मौजूदा समय में बैंक का 80 प्रतिशत बही-खाता अमेरिकी डॉलर में है।

सेल की चंद्रपुर में देश का पहला गैस-से-एथेनॉल संयंत्र लगेगा

नई दिल्ली। सरकारी इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की योजना देश का पहला गैस-से-एथेनॉल संयंत्र लगाने की है। कंपनी महाराष्ट्र के चंद्रपुर में अपने फेरो मिश्र धातु संयंत्र में केंद्र सरकार की मदद से एथेनॉल का संयंत्र लगाने की योजना बना रही है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। स्टील रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी मिशन ऑफ इंडिया (एसआरटीएमआई) के निदेशक मुकेश कुमार ने बताया कि यह योजना कार्बन उत्सर्जन कम करने के अलावा कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता कम करने के सरकार के उद्देश्य के अनुरूप है। एसआरटीएमआई गैस-से-एथेनॉल संयंत्र स्थापित करने में सेल की मदद कर रहा है। इस संयंत्र की स्थापना पर सेल को लगभग 400 करोड़ खर्च करने होंगे।

सभी की निगाहें बजट पर

50,000 के स्तर को छूने के बाद बाजार में चल सकता है मुनाफावसूली का दौर

एजेंसी। नई दिल्ली

बीएसई सेंसेक्स ने पिछले सप्ताह पहली बार 50,000 अंक के ऐतिहासिक स्तर को पार किया। ऐसे में बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आगामी दिनों में बाजार में मुनाफावसूली का सिलसिला चल सकता है। विश्लेषकों ने कहा कि अब सभी की निगाहें वित्त वर्ष 2021-22 के बजट पर है। बजट से सेंसेक्स की आगे की यात्रा को दिशा मिलेगी। बीते साल कोरोना वायरस महामारी के बीच बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 24 मार्च को अपने एक साल के निचले स्तर 25,638.9 अंक पर आ गया। हालांकि, आगे साल के दौरान सेंसेक्स रिकॉर्ड स्तर तक चला गया।

कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं बुनियादी अनुसंधान प्रमुख रुस्मिक ओझा ने कहा, इस कैलेंडर वर्ष की दूसरी छमाही में बाजार एकीकरण के चरण में रहेगा। कैलेंडर वर्ष 2022 से बाजार की आगे बढ़ने की यात्रा फिर शुरू होगी। सिर्फ दस महीने में बाजार में बड़ा बदलाव है। भारी नुकसान के बाद यह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। वह भी ऐसे समय, जबकि दुनिया स्वास्थ्य संकट से जूझ रही है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि मार्च में जबर्दस्त गिरावट के बाद बाजार के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के कई कारण हैं। दुनिया के केंद्रीय बैंकों ने वैश्विक वित्तीय प्रणाली में काफी अधिक नकदी डाली है। इसके अलावा हाल के महीनों में वैक्सीन की उम्मीद के बीच खुदरा निवेशकों की भागीदारी में जबर्दस्त उछाल आया है। निवेशकों की धारणा में सुधार के बीच बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है और इस समय यह 194 लाख करोड़ रुपये है। बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 28 नवंबर, 2014 को 100 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े के पार गया था। बीते साल यानी 2020 में निवेशकों की पूंजी 32.49 लाख करोड़ रुपये बढ़ी है।

कोरोना महामारी के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को ऊंचे बजट आवंटन की उम्मीद

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी की वजह से लोगों के जीवन में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो गई है। क्षेत्र की कंपनियों का कहना है कि ऐसे में आज देश के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में सुधार के लिए ऊंचे बजट आवंटन की जरूरत है। फार्मा क्षेत्र ने दुनिया की फार्मेसी में प्रमुख भूमिका निभाई है। फार्मा क्षेत्र को उम्मीद है कि आगामी बजट में विशेष रूप से शोध एवं विकास तथा नवोन्मेषण के लिए समर्थन दिया जाएगा। नैटहेल्थ की अध्यक्ष एवं अपोलो हॉस्पिटल्स की कार्यकारी वाइस-चेयरपर्सन प्रीता रेड्डी ने एजेंसी से कहा कि महामारी की वजह से देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के पारिस्थतिकी तंत्र में बड़ा बदलाव आया है।

बजट में खिलौना क्षेत्र के लिए नीति की घोषणा कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। सरकार आगामी आम बजट में घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए खिलौना क्षेत्र के लिए एक प्रतिबद्ध नीति की घोषणा कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि इस नीति से देश में उद्योग के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और स्टार्टअप को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय पहले ही खिलौनों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए कदम उठा रहा है। मंत्रालय ने क्षेत्र के लिए गुणवत्ता नियंत्रक आदेश जारी किया है और साथ ही पिछले साल खिलौनों पर आयात शुल्क बढ़ाया है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से घरेलू बाजार में सस्ते कम गुणवत्ता वाले खिलौनों के प्रवाह को रोका जा सकेगा।

आम बजट से पहले शेयर बाजारों में रहेगा उतार-चढ़ावः विशेषज्ञ

नई दिल्ली। आम बजट से पहले मासिक डेरिवेटिव अनुबंध के निपटान तथा कंपनियों के तिमाही नतीजों के बीच इस सप्ताह में शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। मंगलवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, आने वाले दिनों में केंद्रीय बजट तथा मासिक सौदों की समाप्ति से पहले बाजार में उथल-पुथल रह सकती है। कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार के उतार-चढ़ाव को बढ़ाएंगे। इस सप्ताह फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की भी घोषणा होने वाली है। पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को सेंसेक्स पहली बार 50 हजार अंक के स्तर के पार गया। हालांकि, व्यापक मुनाफावसूली और नरम वैश्विक संकेतों के चलते शुक्रवार को सेंसेक्स 746 अंक यानी 1.5 प्रतिशत गिर गया। निफ्टी भी 14,400 अंक के नीचे आ गया।

एक भारत-श्रेष्ठ भारत ही हमारी मंजिल: प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गणतंत्र दिवस परेड में परफॉर्म करने वाले एनसीसी कैडेट्स के बीच पहुंचे। इन्हें संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, हमारा देश विविधताओं से भरा होने के बावजूद भी एक है। भारत यानी करोड़ों आम आदमियों की आशाओं और आकांक्षाओं की सामूहिक शक्ति। भारत यानी समाज अनेक, भाव एक। भारत यानी पंथ अनेक लक्ष्य एक। भारत यानी विवाद अनेक मूल्य एक। भाषाएं अनेक अभिव्यक्ति एक। रंग अनेक तिरंगा एक। अगर एक पंक्ति में कहें तो भारत में रास्ते भले ही अलग-अलग हैं, लेकिन गंतव्य एक ही है। मंजिल एक ही है। ये मंजिल है एक भारत-श्रेष्ठ भारत।

मोदी ने कहा, एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना देश के हर कोने में मजबूत और प्रकट हो रही है। आपने देखा होगा कि मिजोरम की चार साल की बालिका ने वंदेमातरम गाया, तो सुनने वाला गर्व से भर गया। केरल की बच्ची कठिन परिश्रम से हिमाचली गीत गाती है, तो राष्ट्र की ताकत महसूस होती है। तेलुगु बोलने वाली बिटिया अपने स्कूल प्रोजेक्ट में हरियाणवी खान-पान की बात करती है। इससे हमें अपनी ताकत पता चलती है। उन्होंने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत एक पोर्टल है और आप डिजिटल जनरेशन वाले वहां जरूर जाइएगा। वहां व्यंजन विधियों वाला सेक्शन है, वहां एक हजार से ज्यादा लोगों ने अपने व्यंजन साझा किए हैं। अपने परिवार में कहिएगा कि मां आज ये पकाओ, आपको आनंद आएगा।

उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में स्कूल-कॉलेज बंद होने पर भी देश के युवाओं ने डिजिटल माध्यम से वेबिनार किए हैं। इनमें म्यूजिक, शैलियों, खान-पान पर चर्चाएं हुई हैं। सरकार की कोशिश है कि हर क्षेत्र की भाषाओं, कला, खान-पान का पूरे देश में प्रचार-प्रसार हो। मोदी ने आगे कहा, देश में बहुत बोला जाता है, सबको सुनाई देता है, वोकल फॉर लोकल। जो अपने घर के आसपास की चीजें हैं, स्थानीय चीजें हैं, उनका मान, प्रोत्साहन ही वोकल फॉर लोकल है। ये भावना तब और मजबूत होती है, जब इसे एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना से शक्ति मिलेगी। मोदी ने एनसीसी कैडेट्स के बीच कहा कि मैं आपको 26 जनवरी को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आपसे आग्रह है कि दिल्ली में ठंड तेज है। साउथ से आए लोगों को और भी परेशानी होगी। आप कई दिन से यहां हैं और आपमें से कई लोग इसके आदी नहीं हैं। मैं यही कहूंगा कि आप अपनी सेहत का ध्यान जरूर रखिएगा।

देश अपनी आजादी के 75वें साल में प्रवेश कर रहा है

उन्होंने कहा कि इस साल हमारा देश अपनी आजादी के 75वें साल में प्रवेश कर रहा है। इस साल गुरु तेगबहादुरजी का 400वां प्रकाशवर्ष भी है और इसी साल नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही है। देश ने तय किया है कि नेताजी के जन्मदिवस को हम पराक्रम दिवस के तौर पर मनाएंगे। शनिवार (23 जनवरी) को पराक्रम दिवस पर मैं उनकी कर्मभूमि कोलकाता में ही था। ये सब कुछ हम सभी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि हमें देश की आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने का अवसर नहीं मिला, लेकिन हमें देश ने अपना सर्वश्रेष्ठ अर्पित करने का अवसर जरूर दिया है। उन्होंने कहा कि हम जो भी देश के लिए अच्छा कर सकते हैं, भारत को मजबूत बनाने के लिए कर सकते हैं। वह हमें करते ही रहना चाहिए।

घना कोहरा छाया ठिठुरन भी बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में रविवार को घने कोहरे की चादर छाई रही और दृश्यता कम होकर 100 मीटर हो जाने से यातायात प्रभावित रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। घने कोहरे की वजह से सफदरजंग में दृश्यता घटकर 200 मीटर और पालम में 100 मीटर रह गई। आईएमडी के अनुसार दृश्यता 0 से 50 मीटर होने पर बेहद घना कोहरा, दृश्यता 51 से 200 मीटर के बीच होने पर घना कोहरा, दृश्यता 201 से 500 मीटर होने पर मध्यम कोहरा और दृश्यता 501 से 1000 मीटर होने पर हल्का कोहरा होता है। आईएमडी ने कहा कि दिल्ली में अगले चार दिन मामूली से लेकर घना कोहरा छाए रहने का पूर्वानुमान है। हालांकि आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि पुरवाई हवाओं और बादल छाए रहने की वजह से दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस बढ़कर 8.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। अधिकारी ने कहा कि मंगलवार तक तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है क्योंकि हिमाच्छादित पश्चिमी हिमालय से मैदानी इलाकों की ओर बर्फीली हवाएं चलनी शुरू हो गई हैं।

यूपी गेट पर लग रहा किसानों का जमघट

ट्रैक्टर परेड में शामिल होने के लिए यूपी गेट पर पहुंचे किसान। फोटो रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

26 जनवरी को आंदोलनरत किसानों की ओर से ट्रैक्टर परेड के आह्वान पर हाईवे-58 के रास्ते उत्तराखंड से लेकर पश्चिम यूपी के विभिन्न जिलों से ट्रैक्टरों के साथ किसानों का यूपी गेट पहुंचने का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। ट्रैक्टरों पर भाकियू के झंडे के साथ तिरंगा लगाकर पहुंच रहे किसानों का कहना है कि अब दिल्ली से अपनी मांगों को मनवाकर ही लौटेंगे। वहीं भाकियू नेताओं की ओर से गांव-गांव में रैली को लेकर जोरशोर से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। किसानों की इन गतिविधियों को लेकर पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर आ गया है।

हाईवे-58 पर दिन के साथ-साथ रात में भी ट्रैक्टर पर सवार होकर किसानों के जमघट यूपी गेट पहुंच रहे हैं। सभी किसानों ने ट्रैक्टरों को सुसज्जित कर रखा है। गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर परेड के आयोजन में भारी संख्या में भीड़ जुटाने के लिए भाकियू व विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने भी पूरी ताकत झोंक दी है।

रालोद, कांग्रेस, आप व सपा नेता गांव-गांव में प्रचार-प्रसार कर रैली में पहुंचने का आह्वान कर रहे हैं। किसानों की बढ़ती संख्या को देख खुफिया विभाग की रिपोर्ट पर अब पुलिस प्रशासन सचेत हो गया है। आंदोलनस्थल से लेकर बार्डर तक अतिरिक्त फोर्स की तैनाती कर दी गयी है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस पर शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने गणतंत्र दिवस पर किए जाने वाले सुरक्षा प्रबंधों का जायजा भी लिया है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व पूरी गरिमा के साथ मनाया जाना चाहिए।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी

मेष

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। लगन और मेहनत पर गौर करेंगे, तो आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज्यादा बातें न करें। आपके काम की गुणवत्ता देखकर आपके वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे। रिलेशनशिप को लेकर मूड में उतार-चढ़ाव रहेंगे। प्रेम को लेकर आप ज्यादा ही सेंसिटिव हो सकते हैं जिससे नकारात्मक विचार हावी हो सकते हैं इसलिए बैलेंस बनाकर चलना होगा।

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्यांक: 2

विशेष: आज श्वेत वस्त्र धारण करें।

वृष

नए विचार दिमाग में आएंगे। भविष्य की व्यवसायिक योजनाओं के लिए आपको पूरी प्लानिंग करके चलनी चाहिए। आपका वित्तीय भाग्य उच्च चल रहा है। अपनी वित्तीय सुरक्षा का आनंद भी ले पाएंगे। मन से नकारात्मक विचारों को निकाल दें। किसी प्रियजन या मित्र से उपहार पाकर मन प्रफुल्लित रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव महसूस होगा। इस तनाव को आपसी बातचीत से खत्म करें।

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

भाग्यांक: 1

विशेष: भगवान शिव को पंचामृत से स्नान कराएं।

मिथुन

आर्थिक तौर पर सुधार तय है। पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केंद्र होंगे। अपने भागीदारों से काफी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। यात्रा के कारण तनाव का शिकार हो सकते हैं। आज आपको जीवनसाथी से प्यार-मोहब्बत के लिए पर्याप्त समय मिल सकता है। प्रेम संबंधों के विषय में आपको गंभीर होना पड़ेगा तभी आपके संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

(का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

भाग्यांक: 8

विशेष: शिव मंदिर में देसी घी का दिया जलाएं।

कर्क

प्रॉपर्टी में निवेश का सही समय है। विरोधियों को आप उनकी ही चाल में फंसा देंगे। लंबे समय से अटके मुआवजे और कर्ज आपको मिल जाएंगे। मन को खराब विचारों से दूर रखते हुए अच्छे कार्यों में केंद्रित करें, सामाजिक मान बढ़ेगा। वाणी में उग्रता रहेगी। सेहत के प्रति सचेत रहें। कैरियर में नए सहकर्मी उलझन पैदा करेंगे। आवेश में आकर आलसी न बनें। आप एकांत पसंद कर सकते हैं।

(ही, हूं, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

भाग्यांक: 3

विशेष: त्रिफला का सेवन करें।

सिंह

खर्चों पर काबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ जरूरी चीजें ही खरीदें। आज किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेंगे। दफ्तर में हर कोई आपको चुनौती देने को आमादा है। हिम्मत रखें। प्यार-मोहब्बत में ज्यादा पागल न हो मर्यादाओं का उल्लंघन करने से बचें और कोई ऐसा काम अनजाने में न होने पाए जिसका असर खराब हो अथवा जिससे आपको शर्मिंदा होने पड़े।

(मा, मी ,मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

भाग्यांक: 1

विशेष: घर में सफेद रंग के परदे लगाएं।

कन्या

किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक समस्या हल होगी। कारोबार में अचानक लाभ मिलने के योग बनेंगे। आज मन बहुत संवेदनशील रहेगा और मानसिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। आज किसी नए संबंध की ओर प्रतिबद्ध होने के पूर्व कुछ सोचें। आप अभी तक प्रेम संबंधों में जो एक सोच रखते हैं, उसमें कुछ बदलाव करना होगा तभी संबंध आगे बढ़ पाएंगे।

(टो ,पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

भाग्यांक: 8

विशेष: सात मुखी रुद्राक्ष धारण करें।

तुला

मानसिक और नैतिक शिक्षा के साथ शारीरिक शिक्षा भी लें, आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल खुशनुमा कर देगा। कुछ लोग ऐसे इंसान के आकर्षण से बच सकते हैं, कामकाज के दौरान आप पूरे दिन काफी हतोत्साहित महसूस कर सकते हैं। प्रेमी आपको और आपकी बातों को अनदेखा और अनसुना कर सकता है, जिससे आपकी भावनाएं आहत होंगी।

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

भाग्यांक: 2

विशेष: शिव आराधना करें।

वृश्चिक

आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। भौतिक साधन तथा वस्त्र इत्यादि की खरीदारी होगी। प्रणय संबंधों में सफलता मिल सकती है। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के लिए अनुकूल संयोग बनेंगे। व्यापार से लाभ मिलेगा। साझेदारी में फायदा होगा। धन का लाभ मिलेगा। मानसिक बैचेनी हो सकती है। नए कार्य का प्रारंभ करने के लिए समय अनुकूल है। प्रेम संबंधों को लेकर दिन मिला-जुला कहा जाएगा।

(तो, ना ,नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

भाग्यांक: 5

विशेष: भगवान शिव की कपूर से आरती करें।

धनु

कुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज दिमाग से नवाजा है किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालांकि आपके खर्चे बढ़ सकते हैं अचानक आई जिम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आपका काम दरकिनार हो सकता है, रचनात्मक कामों से जुड़े लोगों के लिए बेहतरीन दिन है, क्योंकि उन्हें वह शोहरत और पहचान मिलेगी।

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

भाग्यांक: 1

विशेष: सह परिवार मंदिर जाकर भगवान शिव के दर्शन करें।

मकर

किसी दूर के रिश्तेदार से अचानक मिली खबर आपका दिन बना सकती है। आज आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप किसी मुसीबत का हल करने में पूरी तरह से सफल रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। नया वातावरण और नए मित्र आपके लिए एक नया अनुभव होगा। भागदौड़ और परिश्रम के बाद वंचित लाभ होगा।

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गो, गी)

भाग्यांक: 1

विशेष: मांस मदिरा का त्याग कर दें।

कुंभ

आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है परिवार के सदस्य आपके नजरिए का समर्थन करेंगे। मोहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। प्रेम संबंधों को लेकर जश्न मनाने का समय आ गया है। कहीं बाहर जाने का मूड हो सकता है जो अपने पहले प्यार को प्रपोज करने की सोच रहे हैं उन्हें आज का दिन टाल देना चाहिए। आज का दिन खुशनुमा रहेगा।

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो ,दा)

भाग्यांक: 7

विशेष: काले रंग के वस्त्र ना धारण करें।

मीन

लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। भाग्य आपके साथ है। प्रेम-जीवन में आशा की नई किरण आएगी। घरेलू मसले आपके दिमाग पर छाए रहेंगे माता-पिता का सहयोग मिलेगा। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद जरूरी है आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं। बेकार के झगड़ों से बचें। मन थोड़ा बेचैन सा हो सकता है पार्टनर से बात करें देखें कि लव लाइफ को क्या मोड़ दिया जाए।

(दी, दू ,थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

भाग्यांक: 5

विशेष: जल में कच्चा दूध डालकर स्नान करें।

नोएडा के तीन कुख्यात खनन माफिया गिरफ्तार

नोएडा। जिले के तीन कुख्यात खनन माफिया को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद हुए हैं। थाना नालेज पार्क पुलिस ने एक पिस्टल, बड़ी संख्या में कारतूस, बालू रेत से भरा ट्रैक्टर और स्विफ्ट कार जब्त की है। इससे पहले भी इस इलाके से दो कुख्यात खनन माफियाओं को गिरफ्तार करके पुलिस जेल भेज चुकी है।

ग्रेटर नोएडा के पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार सिंह ने बताया कि नॉलेज पार्क पुलिस ने अवैध खनन में संलिप्त तीन माफिया को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान अन्नू पुत्र बलेश्वर, अजय और मनीष पुत्र महेंद्र के रूप में हुई है।

दिल्ली की जेलों में पैरामेडिकल कर्मियों को लगे टीके

महानिदेशक (कारागार) ने 3,600 कर्मचारियों को कोरोना वैक्सीन लेने के लिए खुद का पंजीकृत कराने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली जेल विभाग के लगभग 60 पैरामेडिकल कर्मियों को कोविड-19 टीकाकरण अभियान के दौरान अब तक टीका लगाया गया है।

यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। राष्ट्रीय राजधानी में टीकाकरण अभियान 16 जनवरी को शुरू हुआ था और कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को पहले टीका लगाया जा रहा है। महानिदेशक (कारागार) संदीप गोयल ने कहा, जेल विभाग के लगभग 60 पैरामेडिकल कर्मचारियों को अब तक टीका लगाया गया है। उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में अलग-अलग तारीखों पर टीका लगाया गया। टीकाकरण से जेल अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों के मनोबल को बढ़ावा मिलेगा, जिन्हें उनकी नौकरी की प्रकृति के कारण वायरस से संक्रमित होने का खतरा था। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जेल विभाग में लगभग 200 पैरामेडिकल कर्मी हैं। विभाग ने सुरक्षा कर्मियों सहित लगभग 3,600 कर्मचारियों को कोरोना वायरस टीके लेने के लिए खुद का पंजीकृत कराने के लिए कहा है।

लगभग 1,600 जेल कर्मचारी, 1,000 तमिलनाडु विशेष पुलिस कर्मी जो तिहाड़ जेल में सुरक्षा ड्यूटी करते हैं और अर्धसैनिक बलों के 1,000 कर्मियों ने इसके लिए पंजीकरण कराया है। अधिकारियों ने कहा कि शनिवार तक कुल 292 जेल कर्मचारी संक्रमित हुए हैं। उन्होंने कहा कि अभी दो का इलाज चल रहा है जबकि 290 ठीक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि 118 जेल कैदी अभी तक संक्रमित हुए हैं जिनमें से 116 ठीक हो गए हैं जबकि दो की मौत हो गई है।

कोरोना संक्रमण के 185 नए मामले, नौ की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 185 नए मामले सामने आए तथा कोविड-19 से नौ और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही संक्रमण की दर मामूली वृद्धि के साथ 0.30 प्रतिशत दर्ज की गई। शनिवार को संक्रमण दर 0.26 फीसदी थी।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 6,33,924 हो गए हैं और मृतकों की संख्या 10,808 पर पहुंच गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी ताजा बुलेटिन के अनुसार अभी कोविड-19 के 1,741 मरीज उपचाराधीन हैं।

कृषि कानूनों को लेकर आप ने अमरिंदर पर बोला हमला

राघव चड्ढा ने आरटीआई को दिया हवाला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने पंजाब सरकार पर जोरदार हमला बोला है। आप के पंजाब सह-प्रभारी राघव चड्ढा ने दावा किया है कि पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के झूठ उजागर हो गया है। उन्होंने कहा आरटीआई से खुलासा हुआ है कि तीनों नए कृषि कानून को पारित किए जाने के बारे में कैप्टन अमरिंदर को जानकारी थी। कैप्टन ने पंजाब के लोगों को गुमराह किया है। 7 अगस्त 2019 से कैप्टन सिंह को पता था कि किसान व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा अधिनियम (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौता और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम को लाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद उन्हें उच्चाधिकार प्राप्त समिति का सदस्य नियुक्त किया था। दोनों के बीच मैच फिक्सिंग का यह स्पष्ट मामला है।

राघव चड्ढा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पंजाब सीएम अच्छी तरह से जानते थे कि निजी निवेश और कॉर्पोरेट्स को फसलों के बाजार में लाया जाएगा और एमएसपी और मंडी प्रणाली को हटा दिया जाएगा लेकिन उन्होंने कभी किसी को कुछ नहीं बताया। वह कैप्टन अमरिंदर सिंह को चुनौती देते हैं कि वह कोई एक सबूत पेश करें जिससे यह साबित हो सके कि कृषि कानूनों को लेकर गठित उच्चाधिकार समिति में उन्होंने तीनों कृषि कानूनों के विरोध में असहमति जताई थी।

उन्होंने कहा कि आरटीआई से पता चलता है कि हमारे किसानों ने जिन हाई पावर्ड कमेटी के कृषि कानूनों के एजेंडे खिलाफ लड़ाई लड़ी है। कैप्टन उन एजेंडे पर हो रही चर्चाओं में शामिल थे। आरटीआई से बड़ा सबूत और क्या हो सकता है।

वह निश्चित रूप से कह सकते हैं कि कैप्टन ने पंजाब के किसानों से छलपूर्वक झूठ बोलकर गुमराह किया है। जबकि वह शुरू से यह बात कहते रहे कि उन्हें कभी इन कानूनों के बारे में पता नहीं था। उनके लोग और वह खुद उस कमेटी के सदस्य नहीं थे।

गणतंत्र दिवस पर मेट्रो सेवा में बदलाव

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो ने सुरक्षा इंतजामों को लेकर ट्रेनों के चलने परिचालन में बदलाव किए हैं। मेट्रो ने 25 की सुबह छह बजे से लेकर 26 जनवरी को दो बजे तक सभी स्टेशनों पर पार्किंग को बंद रखने का ऐलान किया है। साथ ही मेट्रो कॉरिडोर के लाइन -2 के हुड्डा सिटी सेंटर और समय पुर बादली के बीच परिचालन में बदलाव करने का फैसला किया है। मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक यह परिवर्तन गणतंत्र दिवस समारोह की वजह से दिल्ली पुलिस के निर्देशों पर किया जा रहा है। 26 जनवरी को लाइन-2 हुड्डा सिटी सेंटर- समयपुर बादली के कॉरिडोर पर ट्रेनें के समय टहराव को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं। इस दिन रूट के केंद्रीय सचिवालय और उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन के प्रवेश एंट्री और निकास गेट सुबह मेट्रो संचालन से लेकर दोपहर 12 बजे तक बंद रहेंगे। वहीं, केंद्रीय सचिवालय स्टेशन को केवल इंटरचेंज पॉइंट तौर पर यात्री प्रयोग कर सकेंगे। इसके अलावा पटेल चौक और लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन के एंट्री और एग्जिट गेट दोनों ही 26 जनवरी को सुबह 8:45 से दोपहर 2 बजे तक बंद रहेंगे।

जोशीले नारों के बीच फिजाओं में संगीत की सोंधी खुशबू भी

सिंघू बॉर्डर पर दिखे आंदोलन के अलग-अलग नजारें

ज़ाहिद अली। नई दिल्ली

दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर नुक्कड़ नाटकों और ओजस्वी क्रांतिकारी कविताओं से कलाकारों ने किसानों के बीच समां बांधा हुआ है।

जब एक कवि ने लोगों का जोश भरते हुए कविता पढ़ी... 'वो कहते है कि हमको मिटटी में मिला देगें, पर वो नहीं जानते की उसी मिट्टी में बीज अंकुरित होते हैं...' तो पूरा पंडाल किसान एकता जिंदाबाद के नारे से गूंज उठा। किसानों के मनोरंजन के लिए नुक्कड़ और पंडाल के मंचों पर नाटकों का मंचन हो रहा है। मुख्य पंडाल में कलाकारों ने देश की नेताओं की खूब नकल उतारी और हल्के फुल्के अंदाज में गंभीर तंज किए गए। पंजाब से आए कलाकार खूब मूड में थे।

नाटक के दौरान उन्होंने देश के दो बड़े उद्योगपति अडानी और अंबानी को भी नहीं छोड़ा। पंडाल में बैठे पुरुष और उनके साथ आई महिला किसानों ने तालियां बजाकर कलाकारों की हौसला अफजाई की।

ढपली और ढोलक की थाप की गूंज

नारों की बीच सिंघू बॉर्डर की फिजाओं में संगीत की महक भी है। ऐसा इसलिए है कि कई ढपली और ढोलक बेचने वाले धरनास्थल पर पहुंच गए है। सिंघू बॉडर पर मिले निज़ार ने बताया कि एक ढोलक की कीमत 100 रुपये से लेकर 150 तक बिक जाती है। रोज करीब दस से 15 ढोलक बेच देते है। फैजान और सिराज पिछले दो माह से किसानों को अपनी ढोलक बेच रहे हैं। वही रंग बिरंगे बिल्ले भी खूब बिक रहे है। अधिकतर लोग किसान एकता जिंदाबाद के बिल्लो को तरजीह दे है।

यूथ हल्ला बोल हस्ताक्षर अभियान

यूथ हल्ला बोल हस्ताक्षर अभियान भी विरोध दर्ज करने का मुख्य हथियार बन गया है। यहां बैनर पर युवा और बुजुर्ग किसान आकर हस्ताक्षर कर किसान आंदोलन को अपना समर्थन देते हैं। अभियान से जुड़े उत्सव ने बताया कि प्रतिदिन करीब दो से तीन हजार लोग बैनर पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। बैनर हस्ताक्षर में पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी बढ़चढ़कर हिस्सा ले रही हैं।

मेडिकल कैंप में स्वास्थ्यकर्मी स्वेच्छा कर रहे है सेवा

आंदोलन में बुजुर्ग किसानों की खास तादाद है। इसको लेकर किसान संगठनों ने जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए हुए है। यहां मुफ्त में दवा दी जाती है। कई कैंप ऐसे भी है जहां ऑक्सीजन सिलेंडरों के साथ आधुनिक बेड रखे हुए थे।

नर्सिंग से जुड़ी सिमरन ने बताया कि वो स्वच्छा से सेवा करने के लिए कैंप में आई है। यहां वो एक माह से लगातार बीमार किसानों की देखभाल कर रही है। यहां कई डॉक्टर भी नजर आएं।

ट्रैक्टर परेड को लेकर जोश

युवा किसान जोश में नजर आए। परेड की लिए उनके ट्रैक्टर पूरी तरह तैयार है। तेल पानी से लेकर ट्रैक्टरों की सर्विस कराई। बैरिकेडिंग तोड़ने के लिए ट्रैक्टर के बोनट पर विशेष प्रबंध किए गए है। कुलवंत सिंह ने बताया कि वो शांतिपूर्वक ही दिल्ली में प्रवेश करेंगे। अगर उन्हें राजधानी के अंदर घुसने से रोका गया तो संघर्ष का रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने बताया कि पंजाब की तरफ से सैकड़ों ट्रैक्टर दिल्ली की तरफ आ रहा है।

टेस्ट मैचों में पारी के आगाज का मौका मिलना वरदान होगा : वाशिंगटन

कुशान सरकार। नई दिल्ली

कोच रवि शास्त्री की ड्रेसिंग रूम में दी गई दृढ़ता और प्रतिबद्धता की सीख ने युवा वाशिंगटन सुंदर के लिए टॉनिक का काम किया, जो किसी भी तरह की चुनौती के लिए तैयार हैं, जिसमें टेस्ट मैचों में भारत के लिए पारी का आगाज करना भी शामिल है। 21 वर्षीय वाशिंगटन भारत अंडर-19 के दिनों में शीर्ष क्रम के विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, लेकिन उन्होंने अपनी ऑफ स्पिन को निखारा और भारतीय टी-20 टीम में जगह बनाई। ब्रिस्बेन में भारतीय जीत में अहम भूमिका निभाने वाले वाशिंगटन ने चेन्नई से अपने आवास से एजेंसी से कहा कि अगर मुझे कभी भारत की तरफ से टेस्ट मैचों में पारी का आगाज करने का मौका मिलता है, तो यह मेरे लिए वरदान होगा। मुझे लगता है कि मैं उसी तरह इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करूंगा जैसे हमारे कोच रवि सर ने अपने खेल के दिनों में किया था।

वाशिंगटन ने गाबा में पहली पारी में 62 रन बनाकर भारत को मैच में बनाए रखा और फिर दूसरी पारी में 22 रन की तेजतर्रार पारी खेली, जिसमें पैट कमिंस पर लगाया गया छक्का भी शामिल है। इसके अलावा उन्होंने चार विकेट भी लिए। उन्होंने कहा, रवि सर ने हमें खेल के अपने दिनों की प्रेरणादाई बातें बताई। जैसे कि कैसे उन्होंने विशेषज्ञ स्पिनर के तौर पर पदार्पण किया तथा चार विकेट लिए और न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मैच में दसवें नंबर पर बल्लेबाजी की। वाशिंगटन ने कहा, और वहां से वह कैसे टेस्ट सलामी बल्लेबाज बने और उन्होंने कैसे अपने जमाने के सभी शीर्ष तेज गेंदबाजों का सामना किया। मैं भी उनकी तरह टेस्ट मैचों में पारी की शुरुआत करना पसंद करूंगा। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में आए किसी युवा खिलाड़ी के लिए किसी बाहरी खिलाड़ी से प्रेरणा लेने की जरूरत नहीं है क्योंकि भारतीय ड्रेसिंग रूम में ही कई आदर्श खिलाड़ी हैं। वाशिंगटन ने कहा, एक युवा होने के नाते जब मैं किसी से प्रेरणा लेना चाहता हूं तो मुझे अपने ड्रेसिंग रूम में ही इतने अधिक आदर्श खिलाड़ी मिल जाते हैं। विराट कोहली, रोहित शर्मा, अजिंक्य रहाणे, आर अश्विन जैसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी वहां हैं। ये खिलाड़ी हमेशा आपकी मदद के लिए तैयार रहते हैं।

लाल गेंद से नेट पर काफी गेंदबाजी करने को मिली

वाशिंगटन को सीमित ओवरों की श्रृंखला समाप्त होने के बाद नेट गेंदबाज के रूप में आस्ट्रेलिया में रहने के लिए कहा गया। इससे उन्हें लाल गेंद से नेट पर काफी गेंदबाजी करने को मिली। भारत की तरफ से एक टेस्ट के अलावा 26 टी-20 और एक वनडे खेलने वाले वाशिंगटन ने कहा, इससे निश्चित तौर पर मुझे मदद मिली क्योंकि मुझे टेस्ट मैचों के लिए टीम में बने रहने के लिए कहा गया था। लेकिन वह हमारे गेंदबाजी कोच भरत अरुण सर सहित सभी कोचों की रणनीति थी जिससे मदद मिली। उन्होंने कहा, ब्रिस्बेन में पहले दिन पिच से मदद नहीं मिल रही थी, लेकिन पहले टेस्ट विकेट के तौर पर स्टीव स्मिथ का विकेट लेना सपना सच होने जैसा था। वाशिंगटन की बड़ी बहन शैलजा भी पेशेवर क्रिकेटर है और ये भाई बहन कभी कभार अपनी बातें एक दूसरे से साझा भी करते हैं। वाशिंगटन ने कहा, अगर उसे (शैलजा) लगता है कि मुझे यह बात बतानी जरूरी है तो वह ऐसा करती है। उसके सुझाव हमेशा उपयोगी साबित होते हैं। लेकिन अमूमन घर में हम क्रिकेट पर चर्चा नहीं करते हैं।

युवाओं को प्रेरणा देने के लिए ड्रेसिंग रूम में ही हैं बहुत से खिलाड़ी

बेयरस्टॉ को विश्राम देने के फैसले पर पुनर्विचार करे इंग्लैंड: नासिर हुसैन

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है चयनकर्ताओं ने भारत के खिलाफ पांच फरवरी से चेन्नई में शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले दो मैचों के लिए जॉनी बेयरस्टॉ को विश्राम देने का निर्णय करके गलती की है। हुसैन ने इंग्लैंड के चयनकर्ताओं से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है। बेयरस्टॉ ने श्रीलंका के खिलाफ पिछले सप्ताह गॉल में पहले टेस्ट मैच में 47 और नाबाद 35 रन बनाए थे। बेयरस्टॉ को पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर रखना इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की खिलाड़ियों को व्यस्त कार्यक्रम के बीच विश्राम देने की नीति का हिस्सा है। इंग्लैंड को इस कैलेंडर वर्ष में 17 टेस्ट और आईसीसी टी-20 विश्वकप में भाग लेना है।

हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, मेरे कहने का मतलब है कि यह चिंता का विषय है क्योंकि वह स्पिन के खिलाफ इंग्लैंड के तीन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है। इन तीन खिलाड़ियों में जो रूट और बेन स्टोक्स के साथ बेयरस्टॉ शामिल हैं, लेकिन उसे स्वदेश लौटने के लिए कहा गया है और बाकी चेन्नई जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस पर पुनर्विचार करना होगा। खिलाड़ी जिस दौर (कोविड का दौर) से गुजरे हैं वह दुस्वप्न जैसा है। उन्हें पिछली गर्मियों और फिर आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) में जैव सुरक्षित वातावरण में दिन बिताने पड़े। इसके बाद खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका गए, अब श्रीलंका में है, फिर भारत जाएंगे और उसके बाद आईपीएल में खेलेंगे। इस पूर्व कप्तान ने कहा, मैं इस स्थिति को कतई कम करके नहीं आंक रहा हूं। यह चयनकर्ताओं के लिए मुश्किल काम है, लेकिन भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए आपकी सर्वश्रेष्ठ टीम होनी चाहिए। उन्होंने कहा, आपको भारतीय दौरे के लिए रोटेशन या विश्राम देने पर ध्यान देना चाहिए या इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच को ध्यान रखकर अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करना चाहिए। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि आस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर 2-1 से हराकर आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम के खिलाफ अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन नहीं करके चयनकर्ता इंग्लैंड के प्रशसकों के प्रति जवाबदेह हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोनाको ने मार्सेली को हराया, नीस भी जीता

पेरिस। मोनाको ने अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार जारी रखते हुए फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में मार्सेली को 3-1 से हराया जबकि नीस ने भी अपना मैच जीता। मार्सेली की टीम को शुरू में बढ़त हासिल करने के बावजूद लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। मार्सेली ने नेमांजा रादोनिच के 12वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त बनाई लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। मोनाको के लिए गुलेरमो मैरिपन ने 47वें मिनट में बराबरी का गोल किया। इसके बाद ऑरलियन चाउमेनी ने 75वें और स्टीवन जोवेटिच ने इंजुरी टाइम में गोल करके मोनाको को अच्छी जीत दिलाई। अब चौथे स्थान पर काबिज मोनाको और तीसरे स्थान की टीम लियोन के बीच केवल एक अंक का अंतर रह गया है। मार्सेली पहले की तरह छठे स्थान पर है। एक अन्य मैच में युसूफ अताल के गोल की मदद से नीस ने लेन्स को 1-0 से हराया। इस विंगर ने 49वें मिनट में यह गोल दागा। इस जीत से नीस 13वें स्थान पर पहुंच गया है। लेन्स अभी सातवें स्थान पर है।

एस्टन विल्ला ईपीएल के शीर्ष दस में पहुंचा

बर्मिंघम। एस्टन विल्ला ने फिर से जीत की राह पकड़ते हुए न्यूकास्टल को 2-0 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में शीर्ष 10 में जगह बना ली। एस्टन विल्ला की तरफ से पहला गोल ओली वाटकिन्स ने किया। वाटकिन्स को इस क्लब ने रिकार्ड धनराशि में खरीदा था लेकिन यह 10 मैचों में उनका पहला गोल था। वाटकिन्स ने 13वें मिनट में गोल किया। बर्टेंड ट्राओरे ने मध्यांतर से ठीक पहले टीम की बढ़त दोगुनी की। एस्टन विल्ला के अब 17 मैचों में 29 अंक हो गए हैं और वह आर्सनल, साउथम्पटन और चेल्सी को पीछे छोड़कर आठवें स्थान पर पहुंच गया है। आर्सनल के 27 अंक हैं जबकि साउथम्पटन और चेल्सी दोनों के भी 29 अंक हैं लेकिन एस्टन विल्ला गोल अंतर में उनसे आगे है। न्यूकास्टल की यह आठ मैचों में छठी हार है और वह 16वें स्थान पर खिसक गई है।

जिदान के बिना रीयाल मैड्रिड की बड़ी जीत

बार्सिलोना। एडेन हेजार्ड के शानदार प्रदर्शन और करीम बेंजेमा के दो गोल की मदद से रीयाल मैड्रिड ने कोरोना वायरस से संक्रमित अपने कोच जिनेदिन जिदान की अनुपस्थिति में एल्विस पर 4-1 की बड़ी जीत दर्ज करके स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। रीयाल मैड्रिड की तरफ से कासेमीरो ने 15वें मिनट में पहला गोल किया, जिसके बाद बेंजेमा ने 41वें मिनट में हेजार्ड के खूबसूरत पास को गोल में बदला। बेल्जियम के फारवर्ड हेजार्ड ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में इस सत्र का अपना तीसरा गोल किया। जोसेलु मातो ने एल्विस की तरफ से 59वें मिनट में पहला गोल किया लेकिन बेंजेमा 70वें मिनट में अपना दूसरा गोल करने में सफल रहे। इस जीत से रीयाल ने शीर्ष पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से अंतर कम कर दिया है। रीयाल के 19 मैचों में 40 जबकि एटलेटिको के 17 मैचों में 44 अंक हैं। एक अन्य मैच में यूसुफ एन नेसरी की हैट्रिक की मदद से सेविला ने कैडिज को 3-0 से हराया। इससे सेविला की टीम बार्सिलोना को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। रीयाल बेटिस और सोसिडाड के बीच खेला गया एक अन्य मैच 2-2 से बराबरी पर छूटा।

आईटीएफ का यास्त्रेमस्का पर से प्रतिबंध हटाने से इनकार

लंदन। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने विश्व में 29वीं रैंकिंग की डायना यास्त्रेमस्का पर प्रतियोगिता से इतर डोपिंग परीक्षण में नाकाम रहने के लिए प्रतिबंध बरकरार रखा है। उक्रेन की यह 20 वर्षीय खिलाड़ी इस आदेश को खेल पंचाट में चुनौती दे सकती है। आईटीएफ ने यास्त्रेमस्का पर सात जनवरी को अस्थाई प्रतिबंध लगाया था। उन्हें प्रतिबंधित मेस्ट्रोलोन मेटाबोलाइट के सेवन का दोषी पाया गया था। इसके बाद यास्त्रेमस्का ने ट्विटर पर लिखा कि वह हैरान और सदमे में हैं। उन्होंने कहा, मैं पूरी दृढ़ता के साथ यह बात कह रही हूं कि मैंने कभी प्रदर्शन बढ़ाने में मदद करने वाले ड्रग या प्रतिबंधित दवाइयों का सेवन नहीं किया। मैं अपने नाम से यह दाग हटाने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

इटली की डेविस कप टीम के कप्तान बने वोलैंड्री

रोम। एक समय विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में शामिल रहे फिलिपो वोलैंड्री को इटली की डेविस कप टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वह कोरैडो बाराजुट्टी की जगह लेंगे जो 20 साल तक इस पद पर रहे। बाराजुट्टी पूर्व में इटली की फेड कप टीम के कप्तान भी रहे। उनके रहते हुए महिला टीम ने चार खिताब जीते थे। उनके स्थान पर 2016 में तातियाना गार्बिन को फेड कप टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। बाराजुट्टी इटली की उस टीम का हिस्सा थे जिसने 1976 में डेविस कप जीता था। वोलैंड्री 2018 से इटली के राष्ट्रीय तकनीकी निदेशक हैं। इटली टेनिस महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनागी ने कहा, पहले खिलाड़ी और बाद में कोच के रूप में हमारे अभियान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए इटली का टेनिस समुदाय हमेशा कोरैडो बाराजुट्टी का आभारी रहेगा।

संगकारा राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज कुमार संगकारा को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने रविवार को आगामी सत्र के लिए क्रिकेट निदेशक नियुक्त किया। वर्तमान में मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अध्यक्ष संगकारा को फ्रेंचाइजी के लिए मैदान से इतर क्रिकेट से जुड़ी सभी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। इनमें कोचिंग ढांचा, नीलामी योजना, टीम रणनीति, प्रतिभा खोज और विकास तथा नागपुर में रॉयल्स अकादमी का विकास भी शामिल है। संगकारा ने यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा, विश्व की प्रमुख प्रतियोगिता में एक फ्रेंचाइजी की क्रिकेट रणनीति तैयार करने साथ इस आईपीएल टीम की भविष्य की सफलता की नींव तैयार करने के लिए विकास कार्यक्रमों और क्रिकेट के बुनियादी ढांचे का निर्माण करना ऐसा मौका है जिसने वास्तव में मुझे प्रेरित किया। आस्ट्रेलियाई स्टीव स्मिथ के स्थान पर फ्रेंचाइजी के नए कप्तान नियुक्त किए गए संजू सैमसन ने इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज के निदेशक बनने पर खुशी व्यक्त की।

टेस्ट टीम में वापसी के आसपास भी नहीं हूं: मैक्सवेल

एजेंसी। मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने स्वीकार किया कि उनका टेस्ट कॅरियर अब समाप्त हो चुका है और वह अपना ध्यान केवल सीमित ओवरों की क्रिकेट पर लगा रहे हैं, जिसमें अगले तीन वर्षों में तीन विश्वकप होने हैं। मैक्सवेल को टेस्ट मैचों में जितने भी मौके मिले उनमें वह सीमित ओवरों के अपने प्रदर्शन को दोहराने में नाकाम रहे। उन्होंने सात टेस्ट मैच खेले जिनमें से आखिरी मैच बांग्लादेश में 2017 में खेला था।

भारत के खिलाफ हाल में आस्ट्रेलिया को चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस श्रृंखला के दौरान आस्ट्रेलिया का मध्यक्रम जूझता हुआ नजर आया, लेकिन इसके बावजूद मैक्सवेल को वापसी की उम्मीद नहीं है। हेरल्ड सन समाचार पत्र के अनुसार इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि मैं उसके (टेस्ट टीम में वापसी) आसपास भी हूं। उन्होंने कहा, वे यह जानते हैं कि वे क्या चाहते हैं। उनके पास अभी ऐसे क्रिकेटर हैं, जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट के बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। कैमरन ग्रीन सुपरस्टार बनने जा रहा है। इसके अलावा पक (विल पुकोवस्की) है, ट्रेविस हेड है जिसका औसत टेस्ट मैचों में 40 के आसपास है। उनके पास काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। मैक्सवेल 2021 और 2022 में होने वाले टी-20 विश्वकप और 2023 के वनडे विश्वकप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। उन्होंने टेस्ट मैचों में 2013 में भारत के खिलाफ पदार्पण किया था और अपना एकमात्र टेस्ट शतक 2017 में इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बनाया था।

पहले मैच में दबाव में था: नटराजन

चेन्नई। बतौर नेट गेंदबाज आस्ट्रेलिया गए तेज गेंदबाज थांगरासू नटराजन ने सभी तीनों प्रारूपों में पदार्पण करके इतिहास बना दिया और उन्होंने कहा कि उन्हें मौका मिलने की उम्मीद नहीं थी जिससे भारत के लिए पहला मैच खेलते समय वह दबाव में थे।

वह एक ही दौरे पर सभी तीनों प्रारूपों में टीम के लिए पदार्पण करने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी बन गए। 29 साल के खिलाड़ी ने दो दिसंबर को कैनबरा में तीसरे वनडे में भारत के लिए पदार्पण किया था। नटराजन ने सलेम जिले में चिन्नाप्पामपट्टी में पत्रकारों से कहा, मैं अपना काम करने के लिए प्रतिबद्ध था। मुझे वनडे में मौका मिलने की उम्मीद नहीं थी। जब मुझे बताया गया कि मैं इसमें खेलूंगा तो मैं दबाव में था। मैं मौके का फायदा उठाना चाहता था। खेलना और एक विकेट लेना सपने की तरह था।

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का डटकर सामना करने के बाद गिल ने कहा, बाउंसर से डरता था

एजेंसी। नई दिल्ली

दुनिया के कुछ शानदार तेज गेंदबाजों के खिलाफ अपना टेस्ट कॅरियर शुरू करने वाले शुभमन गिल ने रविवार को खुलासा किया कि वह पहले बाउंसर गेंदों से काफी डरा करते थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपने इस डर पर काबू पा लिया था। गिल ने 91 रन की शानदार पारी से बड़े मंच पर दस्तक की, जिससे भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ निर्णायक चौथे टेस्ट के अंतिम दिन शानदार जीत की नींव रखी। छह पारियों में उन्होंने पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाजों का सामना किया और 21 साल का यह खिलाड़ी कहीं भी असहज नहीं दिखा। लेकिन कई साल पहले यह आसान नहीं था।

गिल ने अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइटराइडर्स की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट केकेआर डॉट इन से कहा, जब आपको गेंद लगती है तो आपका डर काफूर हो जाता है। आप केवल तभी डरते हो जब तक आपको चोट नहीं लगती, एक बार आपको गेंद लग जाती है, तो आपको लगता है कि यह बिलकुल सामान्य है। इसके बाद आपका डर पूरी तरह खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा, जब मैं युवा था तो मैं बाउंसर से काफी डरा करता था। मैं छाती की ऊंचाई की गेंदों के लिए पहले से ही तैयार हो जाता था। मैं ड्राइव का काफी अभ्यास किया करता था इसलिए मैं स्ट्रेट बल्ले से पुल शॉट खेलने में परिपक्व हो गया।

गिल ने कहा, मैंने एक और शॉट बनाया है जिसमें मैं कट खेलने के लिए एक तरफ को थोड़ा सा मूव हो जाता हूं। मैं शार्ट गेंदों से भी भयभीत होता था इसलिए मैं हमेशा गेंद की लाइन से हटकर कट शॉट खेलता। जब मैं छोटा था तो ए दो-तीन शॉट मेरे पसंदीदा होते थे और अब ए मेरी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा बन गए हैं। मोहाली में शुरुआती दिनों के बारे में बात करते हुए गिल ने यह भी बताया कि वह अकादमी में एक विशेष तेज गेंदबाज का सामना करने में काफी डरते थे और उन्होंने उसके भय को कैसे खत्म किया।

रूट का बड़ा शतक, लेकिन एम्बुलेडेनिया के सात विकेट से श्रीलंका बढ़त लेने के करीब

एजेंसी। गॉल

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने उपमहाद्वीप में स्पिनरों के अनुकूल पिचों पर खेलने की अपनी महारत का एक और अच्छा नमूना पेश करके रविवार को यहां शतक जमाया, लेकिन लेसिथ एम्बुलडेनिया ने सात विकेट लेकर दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच की पहली पारी में बढ़त हासिल करने की श्रीलंका की उम्मीदें बरकरार रखी। इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक नौ विकेट पर 339 रन बनाए थे और वह श्रीलंका से अभी 42 रन पीछे है जिसने अपनी पहली पारी में 381 का स्कोर खड़ा किया था।

पहले टेस्ट मैच में 228 रन की पारी खेलने वाले रूट अंतिम क्षणों में रन आउट होने से लगातार दूसरा दोहरा शतक जमाने से चूक गए, लेकिन उनकी 186 रन की पारी इंग्लैंड की तरफ से मुख्य आकर्षण रही। उन्होंने 309 गेंदें खेली तथा 18 चौके लगाए। रूट के आउट होने के बाद दिन का खेल समाप्त कर दिया गया। बाएं हाथ के स्पिनर एम्बुलडेनिया ने 132 रन देकर सात विकेट लिए हैं। उन्होंने एक छोर से गेंदबाजी का जिम्मा संभाला और रूट को छोड़कर बाकी बल्लेबाजों को दबाव में रखा।

रूट ने अपना 19वां टेस्ट शतक लगाया। उन्होंने जॉनी बेयरस्टॉ (28) के साथ तीसरे विकेट के लिए 111 रन जोड़कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। रूट ने इसके बाद जोस बटलर (55) के साथ पांचवें विकेट के लिए 97 रन और डॉम बेस (32) के साथ आठवें विकेट के लिए 81 रन की उपयोगी साझेदारियां की। श्रीलंका की तरफ से एम्बुलडेनिया के अलावा अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे ऑफ स्पिनर रमेश मेंडिस को ही सफलता मिली। उन्होंने बटलर के रूप में अपना पहला टेस्ट विकेट लिया। रूट ने तब क्रीज पर कदम रखा था जबकि इंग्लैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट गए थे और स्कोर दो विकेट पर पांच रन था।

पिछले मैच में मिली हार के बाद वापसी करना चाहेगी गोकुलम केरला

कल्याणी। गोकुलम केरला की टीम पिछले मैच में मिली हार के बाद सोमवार को यहां होने वाले आई लीग फुटबॉल मुकाबले में नेरोका एफसी के खिलाफ वापसी करना चाहेगी, जिसके लिए उसका लक्ष्य अपने डिफेंस को सुधारने का होगा। पिछले मैच में गोकुलम केरला को आइजोल एफसी से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह तालिका में नौंवे स्थान पर खिसक गई। अभी तक वह केवल एक ही जीत दर्ज कर पाई है और उसे दो हार का सामना करना पड़ा है। मुख्य कोच विन्सेंजो एनेसे ने स्वीकार किया कि गोकुलम को आगामी मैचों में अपनी रक्षात्मक पंक्ति को बेहतर करना होगा। वहीं पांचवें स्थान पर चल रही नेरोका एफसी का लक्ष्य भी जीत दर्ज करने का होगा जिससे वह लीग तालिका में ऊपर की ओर बढ़े।

भारत में धैर्य रखें इंग्लैंड के स्पिनर, लीच को करनी होगी सटीक गेंदबाजी: स्वान

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व ऑफ स्पिनर ग्रीम स्वान का कहना है कि भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में उनके देश के स्पिनरों को धैर्य बनाए रखना होगा और उन्हें लगता है कि जैक लीच इस दौरे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। लीच और डॉम बेस की स्पिन जोड़ी ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन गॉल में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में उन्हें विकेट नहीं मिला।

स्वान ने अपने 255 टेस्ट विकेटों में से 60 विकेट भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में लिए हैं और वह जानते हैं कि उपमहाद्वीप में सफल होने के लिए क्या आवश्यक है। इस 41 वर्षीय पूर्व स्पिनर ने एक क्रिकेट कार्यक्रम में कहा, एक चीज मैं हमेशा खुद से कहता था कि गेंद स्पिन होगी और वह स्पिन करती थी यहां तक कि उस दिन भी जब पिच बेहद सपाट हो। उन्होंने कहा, अगर आप विशेषकर भारत के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी करते हैं, तो वे आपको पूरे सम्मान के साथ खेलते हैं। वर्तमान टीम में वीरेंद्र सहवाग नहीं है। विराट कोहली जब स्पिनरों को खेलता है तो खराब गेंद का इंतजार करता है। स्वान ने कहा, भारतीय बल्लेबाज बेहद धैर्यवान हैं लेकिन अगर आप धैर्य रखने के लिए तैयार हैं और संयम के साथ पूरे दिन गेंदबाजी करते हैं, तो आपको विकेट मिलेंगे।

लंबे समय तक बायो बबल में रहकर खेलना मुश्किल: फाफ

एजेंसी। कराची

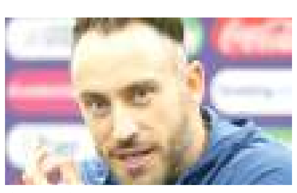

दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस का मानना है कि जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में रहकर क्रिकेट खेलना खिलाड़ियों के लिए जल्द ही बड़ी चुनौती बन सकता है और लंबे समय तक ऐसा करना संभव नहीं होगा। क्रिकेटरों को कोविड-19 महामारी के कारण कड़े दिशानिर्देशों का पालन करना पड़ रहा है।

डुप्लेसिस ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम समझते हैं कि यह बेहद कड़ा सत्र रहा और कई लोगों को इस चुनौती से जूझना पड़ा, लेकिन अगर एक के बाद एक जैव सुरक्षित वातावरण में जिंदगी गुजारनी पड़ी तो यह बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम अभी दो टैस्ट मैचों और तीन टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए पाकिस्तान में है। पहला टेस्ट मैच 26 जनवरी से कराची में जबकि दूसरा टेस्ट चार फरवरी से रावलपिंडी में खेला जाएगा। इसके बाद 11 से 14 फरवरी के बीच लाहौर में तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। डुप्लेसिस ने कहा, मुख्य प्राथमिकता क्रिकेट खेलना है। घर में बैठे रहने के बजाय बाहर निकलकर वह काम करना जो हमें पसंद है, इसलिए अब भी यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चिली की सीनियर टीम को हराया

एजेंसी। सैंटियागो (चिली)

भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम ने यहां चिली की सीनियर टीम को 2-0 से हराकर अपना अजेय अभियान जारी रखा। भारतीय टीम का चिली दौरे में यह पांचवां मैच था। इनमें से उसने चार में जीत दर्ज की जबकि एक मैच ड्रा रहा।

चिली की सीनियर टीम ने पहले तीन क्वार्टर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन भारतीय टीम आखिरी क्वार्टर में दो गोल करने में सफल रही। उसकी तरफ से संगीता कुमारी (48वें मिनट) और सुषमा कुमारी (56वें मिनट) ने गोल किए। पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों को मौके मिले, लेकिन उनकी रक्षापंक्ति ने बेहतरीन खेल दिखाया। भारतीय टीम दूसरे क्वार्टर में तब दबाव में दिखी जब चिली ने लगातार दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए। भारत ने तीसरे क्वार्टर में दबाव बनाया और 32वें मिनट में पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन इसका फायदा नहीं उठा पाया। इसके तीन मिनट बाद चिली की टीम भी पेनल्टी कार्नर को गोल में नहीं बदल पाई। युवा स्ट्राइकर संगीता ने ऐसे में चौथे क्वार्टर के शुरू में मिले मौके को भुनाकर भारत को बढ़त दिलाई। चिली ने जवाबी हमला करके पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन भारतीय रक्षकों ने फिर से अच्छा बचाव किया। भारतीय टीम को 56वें मिनट में पेनल्टी कार्नर मिला जिसे सुषमा कुमारी ने खूबसूरत ड्रैग फ्लिक से गोल में बदला।

पायनियर
हरियाणा, सोमवार, 25 जनवरी, 2021

गीता : एक स्थायी जुड़ाव

राधास्वामी का कहना है कि भागवतगीता पूरब और पश्चिम में एक समान प्रशंसित आध्यात्मिक ग्रंथ है। आइए ज्ञान के टुकड़ों से लाभ प्राप्त करें और दूसरों में बांटें

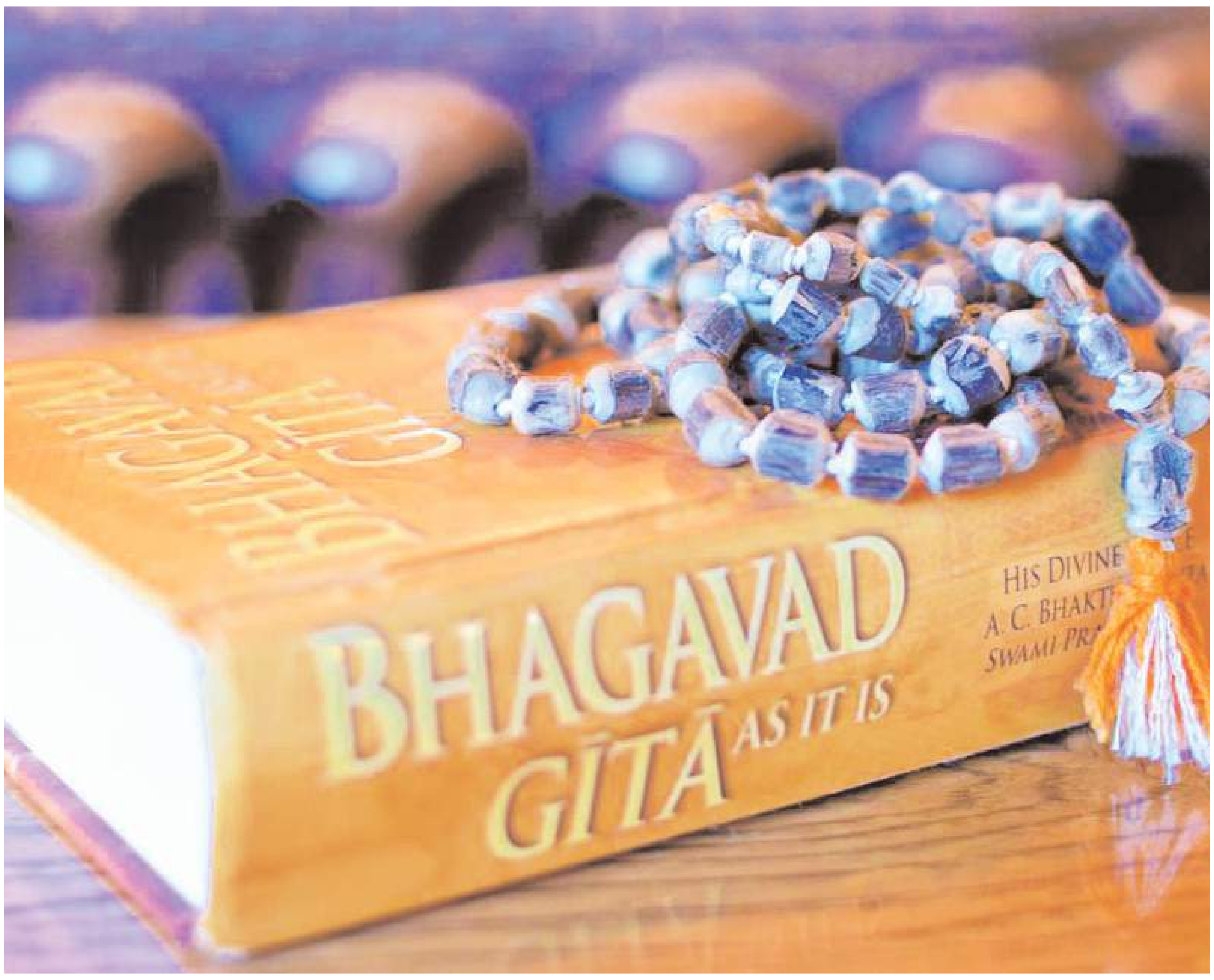

हम हिस्सों और नेटवर्कों के दौर में रहते हैं। वे हमारी संवाद से लेकर सामाजीकरण, स्वास्थ्य सुधार से लेकर संपत्ति कमाने की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। मामूली संपर्कहीनता कभी-कभी विध्वंसक साबित हो सकती है, मसलन हवाई जहाज का कंट्रोल टावर से संपर्क टूट जाना, मरीज का जीवन रक्षक प्रणाली से अलग हो जाना। अपने काम या सृजल के दौरान एक कमजोर, विचित्र संपर्क भयानक चिढ़, का कारण बन सकता है, हमारे मन की शांति छीन सकता है। हमें एकाग्र और शांत मन के साथ काम करने के लिए अपने स्मार्टफोन, कंप्यूटर पर एक स्थिर एवं मजबूत संपर्क संजाल की जरूरत है।

इसी आधार पर, हमें हृदय में एक मजबूत, स्थिर और संतोषजनक संपर्क की आवश्यकता है। हममें से हर कोई किसी से सच्चा प्रेम करना तथा किसी से सच्चा प्रेम पाना चाहता है। यह हममें से हर किसी का सहज स्वभाव है, चाहे हम किसी भी दुनियावी दायरों में हों अमीर, गरीब, साक्षर, निरक्षर, श्वेत, अश्वेत आदि।

हम किसी के साथ मजबूत जुड़ाव चाहते है, जहां हम अपना सच्चे प्रेम प्रस्तुत कर सकें और जहां हम सच्चा प्रेम पा सकें। क्योंकि ऐसे जुड़ाव के बिना, हमें इस दुनिया में शांति नहीं मिलती है। और हमारे जीवन में खुशी गायब हो जाती है। भागवतगीता (2.66) इसे स्पष्ट करती है, 'जिस व्यक्ति में स्थिर जुड़ाव की कमी होती है, उसकी समझ भ्रमित तथा भावनाएं खंडित होती हैं। ऐसे व्यक्ति में शांति नहीं होती हैं और उसी कारण वह खुश नहीं रहता है।'

हमारा जीवन बेचैनी, तनाव, क्रोध, असुरक्षा आदि से भरा है। पिछली कुछ सदियों में हमारी उन्नति ने उल्लेखनीय स्तर पर कुछ समस्याओं को हल किया है। लेकिन यह इस समस्या को हल नहीं कर पाई। पुराने जमाने की शारीरिक समस्याओं की जगह, वर्तमान की मनोवैज्ञानिक समस्याएं अब प्रमुख स्वास्थ्य समस्याएं बन गयी हैं। सिग्ना स्वास्थ्य बीमा के अनुसार, 89 फीसदी भारतीय तनाव से पीड़ित हैं। हर तीन सेकेंड में एक आत्महत्या का प्रयास होता है। लेकिन यदि हम अपने जीवन की पड़ताल करें, तो हम विभिन्न प्रकार से विभिन्न स्तरों पर लोगों से जुड़ने का प्रयास करते हैं। हमसे चूक कहां

इस दुनिया में सुख के हमारे साधन अस्थायी हैं इसीलिए हम भय, बेचैनी और असुरक्षा से ग्रसित रहते हैं। राजा से लेकर सड़क का भिखारी तक, हर कोई इस तजुर्बे से होकर गुजरता है। कोई भी अपवाद नहीं है। परिणाम यह कि इस दुनिया में हम जो कुल प्रसन्नता पाते हैं वो उसी क्षण पाते हैं।

पर हो रही है? भागवतगीता मूल कारण जानने में हमारा मार्गदर्शन करती है।

यदि हम अपने आसपास की दुनिया को देखें तो हम पाते हैं कि दुनिया में चीजें स्थायी नहीं हैं। उनकी एक शुरुआत और एक अंत है। इस दुनिया में हर चीज समय की तेज हवाओं से उड़ जाती है। जो इमारतें हम बनाते हैं, जो संपत्ति हम जुटाते हैं, जो उपकरण हम खरीदते हैं, यहां तक हमारा शरीर भी एक दिन समाप्त होता है। भागवतगीता (5.22)समझाती है, 'समझदार व्यक्ति बाह्य प्रसन्नता में आनंद नहीं लेता है। इसकी एक शुरुआत है और एक अंत है। इसलिए यह दुख का स्रोत है।' हम अपनी खुशी को इसी दुनिया की निरंतर बदलती एवं नश्वर चीजों पर टिका रहे हैं। इस दुनिया में सुख के हमारे साधन अस्थायी हैं इसीलिए हम भय, बेचैनी और असुरक्षा से ग्रसित रहते हैं। राजा से लेकर सड़क का भिखारी तक, हर कोई इस तजुर्बे से होकर गुजरता है। कोई भी अपवाद नहीं है। परिणाम यह कि इस दुनिया में हम जो कुल प्रसन्नता पाते हैं वो उसी क्षण पाते हैं। हमें एक अनंत एवं निरंतर बढ़ती खुशी चाहिए। इस दुनिया में खुश होने की कोशिश करना उबाऊ, रेगिस्तानी यात्री द्वारा पानी की एक बूंद से खुद को संतुष्ट करने की कोशिश करने जैसा है। यह काफी नहीं होने जा रहा है। ऐसा लगता है कि हम अंतिम छोर तक पहुंच गए हैं। क्या हमारे पास कोई समाधान है? हां। भागवतगीता हमें समाधान प्रदान करती है। यह हमें खाली हाथ नहीं छोड़ती है।

भागवतगीता (2.13)कहती है कि 'हम आत्मिक जीव हैं और हम बचपन, जवानी, बुढ़ापा और मृत्यु से होकर गुजरते हैं।' हम सिर्फ भौतिक काया नहीं हैं जिसे हम अपनी प्रत्यक्ष आंखों से देखते हैं। हमारी कुल भौतिक काया हार्डवेयर की तरह है, सूक्ष्म काया मन, बुद्धि और अहंकार से बनती है जो कि साफ्टवेयर की तरह हैं और हमारी आत्मा एक यूजर की तरह है। नींद के दौरान, हमारी भौतिक काया निष्क्रीय होती है, जबकि सूक्ष्म काया सपनों के रूप में सक्रिय रहती है। सपने में, मन दृश्य पटल है, और दृष्टा है आत्मा। हम भौतिक काया और मन द्वारा ढंके गए आध्यात्मिक लोग हैं। हम अपनी खुशी को पूर्णतया अपनी भौतिक काया, मन और अपने इदगिर्द चीजों के प्रति जुड़ावों पर टिका रहे हैं। हम यह मानते हुए दूसरों से जुड़ रहे हैं कि वे आत्मा से अंजान पदार्थ के उत्पाद हैं। यही कारण है कि हमारे मन की शांति व खुशी गायब है। पदार्थ के विपरीत, आत्मा अनंत, अटल व परम है। केवल आध्यात्मिक मंच से हम स्थायी खुशी प्राप्त कर सकते हैं जो हमारा अनुवांशिक जुड़ाव है। इसीलिए समाधान यह है कि अपने खोए हुए आध्यात्मिक जुड़ाव को पुनः स्थापित करें।

आध्यात्मिक आत्मों के रूप में हम उस परमशक्तिमान का अभिन्न हिस्सा हैं जो सर्वाधिक आकर्षक व सबसे दयालु है। ईश्वर से टूटा आध्यात्मिक संपर्क योग की प्रक्रिया द्वारा स्थापित किया जा सकता है। योग में पहला चरण है नश्वर दुनिया की वास्तविकता, अपने सच्चे आत्म, ईश्वर के साथ अपने खोए संबंध तथा उस संबंध को पुनर्जीवित करने के विज्ञान के प्रति खुद को जागरूक बनाना। इसे गीता जैसे आध्यात्मिक साहित्य के नियमित पाठन तथा अन्य ज्ञानीजनों की सोहबत के जरिए हासिल किया जा सकता है। दूसरा चरण है ध्यान, पूजा व भगवान की भक्ति की प्रक्रिया का अभ्यास करना (भागवतगीता 9.34)। यह चरण आध्यात्मिक जुड़ाव पुन:स्थापित करने में हमारी सहायता करता है। यह स्थायी आध्यात्मिक जुड़ाव हमें एकाग्रता प्रदान करता है, निरंतर बदलती, उथल पुथल व अस्थिर दुनिया में रहते हुए जीवन में संतुष्टि तथा अपने दुनियावी कर्तव्यों को निभाने की प्रेरणा देता है। 5000 साल पहले भगवान कृष्ण द्वारा कुरूक्षेत्र में अपने योद्धा-मित्र अर्जुन को सबसे पहले भागवतगीता का उपदेश दिया था। भागवतगीता ऐसा आध्यात्मिक ग्रंथ है जो गांधी से लेकर आइंस्टीन तक, पूरब और पश्चिम दोनों में प्रशंसनीय है। आइए ज्ञान के इन टुकड़ों से लाभ प्राप्त करें और दुनिया के साथ इसे साझा करें जिसे इस ज्ञान की परम आवश्यकता है।

- लेखक इस्कोन में आध्यात्मिक गुरू हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

समूची मानवता के लिए सबसे बुरा साल

किसी भी पैमाने से यह साल, जो बीता है, अगर ज्यादा नहीं तो कम से कम, बीते 75 सालों में समूची मानवता के लिए सबसे बुरा साल रहा। एक सबसे सूक्ष्म जीव, जो एक अनुमान के मुताबिक, खरबवें ग्राम के लाखवें हिस्से के बराबर भार का है, ने समूची दुनिया को कष्टदायी गतिरोध में ला खड़ा किया और निसंदेह एक चीज को साबित किया कि विज्ञान और तकनीक में हमारी समूची प्रगति का प्रकृति की सर्वोच्चता से कोई मुकाबला नहीं है, लेकिन बात यह नहीं है। कहने का तात्पर्य यहां यह है कि जो हुआ और हमने कैसे उसका सामना किया, उसका आत्ममंथन किया जाए, ताकि हम आने वाले दशकों या सदियों या उससे भी आगे की ओर देख सकें। जो कुछ हुआ तो किसी दुस्वप्न से कम नहीं था, जिसे हम सभी भुलाना चाहेंगे, यदि निश्चित रूप से, हम कर पाएं। हमने अनेक चीजें खोईं। बच्चों ने स्कूल खोया, कर्मचारियों ने नौकरियां खोईं, अर्थव्यवस्थाओं ने मंदी का सामना किया, बच्चों से खेलने का आनंद छिन गया और बूढ़ों की शांति खो गई, लोकतंत्रों ने आजादी खोई सूची अनंत है।

एक वाक्य में समूची मानवता ने जीवन खोया। क्या कोई उपाय था? इसका उत्तर देना आसान नहीं है। क्या इससे बेहतर ढंग से निपटा जा सकता था? कुछ पता नहीं। हालांकि, यदि हम वस्तुगत ढंग से मुड़कर देखें तो हम बेहतर आंकलन कर सकते हैं कि हालांकि व्यापक आबादी ने महामारी के कारण उत्पन्न उथल पुथल के कारण दुख झेला, मगर सत्ताधारी अभिजात्य दुनिया के कुछ खास तबके थे, जिन्हें महामारी के नाम पर संपूर्ण सत्ता पर कब्जा करने का अवसर मिला। परिणाम स्वाभाविक तौर पर वही था जैसा लार्ड एक्श ने कहा था, पूर्ण सत्ता पूर्णतया भ्रष्ट बनाती है। कुछ गिने चुने अपवादों को छोड़कर, समूची दुनिया के सत्ताधारी अभिजात्य ने लगभग एक जैसा ही आचरण किया, सत्ता शक्ति का भोंड़ा प्रदर्शन। इसको ध्यान में रखते हुए हम फिर यह कह सकते हैं कि इस नजरिए के हिसाब से, महामारी से बेहतर ढंग से निपटा जा सकता था। इसलिए, एक अहम योगदान, जो गुम पाया गया था, वो है भरोसा देता नेतृत्व। कुछ राज्यों के मुखिया थे जिन्होंने तिकड़म के बतौर समूचे खतरे को दरकिनार किया, जबकि कुछ अन्य थे जो बहुत तेज व लगातार शोर मचाते रहे कि ज्यादा लोग बिमारी के बजाय डर के कारण मर गए। समय की आवश्यकता थी नेतृत्व, जो लोगों को आश्वस्त करते हुए उनमें आत्मविश्वास जगा सकता था कि हम आपकी सुरक्षा के लिए हैं, अपने सारे दुखों को हम पर छोड़ दें। और यह सिर्फ देशों के नेतृत्व का मामला नहीं था। संस्थानों के नेतृत्व ने भी मुसीबत की घड़ी में अपने लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया। प्रतिउत्तर में जो चीज गायब थी वो था प्रसिद्ध आश्वासन जो भगवान कृष्ण ने गीता के नौवें अध्याय के 22वें श्लोक में अर्जुन को दिया था, योगक्षेम वहाम्यं। इसकी एक सरल व्याख्या यह है, 'उन लोगों को, जिनके मन हमेशा मुझमें रमे रहते हैं, मैं वो प्रदान करता हूं जो उनके पास नहीं है और उसकी रक्षा करता हूं जो उनके पास है।' और यह किया जा सकता था। क्या एक मां अपने नवजात असहाय बच्चे को छोड़ने की सोचती है जो पूरी तरह उस पर निर्भर है। लोगों का खयाल रखने का दायित्व नेतृत्व पर होता है। यह लोग नहीं थे जिनमें आस्था में कमी पाई गई। यह नेतृत्व था जो आत्मविश्वास निर्मित करने के मामले में कमी पाई गई। राज्य जगत ने शीशविहीत, हृदयहीन नौकरशाही पर भरोसा किया जिसने संवेदनहीनता व स्वार्थपूर्ण आचरण किया। यह समय वेबर के नजरिए की पुन:पड़ताल करने का है कि तंत्र की तटस्थता व वस्तुगतता, जो उसने प्रस्तावित की थी, और जो बहुत ज्यादा प्रचलित है, असलियत में संकट के समय में उपयोगी है या नहीं। परानुभूति की ही आखिरकार इस संकटकालीन स्थितियों में मांग होती है। भरोसा ऐसी चीज है जो किसी भी अन्य चीज की तुलना में नेतृत्व की कार्रवाई पर ज्यादा निर्भर करता है।

स्वयं को गंभीरता से लें

<u>महेन्द्र पाल</u>

दोस्तों, जीवन में कामयाबी पाने के लिए हमें खुद को उस कामयाबी के लायक बनाने, या दूसरे शब्दों में खुद की योग्यताओं और क्षमताओं को पहचानने और उन्हें उन्नत करने की अनिवार्य जरूरत होती है। याद आते हैं। माइकल जेफ्री जॉर्डन जिनको एमजे के नाम से भी जाना जाता है, 17 फरवरी 1963 को ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में जन्मे माइकल जॉर्डन अमेरिका के एक बहुत ही प्रसिद्ध बास्केटबॉल खिलाड़ी रहे हैं। इन्होंने नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन के द्वारा बहुत नाम कमाया है! उनके खेल का प्रदर्शन इतना अच्छा था कि सारे लोग उनसे बहुत प्रभावित हुए। सन 1991 में इन्होंने अपनी पहली बास्केटबाल चैंपियनशिप जीती और उसके बाद लगातार दो साल तक इस जीत को बनाए रखा। ऐसा भी वक्त आया, जब जॉर्डन बास्केटबॉल से निवृत्त होकर बेसबॉल में दिलचस्पी दिखाई, लेकिन फिर उन्होंने अपना कॅरियर बास्केटबॉल में ही बनाने का निर्णय लिया।

जीवन में कामयाबी के मद्देनजर माइकल जॉर्डन एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो आज की युवा पीड़ी का साहस बढ़ा सकते हैं। जब माइकल जॉर्डन 13 साल के हुए तो उनके पापा ने उसे इस्तेमाल किया हुआ कपड़ा दिया और पूछा कि इसकी कीमत कितनी हो सकती है? तो माइकल ने कहा कि एक डॉलर का होगा, तो उनके पिता ने कहा कि इसको 2 डॉलर में बेचकर आ। माइकल ने उस कपड़े को अच्छे से धोया, तह लगाया, चूंकि उस टाइम उनके पास इस्त्री तो थी नहीं, इसलिए उन्होंने उस कपड़े को किसी कपड़ों के ढेर के नीचे सलीके से रख दिया, जब कपड़ा सूख गया तो अगले दिन ट्रेन स्टेशन के पास गया और 6 घंटे की मेहनत के बाद माइकल को उस कपड़े के दो डालर मिले।

कुछ दिन बाद पिता ने एक कपड़ा देते हुए फिर माइकल से कहा कि इस कपड़े को 20 डॉलर में बेचकर दिखा, तो माइकल ने कहा कि यह कैसे हो सकता है, इसके 20 डॉलर कौन देगा? पापा ने कहा कि कोशिश तो करो। माइकल अपने दोस्त की मदद

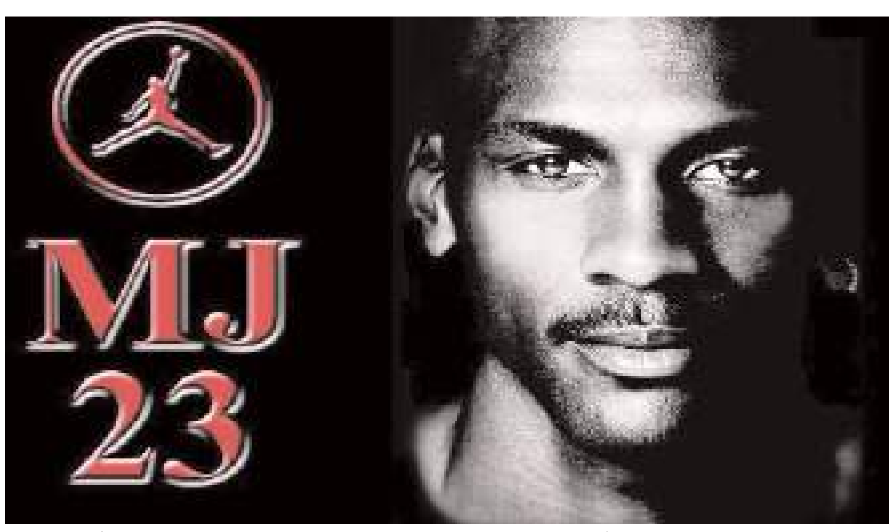

लेने गया और उस कपड़े पर मिकी माऊस की पेंटिंग बनवाई और अमीर बच्चों के स्कूल पहुंच गया, वहां एक छोटे से बच्चे ने पेंटिंग को पसंद किया और उसे खरीद लिया, साथ ही उसे 5 डॉलर टिप के रूप में भी दिए, यानी 25 डॉलर, जो उसके पिता के एक महीने की तनख्वाह के बराबर थे।

जब माइकल वापस आया तो उसके पापा ने तुरंत एक और कपड़ा हाथ में दे दिया और बोला कि इसे 200 डॉलर में बेच के दिखा, इस बार माइकल ने अपने पिता से कुछ नहीं बोला कि ये कैसे हो सकता है। वो तरीका सोचने में लगे थे कि तभी उन्हें पता चला कि उनके सिटी में फिल्म की शूटिंग के लिए एक नामचीन अभिनेत्री आई है। माइकल सुरक्षा दायरे को तोड़ते हुए उस अभिनेत्री के पास गए और बोला कि कृपया, ऑटोग्राफ दे दीजिये।

मासूम से बच्चे को देखकर वो एक्ट्रेस मना नहीं कर पाई और उस एक्ट्रेस ने उस कपड़े पर अपना ऑटोग्राफ दे दिया। आटोग्राफ लेने के बाद माइकल तेज-तेज चिल्लाते हुए बोलने लगे कि 200 डॉलर में फलां अभिनेत्री के आटोग्राफ वाला कपड़ा खरीदें। और पलक झपकते वहां पर कपड़े को लेने के लिए नीलामी शुरू हो गई और अंतत: उसने उस कपड़े को 1200 डॉलर में एक व्यापारी को बेच दिया।

जब माइकल 1200 डॉलर लेकर अपने घर पहुंचा तो उसके पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, वो रो पड़े और पूछा कि बेटा तुम इतने दिनों से जो ये कपड़े बेच रहे हो, इससे क्या सिखा तुमने? बेटा बोला, पापा जहां चाह वहां राह (जहां पर इरादे होते हैं रास्ता अपने आप वहां आ जाता है) पिता ने हामी भरते हुए कहा कि बिलकुल सही हो, लेकिन मेरा उद्देश्य ये बिलकुल नहीं था। मैं तो तुम्हें बस यही दिखाना चाहता था कि जो कपड़े का टुकड़ा सिर्फ 1 डालर का था जब हम उसकी कीमत बढ़ा सकते है तो हम अपनी कीमत क्यों नहीं बढ़ा सकते। क्योंकि हम तो इंसान हैं, सोच सकते हैं, विचार कर सकते हैं, कुछ भी कर सकते हैं। इसीलिए स्वयं माइकल जार्डन का मानना है कि मैं असफलता को स्वीकार कर सकता हूं, हर कोई किसी ना किसी चीज में विफल होता है। लेकिन मैं प्रयास ना करना नहीं स्वीकार कर सकता।

अच्छे कार्य-जीवन संतुलन के लिए कृत्रिम मेधा

अश्विनी उपाध्याय, कोमल खंडेलवाल एवं जयंती अयंगर का कहना है कि अनेक लोगों के लिए उत्तम कार्य-जीवन संतुलन पाना एक दूर का सपना है। संपादित अंश...

तकनीक ने हमारे व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन को प्रभावित किया है। एआई काम को अधिक आसान और अधिक तेज बनाती है और हमें अपने मन को स्थिर होने का मुक्त समय प्रदान करती है। यह अनिवार्य है कि व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन दोनों के लिए तकनीक के उपयोग में संतुलन लाया जाए। इन दिनों, जब लोग व्यक्तिगत एवं पेशेवर जीवन की सीमा में घर से काम करने के लिए मजबूर हैं, तो यह जरूरी है कि एआई का उपयोग किया जाए, ताकि कर्मचारियों को सामरिक काम और अपनी रुचियां पूरी करने के लिए फुर्सत का समय पाने में सहायता मिले। डिजीटलीकरण से जुड़ी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि काम और घरेलू जीवन का फर्क मिट रहा है। ईमेल चेक करना और परिवार के साथ टेलीविजन देखना वास्तविकता बन गया है। फिल्म देखने के दौरान बिजनेस कॉल सुनना पुन: एक आम बात है।

उत्तम कार्य-जीवन संतुलन पाना एक दूर का सपना है। अनेक लोग बढ़ते काम के असर को अपने स्वास्थ्य पर ब्लडप्रेशर व डायबिटीज जैसे जीवनशैलीगत रोगों के रूप में देख रहे हैं। अनेक पेशेवर लोग बेचैनी और अवसाद जैसी तनाव संबंधी समस्याओं से पीड़ित हैं। रोजमर्रा दिनचर्या में स्वास्थ्य को शामिल करने में अब एआई उपयोगों के जरिए सहायता मिल रही है। एआई अब अच्छा कार्य-जीवन संतुलन संतुलन बढ़ाने का माध्यम है। आइए देखें कि एआई किस प्रकार कार्य-जीवन संतुलन स्थापित करने में सहायता कर सकती है।

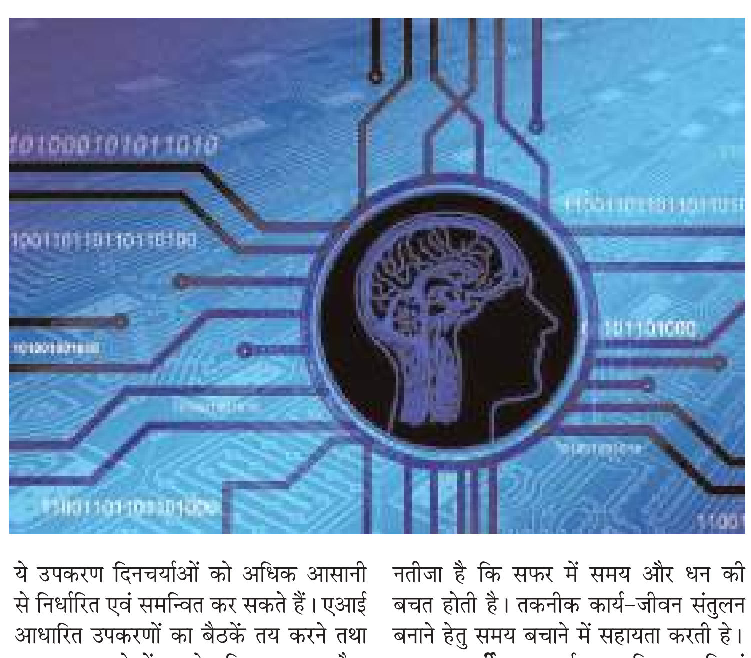

उत्पादकता बढ़ाना : गूगल जैसी कंपनियां ईमेल, वीडियो कांफ्रेसिंग, डाकूमेंट साझीदारी, ठोस संदेशन तथा अन्य बहुत सारे कामों का समावेशन करने में सक्षम हो रही हैं। ये उपकरण दिनचर्याओं को अधिक आसानी से निर्धारित एवं समन्वित कर सकते हैं। एआई आधारित उपकरणों का बैठकें तय करने तथा काम पूरा करने में उपयोग किया जा रहा है।

काम को आसानन बनाना : अनेक एआई आधारित एप्स अनेक परमुखी एवं दोहरावपूर्ण कार्यों को आटोमेशन के जरिए काम करना आसान बनाते हैं। आटोमेशन रिमाइंडर एप्स याद दिला सकते हैं कि कब मीटिंग होने वाली है। ये उपकरण लोगों को यहां तक याद दिलाते हैं कि कब दवा लेनी है, टहलना है या अवकाश लेना है।

लचीलापन लाती है तकनीक : एआई काम में लचीलापन लाती है। एआई और अन्य उपकरणों से, कर्मचारी अब दूरदराज से काम कर सकते हैं। गूगल हैंगआउट्स और जूम जैसे उपकरण आनलाइन एवं वर्चुअल बैठकें करने में सहायता करते हैं। प्रत्यक्ष मीटिंग में शामिल होने की अब आवश्यकता नहीं है जिसका नतीजा है कि सफर में समय और धन की बचत होती है। तकनीक कार्य-जीवन संतुलन बनाने हेतु समय बचाने में सहायता करती हे।

पारदर्शी : एआई आधारित प्रणालियां टीमों के बीच निर्बाध एवं पारदर्शी संवाद गढ़ती हैं।

स्वास्थ्य एप्स : कर्मचारी अपने स्वास्थ्य और तंदुरूस्ती बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य एप्स का उपयोग करते हैं। तकनीक अच्छा कार्य-जीवन संतुलन बनाने हेतु एक उपकरण का काम करती है। एआई का उपयोग अर्थपूर्ण नेटवर्किंग, उत्पादकता एवं एकाग्रता की ओर ले जा सकता है। (माथुर, 2019)

- अश्विनी उपाध्याय, कोमल खंडेलवाल और जयंती अयंगर द्वारा लिखित पुस्तक एआई रिवोल्यूशन इन एचआरएम : द न्यू स्कोरकार्ड के सपांदित अंश। पुस्तक सेज पब्लिकेशंस, इंडिया से प्रकाशित है।